Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 18 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-138

केरल सरकार पर हावी वामपंथी टेरर मॉडल

6 साल में 431 विस्फोटक हमले, एक में भी कार्रवाई नहीं

केरल में साल 2016 से सीपीआई-एम की कम्युनिस्ट सरकार है। कम्युनिस्ट जिस केरल मॉडल का हौवा खड़ा करते हैं, उस सीपीआई-एम राज वाले केरल में जून 2016 से अगस्त 2022 तक के प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 431 बम धमाके हुए। इसमें रेखांकित करने वाली बात यह है कि वामपंथी सरकार के इन 6 वर्षों में हुए 431 आतंकी वारदातों में से किसी एक मामले में भी किसी को कोई सजा नहीं हुई। केरल पुलिस ने 431 बम धमाकों में से सिर्फ 162 मामलों में चार्जशीट दाखिल की है। जांच में सबूत नहीं मिलने का हवाला देते हुए 207 मामलों को बंद कर दिया गया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि केरल पुलिस ने ज्यादातर मामलों की जांच नहीं की क्योंकि आरोपी सत्ताधारी पार्टी सीपीआई-एम से जुड़े थे। अधिकांश मामलों में शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने जांच टीमों पर दबाव डाला कि वे केस में ढंग से जांच न करें और न ही सबूत प्रस्तुत करें। आतंकी हमलों के अलावा इस रिपोर्ट में गुंडागर्दी वाले हमलों का भी हवाला दिया गया है। गुंडागर्दी वाले हमलों के 150 मामलों में से 142 में चार्जशीट दाखिल कर दी गई। जिसमें 6 को बरी कर दिया गया। सिर्फ 5 गुंडों को ही सजा हुई।

राजनीतिक दबाव से केरल पुलिस पंगु, कानून व्यवस्था बदतर

केरल में गुंडा शब्द का इस्तेमाल उन मामलों में किया जाता है, जिसमें कोर्ट ने किसी को दोषी पाया हो या केरल के सक्षम अधिकारी द्वारा केरल असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम-2007 के केस में उन्हें शामिल पाया गया हो। ऐसे मामलों में सिर्फ 10 मामले सामने आए, जिसमें आरोपी बम बनाते पकड़े गए, जिसमें से 5 मामलों में चार्जशीट दाखिल की गई, जबकि 2 मामलों को बंद कर दिया गया।

पुलिस की ही रिपोर्ट में कहा गया है, टॉप पुलिस अधिकारियों ने इन मामलों को दबाने में दिलचस्पी दिखाई और जांच टीमों पर दबाव बनाया कि वो कोर्ट में पुख्ता सबूत न पेश करें। हाल ही में एक ऐसा भी मामला सामने आया है, जिसमें केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में ▶9पर

प्रधानमंत्री मोदी ने बाराबंकी की विशाल चुनावी जनसभा में कहा

राममंदिर पर एससी का फैसला पलटना चाहती है कांग्रेस

मोदी हिंदू-मुसलमान नहीं करता, इंडी गठबंधन के पाप गिनाता है
इंडी गठबंधन उटपटांग खिचड़ी है, पकने के पहले ही स्वाद बेमजा

बाराबंकी, 17 मई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा है कि अगर कांग्रेस आई तो राममंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला बदल देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राममंदिर पर बुलडोजर चलवा देगी। प्रधानमंत्री ने इंडी गठबंधन को नसीहत भी दी कि उन्हें योगी जी से ट्यूशन लेना चाहिए कि कहां बुलडोजर चलाना है और कहां नहीं। पीएम मोदी शुक्रवार को यहां जैदपुर मार्ग के समीप विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आपके एक वोट की ताकत ने 500 साल के इंतजार को खत्म करके भव्य राममंदिर में श्रीरामलला को विराजमान कराया। कहा कि पहले जब लोग रामलला को टेंट में देखते थे तो सरकार को भद्दी भद्दी गालियां देते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि योगी जी के ओडीओपी मिशन से अब मुझे विदेश जाते वक्त गिफ्ट लेने के लिए चिंता नहीं करनी पड़ती। उन्होंने कहा कि यूपी में जो सफाई अभियान योगी जी ने चलाया है, उसके कारण यहां निवेश का माहौल बना है।

▶9पर

जनघोष बन गया अबकी बार 400 पार का नारा : योगी

बाराबंकी, 17 मई (एजेंसियां)।

देश में अब तक चार चरणों के चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं जबकि तीन चरण बाकी हैं। इसके बावजूद पूरे देश की जनता जनार्दन 4 जून के परिणाम को लेकर पहले से ही आश्वस्त है। वह जानते हैं कि इस बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ही जीत होगी। यही वजह है कि पूरे देश में एक बार फिर मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार का नारा गूंज रहा है। यह उद्घोष अब जनघोष बन गया है। यह पूरे देश में कांग्रेस और इंडी गठबंधन के विभाजनकारी तुष्टीकरण और अराजकता की नीतियों के खिलाफ देश की ▶9पर

सांसद स्वाति मालीवाल का मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज हुआ बयान

केजरीवाल के घर में नारी की प्रतिष्ठा तार-तार

दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का आवास प्रताड़ना-गृह के रूप में काम कर रहा है। मुख्यमंत्री के इशारे पर एक महिला सांसद को जिस तरह पिटवाया गया और जिस तरह की शैतान हरकतें की गईं, वह भारतीय लोकतंत्र पर कलंक है। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास पर सीएम के पीए विभव कुमार ने जिस तरह मारपीट और बदसलूकी की उस मामले में आज दिल्ली पुलिस ने स्वाति मालीवाल का मजिस्ट्रेट के सामने कलमबंद बयान दर्ज कराया। स्वाति मालीवाल ने एफआईआर में विभव कुमार पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

स्वाति मालीवाल की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर में कहा गया है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार ने उन्हें लातों और थप्पड़ों से मारा। स्वाति जब मदद के लिए चिल्लाईं तो मदद के कोई नहीं आया, उल्टा विभव ने उन्हें और पीटा। स्वाति ने बताया कि वह लगातार मदद के लिए चिल्ला रही थीं लेकिन विभव नहीं रुका। विभव ने उनकी छाती, पेट और शरीर

पीए ने मुझे लातों-थप्पड़ों से मारा और मेरे अंग पर आघात किया
गंदी गालियां दीं, फर्श पर घसीटा और सीएम आवास से बाहर फेंका

के निचले हिस्सों पर लात से हमला किया। स्वाति की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने लिभव कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। स्वाति ने मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज कराए बयान में भी कहा है कि जब वे सीएम केजरीवाल से मिलने के लिए इंतजार कर रही थी तभी अचानक उनके पीए विभव कुमार कमरे में घुस आए। उन्होंने बिना किसी उकसावे के चिल्लाना शुरू कर दिया। मुझे गालियां भी दीं। उसने कहा, तू कैसे हमारी बात नहीं मानेगी? कैसे नहीं मानेगी? ▶9पर

महिला सांसद से बदसलूकी पर सीएम की चुप्पी संदेहजनक

नई दिल्ली. 17 मई (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि राज्यसभा की एक सांसद के साथ केजरीवाल के करीबी ने बदसलूकी की। इसके बावजूद दिल्ली के मुख्यमंत्री अब तक चुप हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए थी, लेकिन विभव कुमार उनके साथ लखनऊ में घूम रहे थे। स्वाति मालीवाल राज्यसभा सदस्य हैं और वह दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। उनकी चुप्पी को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। अरविंद केजरीवाल अभी भी इस मुद्दे पर चुप हैं। ▶9पर

दक्षिण को अलग देश बताने पर तल्ख हुए अमित शाह

केटीआर के कुछ गंभीर सवालों पर चुप रह गए शाह

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

हाल ही में तेलंगाना के बीआरएस नेता केटी रामाराव ने अपने एक बयान में उत्तर बनाम दक्षिण के मुद्दे पर बात की और दक्षिण को अलग देश बताया। इस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केटी रामाराव के उस बयान पर तीखी टिप्पणी की है और बीआरएस नेता के बयान को घोर आपत्तिजनक बताया है।

अमित शाह ने कहा इस देश को फिर कभी नहीं बांटा जा सकता। एक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने कहा था कि उत्तर भारत को दक्षिण भारत से अलग कर देना चाहिए, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने इस बयान से दूरी बना ली। देश की जनता को कांग्रेस के एजेंडे के बारे में सोचना चाहिए। अगर कोई कहता है कि दक्षिण एक अलग देश है तो ये बेहद आपत्तिजनक है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा दक्षिण के पांच राज्यों केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में सबसे बड़ी पार्टी बनने जा रही है।

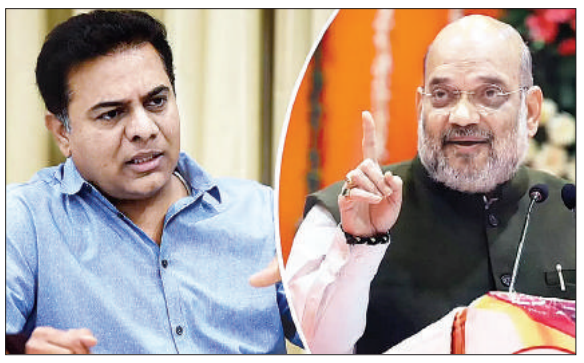

दक्षिण की तरह बिहार-यूपी भी क्यों नहीं बढ़ाते प्रति व्यक्ति आय?

बीआरएस नेता केटी रामाराव ने बीते हफ्ते अपने एक बयान में कहा था कि उत्तर भारत अपने आप में अलग देश है। यह एक अलग दुनिया है। मैं ये नहीं कह रहा हूं कि यह पूरी तरह से अलग है, लेकिन व्यवहारिक तौर पर यह अलग देश है। मुझे लगता है कि यहां दक्षिण के मुकाबले अलग मुद्दे हैं। लोग अलग सोचते हैं। यही वजह है कि भाजपा दक्षिण में अपनी जगह नहीं बना पा रही है।

बीआरएस नेता ने प्रति व्यक्ति आय पर बात करते हुए कहा कि तेलंगाना में प्रति व्यक्ति आय 357 रुपए है, जो कि उत्तर भारत के राज्यों की तुलना में सबसे ज्यादा है। केटी रामाराव ने कहा कि बिहार में ये 57 रुपए और उत्तर प्रदेश में 87 रुपए के करीब है। ये उनकी (उत्तर भारत) सरकारों की कमी है कि वे अच्छा प्रशासन नहीं दे पा रही हैं। उनकी प्राथमिकताएं गलत जगह पर हैं, वे अपने लोगों को पिछड़ा बनाए रखना चाहती हैं और वोट लेने के लिए उनकी भावनाओं से खेलते हैं। दक्षिण में ऐसा नहीं है, यहां असल मुद्दों पर फोकस रहता है। केटी रामाराव ने कहा कि आधारभूत ढांचे, शिक्षा और साक्षरता दर और स्वास्थ्य सूचकांक आदि सभी जगह दक्षिण के राज्य अन्य राज्यों से बहुत आगे हैं, खासकर हिंदी पट्टी के राज्यों से।

एस जयशंकर ने पाकिस्तान को सीधे तौर पर चेताया

सीमा पार आतंकवाद अब भारत को सहन नहीं

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सीमा पार से होने वाली आतंकी गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान पर निशाना साधा है। साथ ही उन्होंने पड़ोसी देश को इसके परिणाम भुगतने की चेतावनी भी दी है। सीआईआई वार्षिक बिजनेस समिट 2024 में बोलते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि भारत में किसी भी तरह की सीमा पार आतंकवादी गतिविधि के प्रति सहनशीलता बहुत कम है। अगर ऐसा कुछ होता है तो एलओसी और सीमा पर इसका असर पड़ेगा।

विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान लगातार आतंकी गतिविधियों का अभ्यास कर रहा है। पहले हमारे देश में

आतंकवाद को अपने पड़ोसी के सनकीपन के रूप में देखते थे। अब हमने आतंकवाद के साथ निपटने के लिए खुद को उसी तरह से तैयार किया है। एस जयशंकर ने कहा कि 2014 में भारत ने साफ तौर पर निर्णय लिया था कि हम सीमा पार के आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे। विदेश मंत्री ने उरी और बालाकोट की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि इसका परिणाम उन्होंने देखा है। अगर हमारा पड़ोसी ऐसी हरकतें करना बंद कर दे तो हम भी उसके प्रति एक सामान्य पड़ोसी की तरह व्यवहार करेंगे। अब गेंद उनके पाले में है।

▶9पर

TIBCON
CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,917.03
+253.31 +0.34% ↑
एनएसई :22,466.10
62.25 (0.28%) ↑

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 24^0

दिल्ली शराब घोटाले में ईडी की आठवीं चार्जशीट दाखिल

आरोप पत्र में सीएम केजरीवाल अभियुक्त

आम आदमी पार्टी को भी आरोपी बनाया गया

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

दिल्ली शराब नीती घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आठवीं चार्जशीट दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल की है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दाखिल की गई यह आठवीं चार्जशीट है। ईडी ने बताया कि इस चार्जशीट में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का नाम आरोपी के तौर पर दर्ज है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दाखिल आठवीं चार्जशीट दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सीधे आरोपी बनाए गए हैं।

दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट ने शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और ईडी की रिमांड को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि वह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आपा) को जल्द ही शराब नीति मामले में आरोपी बनाएगी। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ के समक्ष ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने बताया कि हम अरविंद केजरीवाल और आप के खिलाफ अभियोजन शिकायत (आरोपपत्र) दायर करने का प्रस्ताव कर रहे हैं। ▶9पर

सुप्रीम कोर्ट ने 17 घुसपैठियों को वापस भेजने को कहा

उनको दी जा रही सुविधाएं भारतीय नागरिकों को मिलें

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने 17 विदेशी नागरिकों को उनके देश वापस भेजने का आदेश दिया है। ये विदेशी नागरिक असम के एक डिटेंशन कैंप में रखे गए थे। जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने यह आदेश दिया कि इन विदेशी नागरिकों को तत्काल वापस भेजा जाए, क्योंकि उनके खिलाफ कोई अपराध दर्ज नहीं है, ऐसे में उन्हें वापस भेजने में कोई बाधा नहीं है और उन पर खर्च हो रहे संसाधन भारत के नागरिकों को मिलने चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में क्या कार्रवाई की गई, इसकी रिपोर्ट दो महीने के भीतर सौंपी जाए और अगली सुनवाई 26 जुलाई को होगी। असम में डिटेंशन सेंटरों की स्थिति और उनमें रखे जा रहे लोगों की नागरिकता के संदेह के मामले लंबे समय से चर्चा में हैं। यह फैसला असम में डिटेंशन सेंटरों की स्थिति को लेकर दिया गया है, जहां ऐसे लोगों को रखा जाता है जिनकी नागरिकता संदेह में हो या जिन्हें ट्रिब्यूनल ने विदेशी घोषित कर दिया हो।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 76,000/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 90,640/-
(प्रति किलोग्राम)

सुनक सरकार की गलती से लंदन से लौटेंगे कई भारतीय : वीजा में गड़बड़ी फर्जी कंपनियों ने पैसे ऐंठे, अब 4100 नर्सों को भारत वापसी का डर

ब्रिटेन, 17 मई (एजेंसियां) ।

ब्रिटेन में हजारों भारतीय नर्सों पर देश वापसी का खतरा मंडरा रहा है। इसकी वजह ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक सरकार की लापरवाही हैं। ये समस्या फर्जी कंपनियों की वजह से पैदा हुई है, जिन्हें सुनक सरकार ने बिना जांच-पड़ताल किए विदेशों से नर्सों को नौकरी पर रखने की इजाजत दी थी। दरअसल, मोटी रकम लेकर कर्मचारियों का वीजा स्पॉन्सर करने वाली इन कंपनियों की हाल ही में जब प्रशासन ने जांच की तो इनमें से ज्यादातर कंपनियां फर्जी निकलीं। इसके बाद सरकार इन कंपनियों द्वारा लाए गए भारतीय नर्सों पर कार्रवाई कर रही है। इस फैसले का असर 7 हजार से ज्यादा नर्सों पर पड़ेगा। इनमें से सबसे ज्यादा भारत के 4 हजार नर्सें हैं। कार्रवाई की गई नर्सों में से 94 प्रतिशत मामले सरकार द्वारा कंपनियों का रजिस्ट्रेशन रद्द करने के कारण सामने आए हैं। सुनक सरकार की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे ब्रिटेन गए भारतीय ब्रिटेन में विदेशियों को काम पर रखने के लिए स्पॉन्सर लाइसेंस की जरूरत होती है। सुनक सरकार पर बिना किसी ठोस जांच सैकड़ों कंपनियों को लाइसेंस देने का आरोप है। सरकार ने 268 कंपनियों को लाइसेंस दिया, जिन्होंने कभी इनकम टैक्स रिटर्न भी दाखिल नहीं किया।

लाइसेंस हासिल कर चुकी कई कंपनियां भी फर्जी थीं। कोई गलती न होने के बावजूद दंडित किए जा रहे भारतीय प्रवासियों की मदद करने वाली एनजीओ 'माइग्रेंट्स एट वर्क' के संस्थापक अके अची के मुताबिक अवसर की तलाश में लाखों रुपए का कर्ज लेकर भारतीय देश छोड़कर यहां आते हैं।

ये वे लोग होते हैं जो तमाम नियम कायदों का पालन कर आते है। उनकी कोई गलती न होने के बावजूद वे दंडित किए जा रहे हैं। पहले लाखों के कर्ज का शिकार हुए और अब सरकार की गलतियों का शिकार हो रहे हैं। केयर वर्कर्स यूनियन की महासचिव क्रिस्टीना मैकेनिया ने कहा कि असहाय श्रमिकों को अधर में छोड़ना गलत है। प्रवासियों ने यहां आने के लिए अपना जीवन दांव पर लगा दिया है। 18 लाख रुपए देकर भाई-बहन पहुंचे ब्रिटेन, अब देश वापसी का डर महाराष्ट्र की रहने वाली जैनब कॉन्ट्रैक्टर (22) दो बच्चों की मां हैं। वे और उनके भाई इस्माइल (25) ने वीजा स्पॉन्सर के लिए ब्रिटेन की कंपनी को 18 लाख रुपए दिए थे।

न्यूज ब्रीफ

क्या अमेरिका मजबूत, बहु-धार्मिक, बहु-जातीय लोकतंत्र बना रहेगा, भारतवंशियों से बाइडन की सलाहकार का सवाल

वॉशिंगटन । अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। इसी को लेकर व्हाइट हाउस की एक शीर्ष अधिकारी ने भारतीय-अमेरिकियों से पूछा कि राष्ट्रपति चुनाव को लेकर छह महीने बाद मतदान होने वाला है, ऐसे में असली सवाल यह उठता है कि क्या अमेरिका मजबूत, बहु-जातीय, बहु-धार्मिक लोकतंत्र बना रहेगा। हम सभी अमेरिकी सपने का हिस्सा राष्ट्रपति जो बाइडन की घरेलू नीति सलाहकार नीरा टंडन वार्षिक शिखर सम्मेलन और इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट समारोह में भाग लेने पहुंची थीं। इस मौके पर उन्होंने कहा, इस साल वास्तविक सवाल, जिसका भविष्य पर गहरा प्रभाव पड़ेगा, यह है कि क्या हम एक मजबूत, बहु-जातीय, बहु-धार्मिक लोकतंत्र बने रहेंगे, जहां हम में से कईयों का स्वागत किया जाता है, हम सभी अमेरिकी सपने का हिस्सा हैं, या क्या हम उससे पीछे हटना शुरू कर देंगे। चुनाव में शामिल होना जरूरी उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह वास्तव में एक जरूरी पल है, न केवल आपकी भागीदारी के लिए, बल्कि आपके नेतृत्व के लिए। चुनाव में शामिल होना जरूरी है। बातचीत करना महत्वपूर्ण है। राजनीतिक प्रक्रिया में अधिक से अधिक लोगों को शामिल करना भी महत्वपूर्ण है। बच्चों को ज्यादा अवसर मिलें भारतीय-अमेरिकी नेता ने कहा कि पिछले कई दशकों में उनका अनुभव अवसरों को बढ़ाने का रहा है। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में आभारी हूं कि इस देश ने मेरी प्रगति का स्वागत किया है। मैं उन मुद्दों पर व्हाइट हाउस में काम करने के लिए बहुत भाग्यशाली महसूस करती हूं, जो भारतीय अमेरिकियों और सभी अमेरिकियों के लिए मायने रखते हैं। यह बहुत बड़ा सम्मान और जिम्मेदारी है, लेकिन मुझे लगता है कि हमारी जिम्मेदारी का हिस्सा यह सुनिश्चित करना है कि हमारे बच्चों को इस देश में हमसे ज्यादा अवसर मिलें। बहुत सारे लोग राजनीति और नीति से जुड़े हुए इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट का दो दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम संपन्न हुआ।

चुनौतियों से पार पाने के लिए भारत की तकनीकी सहायता बेहद अहम, बोलीं राष्ट्रमंडल महासचिव

लंदन । राष्ट्रमंडल महासचिव पेट्रीसिया स्कॉटलैंड ने भारत की तकनीकी सहायता की सराहना की। उन्होंने

कहा कि राष्ट्रमंडल के लिए भारत की तकनीकी सहायता बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि इससे कई विकासशील देशों को विकास संबंधी चुनौतियों से पार पाने की काफी उम्मीद मिलती है, जिन्हें भारत पहले ही स्वीकार कर चुका है और उनसे आगे निकल चुका है। राष्ट्रमंडल शिक्षा मंत्रियों का 22वां सम्मेलन 56 सदस्यीय संगठन की महासचिव ने यह बयान लंदन में राष्ट्रमंडल शिक्षा मंत्रियों के 22वें सम्मेलन की मेजबानी के दौरान दिया। बता दें, सम्मेलन का विषय समावेशी भविष्य के लिए लचीलापन, समानता और कौशल को बढ़ावा देना था। स्कॉटलैंड ने राष्ट्रमंडल के साथ एक खुले स्रोत तरीके से तकनीकी विकास साझा करने की भारत की इच्छा का स्वागत किया और संगठन के शैक्षिक लक्ष्यों के प्रति अधिक प्रतिबद्धता की उम्मीद की। लंदन में राष्ट्रमंडल सचिवालय मार्लबोरो हाउस मुख्यालय में दो दिवसीय बैठक शुरू हुई। इस दौरान स्कॉटलैंड ने मंत्रियों से शिक्षा तक पहुंच में बाधा डालने वाली बाधाओं को दूर करने, प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और जीवनभर सीखने की इच्छा को प्रोत्साहित करने में मदद करने का आह्वान किया।

रूस और चीन हमेशा साथ हैं, बीजिंग की यात्रा के दौरान रूसी राष्ट्रपति को याद आया 75 साल पुराना गीत

बीजिंग । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन चीन के दौरे पर हैं। गाजा और यूक्रेन से तनाव के बीच रूसी राष्ट्रपति का एक साल के भीतर दूसरी बार चीन का दौरा है। अपने पांचवे कार्यकाल में प्रवेश करने के बाद पुतिन की यह पहली विदेश यात्रा है। दो दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन पुतिन ने दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों की तारीफ की और कहा कि रूसी और चीनी हमेशा साथ हैं। 1940 के दशक का एक गीत किया याद मॉस्को और बीजिंग के बीच संबंधों पर जोर देते हुए रूसी राष्ट्रपति ने इसकी तुलना 1940 के दशक के एक गीत से की। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ और क्रॉस-कल्चरल ईयर की शुरुआत के लिए समर्पित एक संगीत कार्यक्रम से पहले पुतिन ने दोनों देशों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों के जारी रहने का विश्वास जताया। रूसी और चीनी हमेशा साथ पुतिन ने कहा, यह कार्यक्रम राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ को समर्पित है।

पीओके में जारी संघर्ष पर अलर्ट हुए शहबाज शरीफ समस्याओं का समाधान खोजने के लिए समिति का किया गठन

इस्लामाबाद, 17 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में इन दिनों काफी संघर्ष चल रहा है। इसे लेकर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री चिंतित हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पीओके के लोगों की समस्या का समाधान खोजने के लिए एक समिति गठित की है। गौरतलब है कि शहबाज एक दिन के दौरे पर मुजफ्फराबाद गए थे। लोगों ने उनके समक्ष अपनी मांग रखी। हालांकि, इस दौरान कुछ उपद्रवियों ने दंगा फैलाने और हत्याएं करने की कोशिश की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शरीफ ने पीओके सरकार की कैबिनेट की एक विशेष बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जल शुल्क और नीलम-झेलम जलविद्युत संयंत्र जैसे मुद्दों पर चर्चा करने लिए एक समिति के गठन का आदेश दिया। पीओके में आटे की ऊंची कीमतों और बढ़ें हुए बिजली बिलों और करों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प के दौरान एक पुलिस जवान सहित चार लोगों की मौत हो गई। हमले में कई लोग घायल हैं। शहबाज ने विरोध प्रदर्शन के दौरान एक पुलिस अधिकारी और नागरिकों की हत्या पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार उनके परिवारों का समर्थन करेगी। आईएमएफ टीम की यात्रा के बाद, मंत्री और बिजली सचिव मुद्दों का स्थायी समाधान खोजने के लिए कश्मीरी अधिकारियों से बात करेंगे। पाकिस्तान कश्मीरी लोगों को अपना नैतिक और राजनयिक समर्थन देना जारी रखेगा।

भारत सरकार से अपील- यूएन में उठाएं मुद्दा

पीओके के राजनीतिक कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने हाल ही में भारत सरकार से अपील की कि भारत पाकिस्तान के राजदूत को तलब करे और उनसे स्पष्टीकरण मांगे। मिर्जा ने एक वीडियो बयान जारी किया। वीडियो में उन्होंने कहा कि आज सुबह लगभग पांच लाख लोग मुजफ्फराबाद और आसपास के शहरों में बिजली बिलों पर करों, सब्सिडी में कटौती का विरोध कर रहे थे। उनकी मांग थी कि कि सरकार प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के भत्तों और विशेषाधिकारों को समाप्त करे। मिर्जा ने वैश्विक समर्थन के लिए आग्रह किया है। उन्होंने भारत सरकार से अनुरोध किया कि संयुक्त राष्ट्र में पीओके का मुद्दा उठाया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय विदेश मंत्रालय पाकिस्तान के राजदूत को तलब करे और उनसे पीओके में हो रही हिंसा पर जवाब मांगे। मिर्जा ने दावा किया पीओके में दिनदहाड़े हत्याएं हो रही हैं। हमारी जान खतरे में है।

भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने कर्नल काले को दी श्रद्धांजलि, आईडीएफ - यूएनडीएसएस के अफसर भी थे मौजूद

तेल अवीव । इजराइल में भारतीय दूतावास के दो अधिकारियों ने कर्नल वैभव अनिल काले को अंतिम सम्मान दिया। दरअसल, इजराइल और हमास के संघर्ष के बीच गाजा में कर्नल काले की मौत हो गई। उनके शव को भारत वापस लाया गया। दूतावास के अधिकारियों के साथ इस्राइली विदेश मंत्रालय, इस्राइली सुरक्षाबल और संयुक्त राष्ट्र विभाग के बचाव और सुरक्षा (यूएनडीएसएस) अधिकारी बी शामिल हुए। सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए भारतीय दूतावास ने कहा, इस्राइली विदेश मंत्रालय, आईडीएफ और यूएनडीएसएस अधिकारियों ने कर्नल वैभव काले के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने गाजा में अपनी जान गंवा दी। उनका पार्थिव शरीर भारत लाया जा रहा है। यूएन में शामिल होने के लिए लिया था रिटायरमेंट राफा से खान यूनिस क्षेत्र में अस्पताल ले जाते समय 46 वर्षीय कर्नल काले की मौत हो गई थी।

अपने बच्चों को बड़े होते देखना काफी मजेदार : पद्मा लक्ष्मी

एक्ट्रेस ने टीनएजर बेटी कृष्णा के बारे में की बात

लॉस एंजेलिस, 17 मई (एजेंसियां) ।

एक्ट्रेस पद्मा लक्ष्मी ने अपनी टीनएजर बेटी कृष्णा के बारे में बात की और बताया कि वह कुछ चीजों को लेकर पेरेंटिंग में काफी सख्त हैं। पद्मा सोशल मीडिया पर अपनी 14 वर्षीय बेटी कृष्णा की फोटो और वीडियोज शेयर करती रहती हैं।

पद्मा ने बताया, मुझे लगता है कि कोई भी माता-पिता यह अच्छे से समझ सकते हैं कि हम क्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह कुछ ऐसा नहीं है जिसके लिए हमने पहले से तैयारी की थी। हम बस सोफे पर बैठे बातें कर रहे थे, ओह, वह फनी है। यह फनी है और तभी मैंने कहा, चलो इसे रिकॉर्ड करें। यह बस एक प्रयोग है। अपने बच्चों को बड़े होते और वे जो बनना चाहते हैं, उन्हें वह बनते देखना काफी मजेदार है। उन्होंने कहा कि वह कभी-कभी कृष्णा के दो टूक जवाबों से हैरान रह जाती हैं। उन्होंने कहा, विभिन्न चीजों पर उसकी अपनी राय है... मुझे नहीं लगता कि वह अधिकतर टीनएजर्स से अलग है, शायद वह उम्र से थोड़ा पहले समझदार हो गई है। पद्मा लक्ष्मी ने कहा, मैं कुछ चीजों को लेकर सख्त हूं और कुछ चीजों को लेकर उतनी सख्त नहीं हूं जितना मुझे होना चाहिए, जैसे कि सोने का समय... वह अभी 14 साल की है।

मैं यह सुनिश्चित करने के बारे में सख्त थी कि वह अपने जीवन के पहले चार-पांच साल में बहुत अच्छा खाना खाए और मैं वयस्कों के अनादर को बर्दाश्त नहीं करती। वह ऐसी (अनादर करने वाली) नहीं है, लेकिन इस मामले में हमारी एशियाई संस्कृति सामने आती है - घर में आने से पहले अपने जूते उतारने और बड़ों को अंकल या आंटी कहने जैसी हमारी परंपराओं का सम्मान।पद्मा ने बताया कि कृष्णा उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर दिखती हैं, लेकिन उनकी बेटी का अपना कोई अकाउंट नहीं है। उन्होंने कहा, वह सोशल मीडिया पर नहीं है, मुझे इसके बारे में पता है।

रूस ने ब्रिटेन के रक्षा अताशे को किया निष्कासित, एक सप्ताह में छोड़ना होगा देश

मॉस्को, 17 मई (एजेंसियां) ।

रूस-यूक्रेन युद्ध को दो साल से भी अधिक समय हो गया है। इस दौरान मॉस्को और लंदन के बीच तनाव और तकरार बढ़ती जा रही है। ब्रिटेन ने जासूसी के आरोपों पर इस महीने की शुरुआत में रूसी रक्षा अताशे को निष्कासित कर दिया था। वहीं अब रूस ने पलटवार करते हुए ब्रिटेन के रक्षा अताशे एड्रियन कॉघिल को मास्को से निष्कासित कर दिया है।

आठ मई को किया था ब्रिटेन पर वार

बता दें कि आठ मई को ब्रिटेन में रूस के रक्षा अताशे को निष्कासित कर दिया गया था, जिस पर जासूस होने का आरोप लगाया था और सीकॉक्स हीथ संपत्ति और रूसी दूतावास से राजनयिक दर्जा हटा दिया था। ब्रिटेन ने रूसी राजनयिक वीजा पर भी नए प्रतिबंध लगाए हैं, जिसमें राजनयिकों द्वारा देश में बिताए जाने वाले समय की अवधि भी शामिल है। रक्षा अताशे एड्रियन कॉघिल पर कार्रवाई मंत्रालय ने कहा कि ब्रिटिश राजनयिक को सूचित किया गया कि मॉस्को में ब्रिटेन के दूतावास में रक्षा अताशे एड्रियन कॉघिल को अवांछित व्यक्ति घोषित किया जाता है। उन्हें एक हफ्ते के भीतर रूस को छोड़ना होगा। मंत्रालय ने कहा कि ब्रिटेन की रूस विरोधी कार्रवाइयों पर हमारी प्रतिक्रिया, जो आठ मई को घोषित की गई थी, इस उपाय तक सीमित नहीं है। तनाव भड़काने वालों को आगे के प्रतिक्रिया कदमों के बारे में सूचित किया जाएगा। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ग्रांट शाप्स ने कॉघिल को रूस से निष्कासित करने को हताशा भरा कदम बताया।

ब्रिटेन और रूस का संबंध

रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन का रूस के साथ वर्षों से असहज संबंध रहा है। वह अपने एजेंटों पर लक्षित हत्याओं और जासूसी का आरोप लगाता है, जिसमें ब्रिटिश सांसदों पर लक्षित साइबर हमले और रूसी हितों की सेवा के लिए संवेदनशील जानकारी को लीक करना और बढ़ाना शामिल है।

प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर हुआ हमला राजनीतिक नहीं, आंतरिक मंत्री ने किया ये दावा

ब्राटीस्लावा, 17 मई (एजेंसियां) ।

स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर हुए हमले को लेकर वहां के आंतरिक मामलों के मंत्री मेटस सुटेज ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि पीएम फिको की हत्या की कोशिश ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने दावा किया था कि हमले की शुरुआती जांच में फीको पर हमले के पीछे पाया गया कि यह राजनीति से प्रेरित था। हालांकि, वे अपने पूर्व बयान से पलट गए। उन्होंने कहा कि जिस संदिग्ध पर हमले का आरोप लगाया गया है, उसका किसी भी राजनीतिक समूह से संबंध नहीं है। उसने अकेले ही इस हमले को अंजाम दिया है। हालांकि उन्होंने हमले के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं की। इसके साथ ही प्रधान मंत्री रॉबर्ट फिको पर हमला

करने वाले संदिग्ध पर पूर्व-निर्धारित हत्या का आरोप लगाया गया है। आंतरिक मामलों के मंत्री ने कहा कि इस हमले का वो अकेला मास्टरमाइंड है। बीते महीने हुए राष्ट्रपति चुनाव को लेकर उसने हाल ही में सरकार विरोधी भावना व्यक्त की थी। इससे पहले, अस्पताल के एक अधिकारी ने फिको की हालत की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा कि उनकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर थी। बता दें कि स्लोवाकिया की राजधानी ब्राटीस्लावा के हैंडलोवा शहर में उन पर कई गोलियां बरसाई गई। उन पर हमला तब किया गया जब एक सरकारी मीटिंग के बाद फिको अपने समर्थकों से मिल रहे थे। इसी दौरान हमलावर ने रॉबर्ट फिको को करीब से पांच गोलियां मार दी। वहीं प्रधानमंत्री के सुरक्षाकर्मियों ने मौके से ही आरोपी हमलावर को पकड़ लिया, जिसकी पहचान जुराज सिनटुला (71 वर्षीय) के रूप में हुई है। आरोपी एक कवि है और बताया जा रहा है कि वह, रॉबर्ट फिको की नीतियों से नाराज था और इसी के चलते उसने फिको पर हमला किया। लोकलुभावन नेता को जान से मारने की इस कोशिश ने छोटे से देश को हिलाकर रख दिया है। यूरोपीय चुनावों से कुछ हफ्ते पहले पूरे महाद्वीप में इसकी गूंज सुनाई दी है।कई लोगों ने इस हमले के लिए आंशिक रूप से अत्यधिक राजनीतिक ध्रुवीकरण को जिम्मेदार ठहराया है जिसने देश को विभाजित कर दिया है। कौन हैं रॉबर्ट फिको रॉबर्ट फिको का जन्म साल 1964 में हुआ और उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत स्लोवाकिया की आजादी के बाद कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य के तौर पर की। रॉबर्ट फिको के पास कानूनी की डिग्री है और उन्हें वकालत का लंबा अनुभव है। स्लोवाकिया की राजनीति में रॉबर्ट फिको एक बड़ा नाम हैं। रॉबर्ट फिको ने साल 1992 में स्लोवाकिया की संसद का चुनाव लड़ा और साल 1999 में वह स्मेर (डायरेक्शन) पार्टी के अध्यक्ष बन गए थे।

तानाशाह किम की बहन बोली- हमने रूस को हथियार नहीं दिए

नॉर्थ कोरिया के हथियार देश की रक्षा के लिए, बेचने के लिए नहीं

प्योंगयांग, 17 मई (एजेंसियां) ।

नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने रूस को हथियार देने के अमेरिका और साउथ कोरिया के दावों को गलत बताया है। नॉर्थ कोरिया के सरकारी न्यूज चैनल के मुताबिक किम यो जोंग ने कहा कि रूस को हथियार देने की बातें मनगढ़ंत और बेतुकी हैं। किम यो जोंग ने कहा, नॉर्थ कोरिया ने देश की सुरक्षा के लिए हथियार बनाएं हैं, किसी दूसरे देश को बेचने के लिए नहीं।

किम की बहन का ये बयान उस वक्त आया है जब अमेरिका ने रूस की 3 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाएं है। इन पर नॉर्थ कोरिया और रूस के बीच हथियारों की डील कराने के आरोप थे। दरअसल, नॉर्थ कोरिया के हथियार खरीदने और बेचने पर (संयुक्त राष्ट्र संघ) ने पाबंदियां लगा रखी हैं।

अमेरिका और पश्चिमी देश लगातार रूस पर नॉर्थ कोरिया से मिलिट्री टेक्नोलॉजी और आर्थिक सहायता के बदले में यूक्रेन युद्ध के लिए तोपखाने, मिसाइल और दूसरे हथियार खरीदने के आरोप लगाते रहे हैं।

दावा- नॉर्थ कोरिया ने हथियारों के 7 हजार कंटेनकर रूस भेजे

साउथ कोरिया ने मार्च में दावा किया था कि नॉर्थ कोरिया ने जुलाई 2023 से मार्च 2024 तक रूस को हथियारों से भरे 7 हजार कंटेनर भेजे। इसके बदले नॉर्थ कोरिया में रूस के 9 हजार कंटेनर आए थे। इनमें खाने की कमी झेल रहे नॉर्थ कोरिया के लिए मदद का सामान होने का दावा किया गया।

वहीं, वॉशिंगटन में बैठे एक्सपर्ट्स का दावा है कि नॉर्थ कोरिया को हथियार भेजने के बदले सैटेलाइट टेक्नोलॉजी मिली है। नॉर्थ कोरिया ने हाल ही में कहा था कि वे अपनी सेना के लिए 240 मिलीमीटर के रॉकेट लॉन्चर बनाएगा, जो सेना की जंग लड़ने की क्षमता को बढ़ाएंगे।

यूक्रेन में दागीं मिसाइलों से खुलासा

अमेरिका के साथ-साथ यूक्रेन का भी दावा है कि रूस ने नॉर्थ कोरिया से हथियार खरीदे हैं। जनवरी में रूस के खार्किव शहर में दागी गई एक मिसाइल के मलबे से इसकी पुष्टि होने का दावा किया गया। सिर्फ हथियार ही नहीं अमेरिका का दावा है कि रूस ने ह सिक्योरिटी काउंसिल की लिमिट से आगे जाकर नॉर्थ कोरिया को रिफाइंड पेट्रोल दिया है।

1990 से खाने की कमी से जूझ रहा नॉर्थ कोरिया

रिपोर्ट के मुताबिक नॉर्थ कोरिया में 1990 के दशक में खतरनाक अकाल पड़ा था। तब से वहां पर खाने की कमी है। फरवरी 2023 में एक्सपर्ट्स ने चेताया था कि अनाज के उत्पादन में कमी होने की वजह से नॉर्थ कोरिया में खाने का संकट गहरा गया है। बेकार मौसम और अंतर्राष्ट्रीय पाबंदियों के चलते वहां स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। साउथ कोरिया की सैटलाइट इमेज से दिखाया था कि नॉर्थ कोरिया में साल 2022 में 2021 के मुकाबले 18 हजार टन कम अनाज पैदा हुआ था।

किम जोंग ने लोगों को कम खाना खाने का आदेश दिया था

2022 में उत्तर कोरिया से आई एक रिपोर्ट ने दावा किया था कि अनाज की कमी को पूरा करने के लिए किम जोंग उन ने लोगों से कम खाना खाने को कहा है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया के मुताबिक, कोरिया वर्कर्स पार्टी की बैठक में किम जोंग ने कहा था- अब देश में फैक्ट्रियां लगाने पर काम होगा और लोगों के जीवन में सुधार लाया जाएगा।

चुनाव की गहमागहमी में अमित शाह के श्रीनगर दौरे को लेकर चर्चा

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 17 मई।

देश में जारी लोकसभा के अहम चुनाव, जिसमें भाजपा की इज्जत अब पूरी तरह से दांव पर लग चुकी है, के बीच प्रचार अभियान को छोड़ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कश्मीर के दो दिनी दौरे पर कई सवाल और आशंकाएं हवा में हैं। दरअसल यह सवाल और आशंकाएं इसलिए हैं क्योंकि अमित शाह अपने अचानक तूफानी फैसलों के लिए जाने जाते हैं।

कल श्रीनगर पहुंचने के तुरंत बाद, उन्होंने गुज्जर, बकरवाल, पहाड़ी और सिखों सहित विभिन्न समुदायों के कई प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की थी। प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात के बाद शाह ने श्रीनगर के एक होटल में भाजपा नेताओं के एक समूह से भी मुलाकात की। सूत्रों ने कहा कि शाह ने जम्मू कश्मीर में वंशवादी शासन को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया और अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि अधिकतम लोग नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और कांग्रेस के खिलाफ वोट करें। वैसे उनके इस अचानक दौरे से भाजपा का एक धड़ा भी हैरान था!

कश्मीर में मुख्यधारा के राजनीतिक नेताओं ने शाह की कश्मीर यात्रा के उद्देश्यों के बारे में आशंका जताई है, खासकर लोकसभा चुनावों के बीच में और जब भाजपा सीधे तौर पर घाटी में किसी भी सीट पर चुनाव नहीं लड़ रही है। नेकां प्रमुख उमर अब्दुल्ला ने बांडीपोरा में एक चुनाव प्रचार रैली से इतर संवाददाताओं से कहा कि क्या यह अजीब नहीं लगता कि गृह मंत्री अपना चुनाव अभियान छोड़कर दो दिनों के लिए ऐसी जगह आ रहे हैं जहां वे चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शायद, वे जानते हैं कि आगा रुहुल्ला (श्रीनगर से नेकां उम्मीदवार) पहले ही श्रीनगर सीट जीत चुके हैं और अब नेशनल कॉन्फ्रेंस की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं।

पीडीपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री नईम अख्तर ने भी शाह के कश्मीर दौरे पर आश्चर्य जताया था। अख्तर ने एक्स पर पोस्ट किया था जिसमें कहा था कि एक महत्वपूर्ण चुनाव के बीच में, कश्मीर का दौरा जहां पार्टी अपने उम्मीदवार भी नहीं उतार रही है! आशा है कि सब कुछ ठीक है। हालांकि अधिकारियों ने बताया कि शाह गुरुवार शाम यहां पहुंचे और शुक्रवार सुबह नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए। हालांकि जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव के बीच उनकी यात्रा के कारण कश्मीर स्थित कुछ मुख्यधारा के राजनीतिक नेाओं के साथ उनकी बैठकों की अटकलें लगाई गईं, लेकिन घाटी छोड़ने से पहले मंत्री की व्यस्तताओं पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था।

संविधान पीठ का फैसला मानना बाध्यकारी: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि जजों की कम संख्या वाली पीठों पर संविधान पीठ का फैसला बाध्यकारी होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने अप्रैल 2022 के एक फैसले का जिक्र करते हुए यह टिप्पणी की। 7 अप्रैल 2022 के एक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि कोई पंचायत उस जमीन पर स्वामित्व का दावा नहीं कर सकती, जो हरियाणा के भूमि कानून के तहत असली मालिकों से मंजूर अधिकतम सीमा तक ली गई हो।

शीर्ष अदालत ने कहा था कि पंचायतें उन जमीनों का सिर्फ प्रबंधन और नियंत्रण कर सकती हैं और उन पर स्वामित्व का दावा नहीं कर सकतीं। पीठ ने कहा कि भूमि मालिकों को जमीन वापस भी नहीं की जा सकती क्योंकि जमीन का अधिग्रहण वर्तमान की जरूरतों के साथ ही भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाता है। अब सुप्रीम कोर्ट ने अपने अप्रैल 2022 के फैसले की समीक्षा करते हुए कहा कि संविधान पीठ द्वारा निर्धारित कानून को अनदेखा करना और उसके विपरीत दृष्टिकोण रखना एक गलती होगी।

सुप्रीम कोर्ट में अप्रैल 2022 के फैसले की समीक्षा की मांग को लेकर याचिका दायर की गई थी। इस याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि हमारे विचार से संविधान पीठ के फैसले को नजरअंदाज करने से इसकी मजबूती कमजोर होगी और सिर्फ इस आधार पर फैसले की समीक्षा की अनुमति दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट अब 7 अगस्त को समीक्षा याचिका पर सुनवाई करेगा।

बंगाल में टीएमसी नेताओं के ठिकानों पर सीबीआई का छापा

कोलकाता, 17 मई (एजेंसियां)।

सीबीआई ने शुक्रवार को बंगाल में टीएमसी के दो नेताओं के ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी साल 2021 में चुनाव के बाद हुई हिंसा के मामले में की गई। सीबीआई ने बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले के काठी इलाके में टीएमसी नेताओं के ठिकानों पर छापा मारा। 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा में भाजपा के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई थी।

सीबीआई अफसरों की एक टीम ने काठी ब्लॉक नंबर 3 में टीएमसी नेता देबब्रत पांडा के घर छापेमारी की। साथ ही दूसरे ब्लॉक में टीएमसी नेता नंददुलाल मैती के घर पर भी कार्रवाई की। सीबीआई अफसर ने बताया कि पांडा और नंददुलाल के बेटे का नाम 52 अन्य आरोपियों के साथ एफआईआर में है। हिंसा में भाजपा कार्यकर्ता जन्मेजय दुलाई की मौत हुई थी। सीबीआई अफसरों ने बताया कि आरोपियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

आरोपियों से पूछताछ भी होगी। अधिकारियों के मुताबिक चुनाव बाद हिंसा मामले में 30 आरोपियों को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन कोई भी नहीं पहुंचा, जिसके बाद सीबीआई ने छापेमारी की कार्रवाई की।

मई 2021 को पश्चिम बंगाल विधानसभा के नतीजे आने के साथ ही बंगाल में हिंसा की घटनाएं हुईं। खासकर टीएमसी कार्यकर्ताओं ने जगह जगह भाजपा कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया। हिंसा के डर से कई भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने घर भी छोड़ दिए थे। हिंसा के डर से राजनीतिक कार्यकर्ताओं के घर छोड़ने का मामला कलकत्ता हाईकोर्ट भी पहुंचा था।

उमर अब्दुल्ला के लिए राह आसान नहीं है बारामुला में

जम्मू, 17 मई (ब्यूरो)।

पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला बारामुला में कड़े मुकाबले में उलझे हुए हैं, जहां तीखे राजनीतिक नारे और झड़पें चुनावी माहौल की विशेषता हैं। उड़ी, कुपवाड़ा और हंदवाड़ा जैसे प्रमुख क्षेत्रों सहित निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 17 लाख मतदाताओं के साथ, इस सीट पर बहुत कड़ा मुकाबला है।

पिछले चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अकबर लोन ने यह सीट हासिल की थ। इस बार उमर अब्दुल्ला अपनी पारंपरिक सीट श्रीनगर छोड़कर खुद बारामुला से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्हें पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के सज्जाद लोन और इंजीनियर राशिद से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि पीडीपी ने भी इस क्षेत्र में अपनी ताकत दिखाई है। उसके कार्यकर्ता ने अपनी पार्टी के चुनाव चिह्न कलम के समर्थन में लगातार नारेबाजी करते दिख रहे हैं। प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, गुलमर्ग की बर्फीली चोटियों और कश्मीर घाटियों में पर्यटकों की आमद के बावजूद बारामुला वर्तमान में राजनीतिक गतिविधि का केंद्र है। कस्बों और गांवों में चुनावी गर्मी साफ दिख रही है।

बारामुला के चौक चौराहों पर उमर के पोस्टरों में उनकी पार्टी का हल चिन्ह प्रमुखता से दिखाई देता है, जो उनकी उपस्थिति को मजबूत करता है। इस बीच, पीडीपी कार्यकर्ताओं ने गुलमर्ग से बारामुला तक रास्ते में पीडीपी हमारी जमात है, कलम याद रखें जैसे नारे लगा कर अपनी उपस्थिति दर्शाने की भरपूर कोशिश की है। इंजीनियर राशिद के बेटे और खुद उम्मीदवार अबरार राशिद ने आतंकी फंडिंग के आरोप में अपने पिता के तिहाड़ जेल में बंद होने के बावजूद समर्थन जुटाया है। कश्मीरी में अभियान के नारे उनके संघर्ष पर जोर देते हैं, मतदाताओं से राशिद की सहायता के लिए अपने प्रेशर कुकर चुनाव चिह्न पर बटन दबाने का आग्रह करते हैं। सज्जाद गनी लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, जिसका प्रतीक सेब है, स्थानीय मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए बारामुल्ल्ला की प्रसिद्ध सेब की खेती का लाभ उठाती है।

उनके समर्थकों का दावा है कि यह प्रतीक स्थानीय जनता को सबसे अधिक प्रभावित करता है। कांग्रेस ने उमर अब्दुल्ला के साथ गठबंधन किया है, जबकि भाजपा विशेष रूप से मैदान से अनुपस्थित है, हालांकि उमर अपने भाषणों में उन पर निशाना साधते रहते हैं। स्थानीय राजनीतिक विशेषज्ञों का सुझाव है कि उमर अब्दुल्ला ने नेकां के घटते आधार को फिर से हासिल करने के लिए बारामुला को चुना। हालांकि, कुपवाड़ा और हंदवाड़ा में सज्जाद लोन का प्रभाव, इंजीनियर राशिद के लिए युवा समर्थन के साथ मिलकर, इसे एक चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता बनाता है।

पीडीपी के फैयाज अहमद ने भी दौड़ में गर्मी बढ़ा दी है। युवा मतदाताओं के बीच रोजगार एक प्रमुख मुद्दा बना हुआ है। स्थानीय लोगों को पर्यटन से परे रोजगार के अवसरों की आवश्यकता है। लोग भ्रष्टाचार और राज्य सरकार के चुनावों के महत्व पर प्रकाश डालते हैं। इस बीच राजनीतिक पंडितों का मानना है कि सज्जाद लोन कड़ी प्रतिस्पर्धा प्रदान करेंगे, जबकि अन्य इंजीनियर रशीद को एक मजबूत विकल्प के रूप में देखते हैं। पिछले चुनाव में, नेकां के अकबर लोन ने 30,000 वोटों से जीत हासिल की थी, जिसमें पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के राजा इजाज अली और इंजीनियर राशिद के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। इस साल एक प्रमुख नेता के रूप में उमर अब्दुल्ला की उम्मीदवारी से वोटों के अंतर पर असर पड़ने की उम्मीद है। हालाँकि, कुछ स्थानीय लोग चुनाव के बाद बड़े नेताओं की व्यस्तता पर संदेह व्यक्त करते हैं।

भाजपा की अनुपस्थिति के बावजूद उमर अब्दुल्ला अपने भाषणों में उन पर परोक्ष रूप से सज्जाद लोन का समर्थन करने का आरोप लगाते हुए निशाना साधते रहते हैं। गहन राजनीतिक गतिविधि और रणनीतिक गठजोड़ से चिह्नित यह चुनाव, जम्मू-कश्मीर में सबसे अधिक बारीकी से देखे जाने वाले मुकाबलों में से एक बना हुआ है।

मौलवी केस में बड़ा खुलासा
पाकिस्तान का कनेक्शन निकला

कर्णावती, 17 मई (एजेंसियां)।

हिंदू संगठनों के नेताओं को फोन पर जान से मारने की धमकी देने वाले सूरत के कठोर गांव निवासी मौलवी सोहेल टिमोल, मुज़फ्फरपुर के शहनाज़ और महाराष्ट्र के शकील से पूछताछ में बड़ी जानकारी सामने आई है। पुलिस की जांच में पाकिस्तान और नेपाल का कनेक्शन मिला है। पुलिस को फर्जी दस्तावेज भी हाथ लगे हैं।

इस पूरे मामले की जांच के लिए पुलिस ने तीनों आरोपियों को रिमांड पर लेकर कड़ी पूछताछ की।

सूरत क्राइम ब्रांच, एनआईए और केंद्रीय एजेंसियों ने मौलवी के कठोर स्थित घर पर मौलवी को साथ रखकर छापा मारा था। मौलवी के घर से पुलिस को उसके नाम के दो वोटिंग कार्ड और जन्म का प्रमाणपत्र मिला है। इनमें से एक सूरत के कठोर का था और दूसरा महाराष्ट्र के नवापुर का था।

शहनाज़ के पास से नेपाल और भारत की नागरिकता के दस्तावेज मिले हैं। इन डॉक्यूमेंट का कहां-कहां उपयोग किया गया है, इस पर पुलिस ने जांच शुरू की है।

आरोपी पाकिस्तान के हैंडलर डोगर के सम्पर्क में थे। हिंदू विचारधारा के साथ जुड़े हुए लोगों से मौलवी, शहनाज और शकील अलग-अलग वर्चुअल नंबर से सम्पर्क करते थे और उनको फोन पर धमकी देते थे। शहनाज़ भारत-नेपाल बॉर्डर पर गांव लहान में गारमेंट्स का धंधा करता था और वह पाकिस्तानी हैंडलर के साथ सम्पर्क में था। मौलवी सोहेल पाकिस्तान के डोगर के सम्पर्क में था और डोगर तमाम आरोपियों को उकसाने का काम करता था। हिंदू विचारधारा से जुड़े जो लोग सोशल मीडिया पर एक्टिव थे, वह सब उनके निशाने पर थे।

सोशल मीडिया पर हिन्दुओं के बारे में विचार रखने या मुसलमान के खिलाफ कुछ भी लिखने या कमेंट्स करनेवालों को वह रडार पर रखते थे। बाद में फोन पर धमकी देते थे।

हिंदूवादी विचारधारा रखनेवालों को वर्चुअल कॉल कर जान से मारने की धमकी दी जाती थी। आरोपी जिस फोन नंबर का उपयोग करते थे वह नंबर भी डोगर ही एक्टिव कराकर देता था। सरफराज, सादिक, एम वखास और जशबाबा जैसे और भी पाकिस्तानी हैंडलर्स के नाम सामने आए हैं।

तमाम आरोपी इन सब हैंडलर्स के साथ क्या बातचीत करते थे? मौलवी को मिला हुआ फंड कहा से आया और किसने दिया इस दिशा में भी पुलिस ने जांच शुरू की है।

धमकी देने के लिए 17 अलग-अलग नंबर और 42 ई-मेल आईडी का इस्तेमाल किया गया।

उग्रवादी के फरार होने के मामले में त्रिपुरा जेल के तीन कर्मचारी निलंबित

अगरतला, 17 मई (एजेंसियां)।

त्रिपुरा के सिपाहीजला जिले में स्थित केंद्रीय कारागार से आजीवन कैद की सजा भुगत रहे एक प्रतिबंधित संगठन के सदस्य के फरार होने के मामले में उप-जेलर देबाशीष शील सहित तीन कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है।

प्रतिबंधित संगठन नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) के सदस्य स्वर्ण कुमार त्रिपुरा जेल की सुरक्षा को धत्ता बताते हुए 14 मई को फरार हो गया।

निलंबित कर्मचारियों में दो अन्य तपन रूपिनी (वार्डर) और माफ़िज़ मिया (गार्ड कमांडर) शामिल हैं।

उग्रवादी के भागने की घटना में शामिल होने का आरोप लगाते हुए जेलर की ओर से दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर रूपाणी और मिया को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। सिपाहीजाला की एक स्थानीय अदालत ने उन्हें 22 मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। एक सरकारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि तीन जेल कर्मचारियों को कर्तव्यों में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और महानिरीक्षक (आईजी) कैदी को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान में तीन जिलों के पुलिस अधीक्षक के साथ समन्वय कर रहे हैं।

सिपाहीजला के जिलाधिकारी नागेश कुमार ने बताया था कि प्रतिबंधित संगठन के सदस्य के फरार होने की जानकारी मंगलवार सुबह तब हुई जब कैदियों की हाजिरी लगाई जा रही थी। उसे दक्षिण त्रिपुरा के संतीरबाजार इलाके में हुई हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था और उम्रकैद की सजा सुनाई गयी है।

उग्रवादी 2016 में केंद्रीय कारागार और 2022 में कंचनपुर उपकारागार से फरार हो चुका है।

तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर भारी के आसार

अमरावती, 17 मई (एजेंसियां)। आंध प्रदेश के रायलसीमा और उससे सटे उत्तरी तमिलनाडु पर एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है और यह समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर तक फैला हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यहां जारी एक दैनिक मौसम रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण छत्तीसगढ़ से लेकर कोमोरिन क्षेत्र तक रायलसीमा और उससे सटे उत्तरी तमिलनाडु के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है जो समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर फैला हुआ है।

इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम मानसून के 19 मई के आसपास दक्षिण अंडमान सागर, दक्षिणपूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और निकोबार द्वीप समूह में आगे बढ़ने की संभावना है। इसके दवाब से अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा कि अगले पांच दिनों के दौरान उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और यानम, दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर बिजली कड़कने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ तूफान आ सकता है। अगले सात दिनों के दौरान उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और यानम, दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछार पड़ सकती है। पिछले 24 घंटों के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यानम में कई स्थानों पर और रायलसीमा में एक या दो स्थानों पर बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार रायलसीमा के कुरनूल में अधिकतम तापमान 39.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

विरासत भी व विकास भी यह हैं मोदी सरकार की गारंटी: कंगना

मंडी/कुल्लू, 17 मई (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी की हिमाचल प्रदेश के मंडी से प्रत्याशी कंगना रनौत ने अपने चुनावी जन संवाद में कहा है कि विरासत भी व विकास भी यह मोदी सरकार की गारंटी हैं। कंगना ने कहा है कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय व धार्मिक विरासतों के पुनःनिर्माण व संरक्षण के लक्ष्य लेकर काम कर रही है। वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के बाद दशकों तक उपेक्षित प्राचीन भारतीय कलाकृतियों की पुनर्प्राप्ति और संरक्षण पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया है।

कंगना ने कहा है कि बेहतर वैश्विक संबंधों का लाभ उठाते हुए भारत ने अपनी समृद्ध विरासत की सुरक्षा के महत्त्व पर जोर देते हुए चुराए गए सांस्कृतिक खजाने को सफलतापूर्वक पुनः प्राप्त कर लिया है। यह सक्रिय पहल न केवल सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, बल्कि अमृतकाल में इन महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक कलाकृतियों की वापसी सुनिश्चित करने में भारत की कूटनीतिक कौशल को भी रेखांकित करती है। वर्ष 2014 से 2022 तक 344 से अधिक कलाकृतियाँ भारत वापस लाई गईं। नवंबर 2021 में 18वीं सदी की चोरी हुई माँ अन्नपूर्णा की मूर्ति एक सदी की लंबी अनुपस्थिति के बाद कनाडा से वाराणसी वापस लाई गई। चोल काल के अंत की एक प्राचीन भगवान हनुमान की मूर्ति ऑस्ट्रेलिया से बरामद की गई और 2023 में भारत लौट आई। स्कॉटलैंड ने कानपुर के एक मंदिर से जब्त की गई 14वीं सदी की औपचारिक इंडो-फारसी तलवार और 11वीं सदी का पत्थर का दरवाजा लौटा दिया। अमेरिका 2023 में 105 से अधिक चोरी हुई कलाकृतियों को वापस भेजने पर सहमत हुआ। कंगना ने कहा की श्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले दस वर्षों में हर एक क्षेत्र में पूरे विश्व में लोहा मनवाया है।

उन्होंने कहा कि इस दौरान महिलाओं, युवाओं व किसानों को आगे बढ़ने के कई अवसर मिले हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। पारिवारिक समारोह और महत्वपूर्ण अवसरों के लिए अच्छा दिन है। नये रोमांस की संभावना प्रबल है, प्रेम का फूल आपकी ज़िन्दगी में जल्दी ही खिल सकता है। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप पिछले कुछ वक़्त से झुंझलाहट महसस कर रहें हैं तो आपको याद रखना चाहिए कि सही कर्म और विचार आज आपके लिए बहुप्रतीक्षित राहत लेकर आएंगे। वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। आपका ज्ञान और हास-परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। नए विचारों और आइडिया को जाँचने का बेहतरीन वक़्त।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ड़,छ,के,को,ह

मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। प्रोपर्टी से जुड़े लेन-देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। आपका ज्ञान और हास-परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहें। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं। लेकिन बाद में आपको महसूस होगा कि जो हुआ, अच्छे के लिए ही हुआ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। समस्याओं को दिमाग़ से बाहर खदेड़ दें और घर व दोस्तों के बीच अपनी स्थिति सुधारने के बारे में सोचें। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे- आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। सेमिनार और प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और तथ्य मुहैया कराएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बच्चे आपके मुताबिक नहीं चलेंगे, जो आपके झुंझलाहट की वजह बन सकता है। आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने-समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। समस्याओं को दिमाग़ से बाहर खदेड़ दें और घर व दोस्तों के बीच अपनी स्थिति सुधारने के बारे में सोचें। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आप ऐसी योजनाओं को अमली जामा पहनाने की स्थिति में होंगे, जो कई लोगों को प्रभावित करेगी। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। विवाह-प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। संदिग्ध आर्थिक लेन-देन में फँसने से सावधान रहें। बच्चे की तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। अपने प्रिय को नज़रअंदाज़ करना घर पर तनाव का कारण बन सकता है। कड़ी मेहनत और पर्याप्त कोशिश अच्छा फल देगी। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। जीवनसाथी के कारण कुछ नुक़सान हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर पर काम करते समय ख़ास सावधानी बरतें। घरेलू चीज़ों को लापरवाही से इस्तेमाल करना आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। बच्चों के साथ ज़्यादा सख़्ती उन्हें नाराज़ कर सकती है। ख़ुद को नियंत्रित रखने और यह याद रखने की ज़रूरत है कि ऐसा करने से आप अपने और उनके बीच दीवार खड़ी कर लेंगे। आपमें बहुत-कुछ हासिल करने की क्षमता है- इसलिए अपने रास्ते में आने वाले सभी मौक़ों को झट-से दबोच लें। आप ख़ुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 18 मई 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी प्रात: 11:24 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 12:23 तक
योग : हर्षण प्रात: 10:23 तक
करण : गर प्रात: 11:24 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:38 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:32 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36 , सूर्यास्त 06:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 12:39 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ट्रक में घुसी रोडवेज बस, पांच महिलाओं की मौत, 12 यात्री घायल

भरतपुर, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले में आगरा-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 21 पर हलैना के पास शुक्रवार को अलीगढ़ से जयपुर जा रही रोडवेज की बस के आगे चल रहे लकड़ियों से भरे ट्रक में घुस जाने से पांच महिलाओं की मौत हो गयी जबकि 12 यात्री घायल हो गए।

दुर्घटना में घायलों में से आठ घायलों को भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल रेफर किया गया है जबकि पांच घायलों का इलाज हलैना हॉस्पिटल में चल रहा है। मृतक महिलाओं के शव हलैना सीएचसी की मॉर्च्युरी में रखवाये गये हैं।

भरतपुर में इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गयी। हादसे में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बस के ड्राइवर और कंडक्टर घायल हैं। ट्रक ड्राइवर फरार है। बस उत्तर प्रदेश (यूपी) परिवहन के अलीगढ़ डिपो की है। सड़क हादसे में घायलों के नाम निक्की जाट (28), रामू (35), संतोष (45), सूर्यप्रताप (21), राजू (27), मोहित (32), पप्पू (45), जीतेंद्र (25), अवनीश (35), तेजवीर (32), सुमित (26), एक बच्ची (3), एक बच्चा (1) बताये गये हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बस ड्राइवर ने ओवरटेक किया था। ब्रेक नहीं लगा तो उसने चलते ट्रक में बस घुसा दी। इसके बाद ट्रक काफी दूर बस को घसीटते ले गया। बस की स्पीड करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटा बतायी गयी है। मृतक महिलाओं की शिनाख्त की जा रही है।

राजस्थान का उद्योग जगत विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बनाए : मेवाड़

उदयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। मेवाड़ राजघराने के पूर्व सदस्य लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा है कि राजस्थान का उद्योग जगत विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बनाये, इसके लिये हमें नयी तकनीक के साथ आगे बढ़ना होगा। श्री मेवाड़ ने यह बात फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेंड एंड इंडस्ट्री (फोर्टी) के चेयरमेन प्रवीण सुथार और ख्यातनाम कवि राव अजातशत्रु की उनसे भेंट के दौरान कही। उन्होंने कहा कि हमें बड़े दृष्टिकोण और नवीन सम्भावनाओं के द्वार सदैव खुले रखने चाहिये।

इस मौके पर फोर्टी चेयरमेन प्रवीण सुथार ने बताया की फोर्टी राजस्थान के व्यापार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के लिये विदेशी नीति समझने पर जोर दे रहा है, जिसके लिये राजस्थान के व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल को कई देशों की यात्राओं के साथ ही पिछले साल अफ्रीका के नैरोबी में एक प्रदर्शनी भी लगायी थी और भी ऐसे कई परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसी सिलसिले में एक प्रतिनिधिमंडल पिछले दिनों दुबई, अफ्रीका, चीन आदि कई देशों की सफल व्यावसायिक यात्रा करके लौटा है।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने ओडवाड़ा अतिक्रमण कार्रवाई पर लगाई रोक

जोधपुर, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर ने जालोर के ओडवाड़ा गांव में चल रही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर रोक लगा दी हैं।

न्यायमूर्ति विनीत माथुर की एकलपीठ ने दो दर्जन से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए शुक्रवार को यह फैसला दिया। याचिकाओं में कहा गया कि उनके पास पट्टे है और वे पिछले 80 सालों से इन मकानों में रह रहे हैं। इस जगह के लिए राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार ने भी विकास का काम किया है और बिजली एवं पानी के कनेक्शन भी हैं। ऐसी स्थिति में उन्हें अतिक्रमी नहीं माना जा सकता है।

न्यायालय ने सुनवाई के बाद अतिक्रमण हटाने के आदेश पर रोक लगा दी। उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय के निर्णय 16 मार्च 2021 एवं अवमानना याचिका वर्ष 2022 पर पारित आदेश गत वर्ष 21 मार्च एवं अवमानना याचिका 2023 में पारित आदेश गत सात मई की पालना में ग्राम ओडवाड़ा की ओरण भूमि से गुरूवार को अतिक्रमण हटाए गए।

शादी समारोह में मारपीट, दुल्हन के चाचा-ताऊ सहित 11 घायल

अलवर, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में खैरथल तिजारा जिले के ततारपुर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की दो पुत्रियों की शादी में समारोह के दौरान शुक्रवार तड़के कुछ लोगों ने लाठियों और डंडों से हमला कर दुल्हन के चाचा-ताऊ और भांजे सहित परिवार के 11 लोगों को घायल कर दिया।हमलावरों ने ततारपुर एवं रामपुर से आई बारात के दूल्हे के परिवार और रिश्तेदारों को भी पीटा। घटना में घायल दो लोगों को अलवर जिला अस्पताल में भर्ती कराया है, जबकि एक घायल को जयपुर रेफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ततारपुर गांव निवासी जले सिंह की दो पुत्रियों की शादी गुरुवार रात को हुई। फेरे होने के बाद जले सिंह के भाई रोहिताश उसके पुत्र एवं भांजे के साथ 30 से 40 लोग लाठी और फरसी लेकर शादी की विदाई के समय तडके तीन-चार बजे घुस आये। आते ही लड़कियों से छेड़छाड़ करने लगे। एक लड़की को अगवा

करने का प्रयास किया। रिश्तेदार और परिवार के लोगों ने विरोध किया तो हमला कर दिया।

बारात लेकर लेकर आये रामपुर और तारपुर गांव के दुल्हे के परिवार के सदस्यों और अन्य रिश्तेदारों को पीटा। कई लोगों के सिर फोड़ दिये, जिनके 20 से 30 टांके आये हैं। घटना की सूचना पुलिस को देने की कोशिश की गयी लेकिन थाने में किसी ने फोन नहीं उठाया, तब लोगों ने आकर थाने पर हंगामा किया।

इस बीच, सुबह परिवार और गांव के लोग थाने के बाहर पहुंचे। रात को पुलिस की ओर से कोई मदद नहीं करने पर रोष जताया गया। शादी में आये रिश्तेदार गिरधारी जाट ने बताया कि विवाद का कारण यह है कि जले सिंह और उसकी पत्नी बीमार हैं। भाई रोहिताश वगैरह उनकी जमीन हड़पना चाहते हैं। बेटियों की शादी उनके अनुसार दूसरी जगह कराना चाहते थे, लेकिन जले सिंह ने अपने रिश्तेदारों की मदद से अन्य जगह की है। इस कारण भाई और भांजे ने दुश्मनी मान ली। शादी में हंगामा किया, हथियारों से मारपीट की, फायरिंग भी की गयी। थाना प्रभारी अंकेश कुमार ने बताया कि शादी में फेरो के बाद मारपीट का मामला है। पीड़ित पक्ष ने परिवार के लोगों के खिलाफ लड़कियों से छेड़छाड़ की रिपोर्ट दी है। इस मामले में सख्ती से दोषियों को अरेस्ट करने में विलंब नहीं होगा।

हरियाणा में स्कूलों का समय बदला, अब सुबह सात बजे से शुरू होंगी कक्षाएं

शिक्षा विभाग ने एक जून से 30 जून तक किया छुट्टियों का भी ऐलान

चंडीगढ़, 17 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में भीषण गर्मी के चलते स्कूलों का समय बदल दिया गया है। अब स्कूल सुबह सात बजे से लगेंगे। एकल शिफ्ट वाले स्कूलों में दोपहर 12 बजे छुट्टी हो जाएगी। वहीं दोहरी शिफ्ट वाले विद्यालयों में पहली शिफ्ट सुबह सात बजे से और दूसरी शिफ्ट दोपहर पौने 12 बजे से लगेगी। वहीं शिक्षा विभाग ने स्कूलों की छुट्टियों का भी ऐलान कर दिया है। स्कूलों में एक जून से 30 जून तक अवकाश रहेगा।

मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिन हरियाणा जमकर तपेगा। लू के साथ

ही पारा 46 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। अगले एक-दो दिनों में पारे में 2 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों ने इस संबंध में अलग अलग जिलों के लिए येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यूं तो इसका प्रदेशभर में असर रहेगा, लेकिन दक्षिण हरियाणा के महेंद्रगढ़, हिसार, भिवानी, रेवाड़ी समेत अन्य जिलों में गरमी चरम पर होगी।

हरियाणा में मौसम विभाग की ओर से जारी चेतावनी में कहा गया है कि 21 मई तक लू चलेगी और गर्मी बढ़ेगी। आशंका है कि पारा 47 डिग्री को भी पार कर सकता है।

प्रदेश में कुछ हिस्सों में पारा 41 से 43 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। आगामी पांच दिनों में उत्तर हरियाणा के जिलों में पारा 42 से 44 डिग्री और दक्षिण हरियाणा के जिलों में 45 से 46 डिग्री तक जा सकता है। मौसम विशेषज्ञ डा. मनमोहन सिंह का कहना है कि अब धीरे धीरे गर्मी का पीक आएगा। आगामी पांचों दिनों तक लू के थपेड़ों का सामना करना पड़ेगा।

उधर अचानक पारा चढ़ने के चलते बिजली की खपत भी बढ़ गई है। सप्ताह के अंदर ही एक हजार मेगावाट से अधिक बिजली की मांग बढ़ी है। 9 मई को जहां अधिकतम आपूर्ति 9984 मेगावाट थी, लेकिन अब यह मांग 11 हजार मेगावाट तक पहुंच गई है। गर्मी बढ़ने से कूलर और एसी चलने लगे हैं, जिससे बिजली आपूर्ति के लिए अधिक मांग आई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि जून में गर्मी और लू और तपाएगी, इसलिए जून माह में बिजली पीक डिमांड पर होगी और संभवाना है कि कुल 14 हजार मेगावाट तक बिजली की खपत हो सकती है। नौतपा को सबसे गर्म समय माना जाता है। इस बार नौतपा की शुरुआत 25 मई से होने जा रही है, जो दो जून तक रहेगा। माना जाता है कि नौतपा में जितनी तेज गर्मी होती है, तो चार महीने अच्छी बारिश होती है। दूसरा, नौतपा के दौरान कीट पतंगे नहीं रहते हैं और इससे बीमारियां फैलने की संभावना कम होती है। हालांकि, पिछले साल नौतपा के दिनों में खूब बारिश हुई थी।

भाऊ गैंग के शार्प शूटर अजय उर्फ गोली की एनकाउंटर में मौत

छह माह पहले जमानत पर आया था बाहर

रोहतक, 17 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के साथ हिमांशु उर्फ भाऊ गैंग के शार्प शूटर अजय उर्फ गोली की बाहरी इलाके गांव खेड़ा खुर्द के पास मुठभेड़ हो गई, जिसमें पुलिस की गोली लगने से वह मारा गया। अभी हाल ही में गोली का नाम सोनीपत में मुरथल के ढाबे के बाहर शराब ठेकेदार की हत्या के मामले में नाम आया था। साथ ही गोली के खिलाफ रोहतक में हत्या के प्रयास, झगड़े व आर्म्स एक्ट सहित कई केस दर्ज थे, जिनमें वह गिरफ्तार हो चुका था। 2020 के बाद उसके खिलाफ रोहतक में कोई केस दर्ज नहीं हुआ है।

सीआईए पुलिस के मुताबिक दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को सूचना मिली कि विदेश में बैठकर गैंग चला रहे हिमांशु उर्फ भाऊ गैंग का एक शूटर अजय उर्फ गोली रोहतक जिले के गांव रिटोली का रहने वाला है। भाऊ का गांव भी रिटौली ही है। छह मई को दिल्ली के थाने तिलकनगर में फायरिंग हुई थी। साथ ही 10 मार्च को सोनीपत के मुरथल के पास ढाबे पर दिन दहाड़े शराब ठेकेदार की हत्या हुई थी।

दोनों केस में गोली वांछित था, वह बाहरी दिल्ली के गांव खेड़ा खुर्द में आया था। दिल्ली की स्पेशल सैल ने गुरुवार रात करीब साढ़े 11 बजे एक होंडासिटी गाड़ी में आरोपी को स्पॉट किया। दिल्ली पुलिस का कहना है कि गोली को रुकने व आत्मसमर्पण का इशारा किया, लेकिन उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त अजय उर्फ गोली को गोलियां लगी। उसे घायल हालत में पीसीआर से अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। आरोपी के पास से दो पिस्तौल व कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक सोनीपत के ढाबे पर 10 मार्च को वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी, जिसमें दिखाई दे रहा था कि कैसे शराब ठेकेदार को पहले कार से बाहर खींचा गया। इसके बाद दौड़ा-दौड़ा कर गोली मारी गई। वहीं, दिल्ली के तिलकनगर वाली घटना में भीड़भाड़ के बीच राष्ट्रीय राजधानी के एक उच्चवर्गीय इलाके में एक शोरूम के बाहर फिरौती के लिए अंधाधुंध फायरिंग की गई। सीआईए द्वितीय प्रभारी आजाद सिंह नैन ने बताया कि अजय उर्फ गोली का दिल्ली की स्पेशल सैल ने एनकाउंटर किया है, जो भाऊ गैंग से जुड़ा हुआ था। आरोपी छह माह पहले जेल से जमानत पर आया था। उसके खिलाफ रोहतक में हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट सहित पांच-छह केस दर्ज हैं, जिनमें वह गिरफ्तार हो चुका था। 2020 के बाद कोई केस दर्ज नहीं हुआ है।

मोदी बदलेंगे हरियाणवियों का मन, साधेंगे जातीय समीकरण, आज और 23 को करेंगे रैली

करनाल, 17 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा दौरा तय हो चुका है। इस दौरान मोदी दो दिन में तीन रैलियां करेंगे। 18 मई को प्रधानमंत्री सोनीपत के गोहाना व अंबाला शहर और 23 मई को भिवानी लोकसभा क्षेत्र के महेंद्रगढ़ में रैली करेंगे। इससे पहले मोदी हाल ही में गुरुग्राम व रेवाड़ी आ चुके हैं।मोदी इन रैलियों से न केवल जातीय समीकरणों को साधेंगे बल्कि, सूबे में डगमगाई भाजपा को संभालने का प्रयास भी करेंगे, क्योंकि इस बार चुनाव में भाजपा को कई लोकसभा सीटों पर कड़ी टक्कर मिल रही है। स्थिति को भांपते हुए कुछ दिन पहले ही पानीपत स्थित समालखा के पट्टीकल्याणा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेताओं ने चिंतन-मंथन भी किया था। पार्टी सूत्रों की मानें तो इस बैठक में एक-एक लोकसभा क्षेत्र से एकत्रित फीडबैक पर विस्तृत चर्चा की गई। इसमें यह सामने आया कि चुनावी रण में इस बार कई सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों के लिए जीत की राह आसान नहीं है, क्योंकि कई जगह न केवल भाजपा प्रत्याशियों का खुलकर विरोध हो रहा है, बल्कि किसान आंदोलन, सरपंचों के विरोध और प्रदेश सरकार की नीतियों पर प्रतिद्वंद्वियों का खुलकर हमलावर होना भी चुनावी समर में भाजपा प्रत्याशियों के लिए मुकाबले को मुश्किल बना रहा है।

कल रखा जाएगा मोहिनी एकादशी व्रत

हिंदू पंचांग के अनुसार वैशाख माह में शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मोहिनी एकादशी व्रत रखा जाता है। वैसे तो हर महीने में दो एकादशी तिथि होती है। एक शुक्ल पक्ष और एक कृष्ण पक्ष में, लेकिन मोहिनी एकादशी का खास महत्व माना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि मोहिनी एकादशी का व्रत 19 मई को रखा जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु के मोहिनी स्वरूप की पूजा की जाती है। इस व्रत को करने से मनुष्य के सभी कष्ट दूर होते हैं। मान्यता है कि मोहिनी एकादशी का व्रत सभी प्रकार के दुखों का निवारण करने वाला, सब पापों को हरने वाला और व्रतों में उत्तम व्रत है। इस व्रत के प्रभाव से मनुष्य मोहजाल से छुटकारा पाकर विष्णु लोक को प्राप्त करता है। मोहिनी एकादशी के दिन पूजा अर्चना करने से मन को शांति मिलती है और धन, यश और वैभव में वृद्धि होती है। इस दिन सृष्टि के रचयिता भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत भी रखा जाता है। इस व्रत के पुण्य से भक्त के अनजाने में किए गए सभी पाप दूर हो जाते हैं। भगवान विष्णु की कृपा भी प्राप्त होती है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हिंदू धर्म में साल में 24 एकादशी पड़ती हैं। एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है और इस दिन श्रीहरि की पूजा की जाती है। वैसे तो सभी एकादशी महत्वपूर्ण मानी गई है लेकिन वैशाख मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी का भी विशेष महत्व है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाले एकादशी को मोहिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। मोहिनी एकादशी का दिन भगवान विष्णु और उनके मोहिनी अवतार की पूजा करने के लिए मनाया जाता है। भक्त अपने पिछले पापों से छुटकारा पाने और विलासिता से भरा जीवन जीने के लिए मोहिनी एकादशी का व्रत रखते हैं। इस दिन व्रत-पूजा करने से साधक को सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही घर में सुख समृद्धि भी बनी रहती है। इस बार मोहिनी एकादशी पर 3 शुभ योग बन रहे हैं।

मोहिनी एकादशी तिथि

वैशाख शुक्ल एकादशी तिथि आरंभ: 18 मई, 2024, प्रात: 11 : 23 मिनट पर

वैशाख शुक्ल एकादशी तिथि समाप्त:19 मई, 2024, दोपहर 01:50 मिनट पर

उदयातिथि के आधार पर मोहिनी एकादशी व्रत 19 मई 2024 को रखा जाएगा।

मोहिनी एकादशी पर शुभ योग

इस बार मोहिनी एकादशी पर कई शुभ योगों का निर्माण हो रहा है। इन योगों को ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद शुभ माना जा रहा है। इन योगों में मोहिनी एकादशी व्रत रखना और विष्णु जी की पूजा करना बहुत लाभ प्रदान करता है।

अमृत योग: 19 मई प्रात: 05:28 से 20 मई तड़के 03:16 मिनट तक

वज्र योग: 18 मई प्रात: 10:25 से 19 मई प्रात: 11:25 मिनट तक

सिद्धि योग: 18 मई प्रात: 11:25 मिनट से 19 मई दोपहर 12:11 तक

भद्रावास योग

मोहिनी एकादशी पर दुर्लभ भद्रावास योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन भद्रा दोपहर 01:50 मिनट तक पाताल लोक में रहेंगी। भद्रा के पाताल में रहने के दौरान भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक के सकल मनोरथ सिद्ध हो जाते हैं। साथ ही जीवन में व्याप्त दुख और संकट भी दूर हो जाते हैं। इस दिन अमृत सिद्धि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण सुबह 05:28 मिनट से हो रहा है, जो 20 मई को देर रात 03:16 मिनट तक है। साथ ही मोहिनी एकादशी पर सिद्धि योग का भी संयोग बन रहा है।

यज्ञ से भी ज्यादा फल देता है एकादशी व्रत

पुराणों के मुताबिक, एकादशी को हरी वासर यानी भगवान विष्णु का दिन कहा जाता है। विद्वानों का कहना है कि एकादशी व्रत यज्ञ और वैदिक कर्म-कांड से भी ज्यादा फल देता है। पुराणों में कहा गया है कि इस व्रत को करने से मिलने वाले पुण्य से पितरों को संतुष्टि मिलती है। स्कंद पुराण में भी एकादशी व्रत का महत्व बताया गया है। इसको करने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं।

पुराणों और स्मृति ग्रंथ में एकादशी व्रत

स्कन्द पुराण में कहा गया है कि हरिवासर यानी एकादशी और द्वादशी व्रत के बिना तपस्या, तीर्थ स्थान या किसी तरह के पुण्याचरण द्वारा मुक्ति नहीं होती। पदम पुराण का कहना है कि जो व्यक्ति इच्छा या न चाहते हुए भी एकादशी उपवास करता है, वो सभी पापों से मुक्त होकर परम धाम वैकुंठ धाम प्राप्त करता है। कात्यायन स्मृति में जिक्र किया गया है कि आठ साल की उम्र से अस्सी साल तक के सभी स्त्री-पुरुषों के लिए बिना किसी भेद के एकादशी में उपवास करना कर्त्तव्य है। महाभारत में श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को सभी पापों ओर दोषों से बचने के लिए 24 एकादशियों के नाम और उनका महत्व बताया है।

एकादशी व्रत का महत्व

वैदिक संस्कृति में प्राचीन काल से ही योगी और ऋषि इन्द्रिय क्रियाओं को भौतिकवाद से देवत्व की ओर मोड़ने को महत्व देते आ रहे हैं। एकादशी का व्रत उसी साधना में से एक है। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार एकादशी में दो शब्द होते हैं एक (1) और दशा (10)। दस इंद्रियों और मन की क्रियाओं को सांसारिक वस्तुओं से ईश्वर में बदलना ही सच्ची एकादशी है। एकादशी का अर्थ है कि हमें अपनी 10 इंद्रियों और 1 मन को नियंत्रित करना चाहिए। मन में काम, क्रोध, लोभ आदि के कुविचार नहीं आने देने चाहिए। एकादशी एक तपस्या है जो केवल भगवान को महसूस करने और प्रसन्न करने के लिए की जानी चाहिए। हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार एकादशी तिथि भगवान विष्णु को बेहद प्रिय है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस व्रत की महिमा स्वयं श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को बताई थी। एकादशी व्रत के प्रभाव से जातक को मोक्ष मिलता है और सभी कार्य सिद्ध हो जाते हैं, दरिद्रता दूर होती है, अकाल मृत्यु का भय नहीं सताता, शत्रुओं का नाश होता है, धन, ऐश्वर्य, कीर्ति, पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता रहता है ।

पूजा विधि

मोहिनी एकादशी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें। उसके बाद पीले वस्त्र पहनकर भगवान विष्णु का स्मरण करें और पूजा करें। फिर मऊं नमो भगवते वासुदेवायफ मंत्र का जाप जरूर करें। उसके बाद धूप, दीप, नैवेद्य आदि सोलह चीजों के साथ करें और रात को दीपदान करें। पीले फूल और फलों को अर्पण करें। श्री हरि विष्णु से किसी प्रकार की गलती के लिए क्षमा मांगे। शाम को पुन: भगवान विष्णु की पूजा करें और रात में भजन कीर्तन करते हुए जमीन पर विश्राम करें। फिर अगले दिन सुबह उठकर स्नान आदि करें। इसके बाद ब्राह्मणों को आमंत्रित करके भोजन कराएं और उन्हें अपने अनुसार भेट दें। इसके बाद व्रत का पारण करें।

भगवान विष्णु ने रखा था मोहिनी रूप

पौराणिक कथा के अनुसार समुद्र मंथन के समय जब समुद्र से अमृत कलश निकला तब राक्षसों और देवताओं के बीच इस बात को लेकर विवाद शुरू हो गया कि अमृत का कलश कौन लेगा। इसके बाद सभी देवताओं ने भगवान विष्णु से सहायता मांगी।

ऐसे में अमृत के कलश से राक्षसों का ध्यान भटकाने के लिए भगवान विष्णु मोहिनी नामक एक सुंदर स्त्री के रूप में प्रकट हुए, जिसके बाद सभी देवताओं ने विष्णु जी की सहायता से अमृत का सेवन किया।

इसी दिन वैशाख शुक्ल की एकादशी तिथि थी, इसलिए इस दिन को मोहिनी एकादशी के रूप में मनाया जाता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

इन चार महीनों में गलती से भी न करें ये काम

जानें चातुर्मास कब से कब तक हैं

चातुर्मास शब्द का अर्थ होता है चार महीने । हिंदू धर्म में, चातुर्मास आषाढ़ शुक्ल एकादशी से शुरू होकर कार्तिक शुक्ल एकादशी तक चलने वाले चार महीनों का एक महत्वपूर्ण अवधि है। ये अवधि लगभग चार महीने (जुलाई - अगस्त और सितंबर - अक्टूबर) तक चलती है। माना जाता है कि चातुर्मास के दौरान प्रकृति स्वयं ही शुद्धिकरण की अवस्था में होती है। इस समय हल्की धूप और कम बारिश का मौसम होता है, जो ध्यान और आत्मनिरीक्षण के लिए उपयुक्त माना जाता है। लोग सात्विक भोजन करते हैं, जमीन पर सोते हैं और ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं। इस दौरान भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व होता है। सात्विक भोजन और शांत जीवनशैली चातुर्मास के दौरान पाचन तंत्र को मजबूत करने और शरीर को शुद्ध करने में मदद करता है।

चातुर्मास शब्द का अर्थ होता है चार महीने । हिंदू धर्म में, चातुर्मास आषाढ़ शुक्ल एकादशी से शुरू होकर कार्तिक शुक्ल एकादशी तक चलने वाले चार महीनों का एक महत्वपूर्ण अवधि है। ये अवधि लगभग चार महीने (जुलाई - अगस्त और सितंबर - अक्टूबर) तक चलती है। माना जाता है कि चातुर्मास के दौरान प्रकृति स्वयं ही शुद्धिकरण की अवस्था में होती है। इस समय हल्की धूप और कम बारिश का मौसम होता है, जो ध्यान और आत्मनिरीक्षण के लिए उपयुक्त माना जाता है। लोग सात्विक भोजन करते हैं, जमीन पर सोते हैं और ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं। इस दौरान भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व होता है। सात्विक भोजन और शांत जीवनशैली चातुर्मास के दौरान पाचन तंत्र को मजबूत करने और शरीर को शुद्ध करने में मदद करता है।

चातुर्मास 2024 17 जुलाई से शुरू होकर 12 नवंबर तक चलेगा। यह चार महीनों का अवधि है जो आषाढ़ शुक्ल एकादशी से कार्तिक शुक्ल एकादशी तक होता है।

चातुर्मास 2024 की महत्वपूर्ण तिथियां

देवशयनी एकादशी: 17 जुलाई 2024 (रविवार)

कर्णावती एकादशी: 15 अगस्त 2024 (मंगलवार)

प्रोपोत्सव एकादशी: 23 सितंबर 2024 (शनिवार)

दीपावली: 4 नवंबर 2024 (सोमवार)

देवोत्थान एकादशी: 12 नवंबर 2024 (रविवार)

चातुर्मास का महत्व

चातुर्मास को आत्म-अनुशासन और आध्यात्मिक विकास का समय माना जाता है। इस दौरान लोग व्रत रखते हैं, पूजा-पाठ करते हैं और ध्यान, योग करते हैं। इसे भगवान विष्णु के विश्राम काल के रूप में देखा जाता है। मान्यता है कि इस अवधि में भगवान विष्णु क्षीर सागर में शेषनाग पर शयन करते हैं। इसलिए, इस अवधि के दौरान भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व होता है। माना जाता है कि मानसून के मौसम में पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है। इसलिए, चातुर्मास के दौरान सादा और सात्विक भोजन करने से पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद मिलती है।

चातुर्मास में क्या करें

कई लोग पूरे चातुर्मास या कुछ विशिष्ट दिनों में व्रत रखते हैं। व्रत में सात्विक भोजन करना, शराब और मांस का सेवन नहीं करना शामिल है। इस दौरान भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व होता है। लोग नियमित रूप से पूजा करते हैं, भजन गाते हैं और भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। चातुर्मास के दौरान लोग रामायण, महाभारत, भागवत गीता आदि धार्मिक ग्रंथों का पाठ करते हैं। दान का हिंदू धर्म में बहुत महत्व है। चातुर्मास के दौरान गरीबों और जरूरतमंदों को दान देने का विशेष महत्व होता है। चातुर्मास हिंदू धर्म में एक महत्व-पूर्ण अवधि है। यह आध्यात्मिक विकास, धार्मिक अनुष्ठान और आत्म-अनुशासन का समय है। चाहे आप धार्मिक व्यक्ति हों या नहीं, चातुर्मास के कुछ पहलुओं को अपनाकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

चातुर्मास के दौरान गलती से ना करें ये काम

मांस, मछली, अंडे, प्याज और लहसुन का सेवन नहीं किया जाता है।

शराब पीना और धूम्रपान करना वर्जित है। विवाह, मुंडन संस्कार जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। लंबी यात्रा करने से भी आम तौर पर बचा जाता है। चातुर्मास हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण अवधि है जो आध्यात्मिक विकास, ईश्वर की भक्ति और शारीरिक शुद्धि पर केंद्रित होती है। यह समय शांतचित्त होकर जीवन को नई दिशा देने का अवसर प्रदान करता है। भले ही आप सभी नियमों का पालन न करें, फिर भी आप इस अवधि में सात्विक भोजन करने, ध्यान करने और धार्मिक ग्रंथों को पढ़ने का प्रयास कर सकते हैं।

अत्याचार: यह अवधि अहिंसा और सदाचार का पालन करने का समय माना जाता है। किसी भी प्रकार का अत्याचार या हिंसा वर्जित है।

एकदंत संकष्टी चतुर्थी 26 को

दुनिया की हर उलझन से जब इंसान थक जाता है तो ईश्वर को ही याद करता है। संपूर्ण ब्रह्मांड का संचालन ईश्वर द्वारा किया जाता है। हम अपने-अपने अनुसार ईश्वर की पूजा भी करते हैं। लेकिन फिर भी हमें उम्मीद के अनुसार फल नहीं मिल पाता है। इसका सबसे बड़ा कारण माना जाता है नियम पूर्वक पूजा पाठ का न होना। ऐसे ही आज हम एकदंत संकष्टि चतुर्थी के बारे में पूर्णिया के ज्योतिष से जानेंगे।

ज्योतिष ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि स्वर्गलोक में भी दो भाई कार्तिकेय और गणेशजी के बीच वर्चस्व की लड़ाई हुई थी।

इस दौरान भोले बाबा ने कहा कि जो सबसे पहले तीनों लोकों की परिक्रमा करके यहां आएगा। वह ही सर्वश्रेष्ठ माना जाएगा। गणेशजी ने अपनी सवारी मूषक के साथ तीनों लोकों की नहीं, लेकिन अपने माता-पिता की परिक्रमा कर ली। गणेश जी की बुद्धि विवेक को देखकर सभी देवी देवताओं सहित महादेव ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ पूजा और सर्वश्रेष्ठ नाम का अधिकार दिया। इसी के बाद से गणेश जी की सर्वप्रथम पूजा की शुरूआत हुई।

26 मई ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को सूर्योदय से प्रारंभ होकर सूर्यास्त तक एकदंत संकष्टि चतुर्थी का शुभ मुहूर्त रहेगा। इस दिन विधि-विधान से गणेश जी की पूजा की जाएगी। इस दिन भगवान गणेश की विशेष पूजा आराधना की जाती है उन्हें मोदक दूर्वा सुपारी और पान आदि अन्य कोई चीज अर्पित कर उनसे अपनी मनोकामना मांगी जाती हैं।एकदंत संकष्टी चतुर्थी को सच्चे मन से भगवान गणेश जी की पूजा आराधना करने से भक्तों को सुख-समृद्धि, बुद्धि, ज्ञान, ऐश्वर्य एवं अन्य सभी सांसारिक सुख सहित दुनिया की तमाम मनोकामना के साथ संतान की बुद्धिमत्ता भी प्राप्त होता है।

व्रत रखने से पूरी होती है हर मनोकामना, राहू का घटे प्रकोप

इस दिन आप भगवान गणेश जी की विशेष पूजा आराधना करें और भगवान गणेश को पीला वस्त्र और पीला मिठाई यानी पीला मोदक सहित दुर्वा फूल पान से उनकी पूजा करें। इस दिन भगवान गणेश की पूजा करने से राहु-दोष भी कट जाता है। साथ ही साथ हर संकट से मुक्ति पाने के लिए लोगों को 108 दूर्वा में पीला चंदन लगाकर ओम गण गणपति नमः या श्री गणेशाय नमः मंत्र का जाप करें।

हालांकि उन्होंने कहा कि अगर महिलाएं 108 दुर्वादल को उनके चरण पर चढाती हैं तो उन्हें खास तौर पर ख्याल रखना होगा कि उन्हें चंदन नहीं सिंदूर लगाकर दुर्वा को चढ़ाने चाहिए। इस विधि विधान से पूजा करने के बाद भगवान गणेश को मोदक का भोग लगाया और भगवान गणपति की आर-धना करें जिससे सारी मनोकामनाएं पूर्ण होगी और भक्तों को इच्छित प्राप्ति का वरदान भी मिलेगा।

अब किसी भी प्रोजेक्ट के लिए वजन नहीं बढ़ाउंगी : शिवांगी वर्मा

फिल्म पिचाईकरण 2 के गाने नाना बुलुकु के लिए 10 किलो वजन बढ़ाने वाली एक्ट्रेस शिवांगी वर्मा ने अपना वजन घटाने के अनुभव के बारे में बात की और कहा है कि वह किसी भी प्रोजेक्ट के लिए अपना वजन दोबारा कभी नहीं बढ़ाएंगी।छोटी सरदारनी, रिपोर्टर्स और टीवी, बीवी और मैं में अपने काम के लिए मशहूर एक्ट्रेस ने साझा किया कि वह समर्पण और कड़ी मेहनत से 10 किलो वजन कम करने में सफल रहीं।

शिवांगी ने कहा, मैंने इसे किसी तरह मैनेज किया। 69 से 59 तक पहुंचने में मुझे सचमुच एक साल लग गया। मेरे डाइटिशियन को धन्यवाद, मुझे लगता है कि मैं काफी फोकस्ड थी। मेरा वर्कआउट सही था, यही वजह है कि मैं वजन कम करने में सफलता हासिल कर पायी।हालांकि, अब उन्होंने तय कर लिया है कि वो किसी भूमिका के लिए वजन बढ़ाने के लिए सहमत नहीं होंगी।नच बलिए सीजन 6 के फाइनलिस्ट ने कहा, अब, मैं कभी भी किसी प्रोजेक्ट के लिए वजन नहीं बढ़ाऊंगी। अगर मुझे ऐसा करना पड़े तो मैं प्रोजेक्ट को छोड़ दूंगी।वजन कम करने के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में, शिवांगी ने कहा, पहला है सही डाइट लेना, दूसरा है रोजाना वर्कआउट करना और तीसरा है अपनी इच्छाशक्ति को बरकरार रखना। मुझे लगता है कि आपको अपने ऊपर कंट्रोल रखने की जरूरत है। आपकी जीभ ही यह तय करती है कि आप कितना वजन बढ़ाते हैं या घटाते हैं।

धमाकेदार होगा जूनियर एनटीआर की फिल्म देवारा का पहला गाना फियर सॉन्ग

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर का बर्थडे आ रहा है । इधर, जूनियर एनटीआर के फैंस के बीच एक्साइटमेंट की लहर बढ़ती जा रही है। जूनियर एनटीआर का बर्थडे आगामी 20 मई को है और इससे पहले आरआरआर स्टार अपने फैंस को बड़ा तोहफा देने जा रहे हैं। दरअसल, एनटीआर की मोस्ट अवेटेड फिल्म देवरा पार्ट 1 का पहला गाना रिलीज होने जा रहा है। एक्टर के बर्थडे से पहले फैंस को यह तोहफा मिलने जा रहा है। आइए जानते हैं कब रिलीज हो रहा है एक्टर की फिल्म देवरा पार्ट का पहला गाना। देवरा पार्ट 1 में जूनियर एनटीआर, जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान लीड रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन कोराताला ने किया है। फिल्म देवरा पार्ट 1 को लेकर एनटीआर के फैंस के बीच जबरदस्त क्रेज है, क्योंकि साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म आरआरआर के बाद एक्टर को किसी भी फिल्म में नहीं देखा गया है। एनटीआर अब देवरा पार्ट 1 से अपने फैंस के बीच थिएटर्स में उतर रहे हैं। जूनियर एनटीआर आगामी 20 मई को 41 साल के होने जा रहे हैं। इससे पहले 19 मई के देवरा पार्ट 1 के मेकर्स फिल्म का पहला गाना फियर रिलीज करने जा रहे हैं। इसे साउथ फिल्म इंडस्ट्री के पॉपुलर म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया है। वहीं, फिल्म के मेकर्स ने कहा है कि सॉन्ग फियर थलाइवा रजानीकांत की ब्लॉकबस्टर फिल्म जेलर के सुपरहिट सॉन्ग हुकुम से भी दमदार होगा। बता दें, सॉन्ग हुकुम को भी अनिरुद्ध ने ही कंपोज किया था। फिल्म देवरा पार्ट 1 की रिलीज डेट की बात करें तो यह 10 अक्टूबर 2024 को रिलीज होने जा रही है।

अक्षय कुमार के साथ रोमांस करती दिखेंगी आलिया भट्ट

प्रियदर्शन की हॉरर कॉमेडी फिल्म में एक्ट्रेस की हुई एंट्री!

हेरा फेरी, भूल भुलैया जैसी हिट फिल्में देने वाले निर्देशक प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की जोड़ी फिर धमाल मचाने की तैयारी में है। फिल्म खट्टा मीठा की रिलीज के करीब 14 साल बाद दोनों साथ आ रहे हैं। खबर है कि यह काले जादू की पृष्ठभूमि पर हॉरर कॉमेडी फिल्म है।

दोनों अपनी इस अनाम हॉरर कामेडी फिल्म की शुरुआत दिसंबर में करेंगे। फिल्म में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर आलिया भट्ट, कियारा आडवाणी और कीर्ति सुरेश को प्रमुख दावेदार बताया जा रहा है । खबरों के मुताबिक प्रियदर्शन की स्क्रिप्ट में अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए सशक्त अभिनेत्री की आवश्यकता है। निर्माताओं ने आलिया, कीर्ति और कियारा से संपर्क किया है। स्क्रिप्ट पर उनकी प्रतिक्रिया, तारीखों की उपलब्धता और फीस के आधार पर उनका चयन होगा। आलिया भट्ट अगर अपनी सहमति देती हैं, तो यह उनके 12 साल के करियर में अक्षय के साथ नायिका के रूप में पहली फिल्म होगी। फिल्म का पहला शेड्यूल आठ दिसंबर से लंदन में शुरू होने की उम्मीद है। उसके बाद, टीम उत्तर प्रदेश और गुजरात का रुख करेगी। इस हॉरर कॉमेडी को बड़े पैमाने पर बनाने की तैयारी है। अगले साल फरवरी तक शूटिंग पूरी कर ली जाएगी। अक्षय कुमार के वर्क फ्रंट की बात करें, तो एक्टर के खाते में कई बड़ी फिल्में हैं। इनमें जॉली एलएलबी 3, सरफिरे और वेलकम टू द जंगल जैसी मच अवेटेड फिल्में शामिल हैं। अक्षय कुमार आखिरी बार बड़े मियां छोटे मियां में नजर आए थे, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म फ्लॉप साबित हुई। ईद पर रिलीज हुई बड़े मियां छोटे मियां का बिजनेस रिलीज के चंद दिनों में ही डांवाडोल हो गया। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ लीड रोल में टाइगर श्रॉफ, मानुषी छिल्लर और अलाया एफ शामिल थे।

पुष्पा 2 से अनसूया भारद्वाज का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज

मेकर्स ने बर्थडे पर दिया बड़ा तोहफा

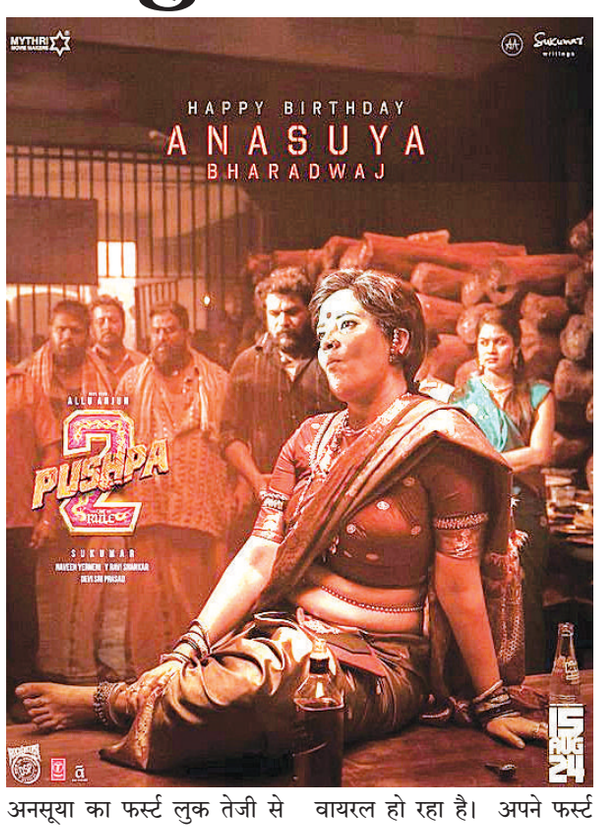

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 द रूल का इंतजार फैंस को बेसब्री से हैं। फिल्म का हाल ही में पहला गाना पुष्पा-पुष्पा रिलीज हुआ था। इस गाने पर धड़ल्ले से रील बन रही है और अब फिल्म से एक्ट्रेस का अनसूया भारद्वाज का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। दरअसल, अनसूया के बर्थडे पर उनका फर्स्ट लुक सामने आया है। पुष्पा के मेकर्स मैत्री मूवी मेकर्स ने एक्ट्रेस को जन्मदिन भी विश किया है। फिल्म के पहले पार्ट में धांसू रोल करने वालीं अनसूया अपना 39वां बर्थडे मना रही हैं। वहीं, एक्ट्रेस के लिए इस खास मौके पर पुष्पा के मेकर्स मैत्री मूवी ने अपने एक्स हैंडल पर एक्ट्रेस का फिल्म से धांसू लुक शेयर किया है। सोशल मीडिया पर अनसूया का फर्स्ट लुक तेजी से वायरल हो रहा है। अपने फर्स्ट लुक पोस्टर में अनसूया मेज पर रौबदार लुक में बैठी हैं। पुष्पा 2 में वह दक्षिणायनी के रोल में नजर आने वाली हैं।

पुष्पा 2: द रूल में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, फहाद फासिल, अनसूया भारद्वाज, सुनील, जगदीश और राव रमेश अहम रोल में दिखेंगे। पुष्पा 2 आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होने जा रही है।

फिल्म के म्यूजिक के लिए एक बार फिर देवी श्री प्रसाद को चुना गया है। फिल्म के डायरेक्टर सुकुमार हैं। वहीं, फिल्म का पहला गाना पुष्पा- पुष्पा पहले ही धमाका कर चुका है और अब फिल्म का दूसरा गाना रिलीज करने की तैयारी हो रही है। पुष्पा 2 का दूसरा गाना एक रोमांटिक ट्रेक बताया जा रहा है, जिसमें अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की लव कैमिस्ट्री दिखेगी।

एक और सस्पेंस से भरपूर फिल्म रिलीज को तैयार

पोस्टर ने बढ़ाई उत्सुकता, जानें कब आएगा ट्रेलर

अभिनय देव के निर्देशन में बनी फिल्म 'सावी' दिन प्रतिदिन लोगों की उत्सुकता को बढ़ा रही है। हाल में फिल्म के निर्माताओं ने ट्रेलर रिलीज की तारीख 21 मई की घोषणा करते हुए एक दिलचस्प पोस्टर रिलीज किया। पोस्टर में दिव्या खोसला, हर्षवर्धन राणे और अनिल कपूर एक अनदेखे अवतार में नजर आ रहे हैं। पोस्टर ने दर्शकों के बीच उत्सुकता जगा दी है, जो फिल्म की कहानी के भीतर छिपे रहस्यों को जानने के लिए उत्सुक हैं।

डिवाइडेड ग्रिड पोस्टर में तीनों एक दिलचस्प फ्रेम में दिखाए गए हैं। पोस्ट के बीच में हर्षवर्धन राणे एक जेल में फंसे हुए दिख रहे हैं, जबकि एक तरफ दिव्या चुलबुली और हंसमुख है, तो दूसरी तरफ उसकी नाक से खून बह रहा है, जिससे फिल्म की गहरी और रोमांचक कहानी के संकेत मिल रहे हैं। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है।

फिल्म के टीजर में कहानी की रहस्यमयी झलकियां मिली हैं। फिल्म के गाने 'हमदम' में मुख्य कलाकारों दिव्या खोसला और हर्षवर्धन राणे की मनमोहक केमिस्ट्री दिख रही है। अब दर्शक फिल्म के ट्रेलर को लेकर उत्साहित हैं। 21 मई को ट्रेलर देखने और 'सावी' के रहस्यों की झलक पाने का मौका न चूकें। फिल्म 31 मई को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शिवांगी जोशी ने करवाया फोटोशूट

मोहसिन-कुशाल के फैंस में छिड़ी जंग

टीवी की पॉपुलर और हाईएस्ट पेड एक्ट्रेसेस में से एक शिवांगी जोशी इन दिनों जमकर मी-टाइम बिता रही हैं। स्टार प्लस के सुपरहिट टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है से सुर्खियां बटोर चुकी शिवांगी जोशी ने हाल ही में एक फोटोशूट करवाया है, जिसमें उनकी खूबसूरती देखते ही बन रही है। शिवांगी ने इस फोटोशूट की झलक अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दिखाई है। शिवांगी जोशी के इस अंदाज को देखकर सोशल मीडिया पर टीवी एक्टर मोहसिन खान और कुशाल टंडन के फैंस के बीच एक जंग सी छिड़ गई है। कुशाल और मोहसिन के फैंस का कहना है कि शिवांगी जोशी को जल्द ही इन एक्टर्स के साथ नए प्रोजेक्ट्स साइन करने चाहिए।बता दें कि शिवांगी जोशी ने मोहसिन खान और कुशाल टंडन संग काम किया हुआ है। दोनों एक्टर्स के साथ ही शिवांगी जोशी की केमेस्ट्री को लोगों ने खूब पसंद भी किया। ऐसे में शिवांगी जोशी की नई तस्वीरों पर दोनों ही एक्टर्स के फैंस लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने शिवांगी की तस्-वीरों पर लिखा है, मोहसिन और आप साथ में हमेशा अच्छे लगते थे, आप दोनों जल्द ही फिर से साथ में काम करो। वहीं एक दूसरे यूजर ने कमेंट किया है, कुशाल के साथ तो आपको जल्द ही नया शो फिर से करना चाहिए।

संपादकीय

370 के बाद कश्मीरी जनादेश

जम्मू-कश्मीर की श्रीनगर सीट पर आम चुनाव के चौथे चरण में करीब 38 फीसदी मतदान हुआ। यह 1996 के बाद सर्वाधिक मतदान है। तब 40.9 फीसदी वोट डाले गए थे। राष्ट्रीय संदर्भ में यह बहुत कम मतदान लग सकता है, लेकिन कश्मीर के नाजुक हालात के मद्देनजर यह ऐतिहासिक और उत्साही मतदान है। 1998 के 30 फीसदी मतदान का भी रिकॉर्ड टूट गया है। पिछले आम चुनाव 2019 में, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से पहले, श्रीनगर सीट पर मात्र 14 फीसदी मतदान हुआ था। संसद के जरिए 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 निरस्त किया गया। उसके बाद का यह पहला लोकसभा चुनाव है। चुनावी लोकतंत्र और कश्मीरी जनादेश को मतदाताओं की ऐसी भागीदारी से ताकत मिलेगी। हालांकि अमन-चैन और संपूर्ण सामान्य हालात बनना फिलहाल एक लंबी प्रक्रिया है, लेकिन कश्मीर बदला है और बदल रहा है। कश्मीरी घाटी में मतदान के ऐसे रुझानों को पढ़ना और समझना बेहद मुश्किल और पेचीदा है। मतदान पर दमन और दबाव के आरोप लगते रहे हैं। मतदान से पहले सुरक्षा-व्यवस्था सबसे अहम सरोकार था, क्योंकि 4 मई को भारतीय वायुसेना के काफिले पर आतंकी हमला किया गया था। पुंछ इलाके के उस हमले में हमारा एक जांबाज सैनिक 'शहीद' हुआ और 4 सैनिक घायल हुए थे। कश्मीर में ऐसे टुकड़े-टुकड़े आतंकवाद आज भी मौजूद है। कश्मीर का राजधानी-शहर श्रीनगर आज पहल-पहल में डूबा है। लोग पार्क में बैठे पार्टी कर रहे हैं और पत्रकारों को भी चाय-नाश्ते की पेशकश कर रहे हैं। श्रीनगर में चुनाव के वक्त इसकी कल्पना भी नहीं की जाती थी। लोग प्रधानमंत्री मोदी और उनके बदलावों की भी चर्चा कर रहे थे। घाटी में तो भाजपा का अस्तित्व ही नहीं रहा है। भाजपा ने अपना उम्मीदवार भी श्रीनगर से खड़ा नहीं किया था। वह किसी 'अपनी पार्टी' और 'पीपुल्स कॉन्फ्रेंस' को चुनावी समर्थन दे रही थी, यह भी गप्पबाजी के अलावा कुछ नहीं है। श्रीनगर सीट पर फारूक अब्दुल्ला की 'नेशनल कॉन्फ्रेंस' और महबूबा मुफ्ती की 'पीडीपी' ने एक-दूसरे के खिलाफ प्रत्याशी उतारे थे, हालांकि दोनों ही 'इंडिया' गठबंधन के घटक हैं। वे इतने मतदान को अनुच्छेद 370 निरस्त करने के खिलाफ कश्मीरियों का गुस्सा करार देते हैं। अभी जम्मू-कश्मीर की शेष सीटों पर मतदान होना है, लेकिन भाजपा का मानना है कि अनुच्छेद 370 कोई मुद्दा ही नहीं रहा। भाजपा के लिए यह ऐतिहासिक इसलिए है, क्योंकि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 'एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' के लिए लंबा संघर्ष किया था। उनकी शहादत आज भी एक रहस्य है। अनुच्छेद 370 'जनसंघ' के दौर से एक वैचारिक और सैद्धांतिक एजेंडा रहा है। मोदी सरकार ने अगस्त, 2019 में संसद के जरिए इसे निरस्त किया और उसके बाद आम कश्मीरी आंदोलित भी नहीं हुआ। कश्मीर में 'तिरंगा' फहराया जा रहा है। भारत का संविधान और तमाम कानून कश्मीर में भी प्रभावी हो गए हैं। आरक्षण की व्यवस्था भी लागू कर दी गई है। गैर-कश्मीरी भी जमीन खरीद कर अपना कारोबार कर रहे हैं। कश्मीरी महिलाओं के पारिवारिक और वैवाहिक हक शेष भारत की तरह लागू कर दिए गए हैं। कश्मीर बदल गया है, इसका पुख्ता सबूत यह है कि आम चुनाव के जरिए जनादेश भी शांति और सद्भाव से दर्ज करा दिया गया है। यकीनन यह बदले और नए कश्मीर का पहला जनादेश है। टीवी चैनलों पर असंख्य कश्मीरियों को यह कहते सुना और देखा गया-बेशक बहुत कुछ बदल गया है। अब हम रात-दिन सक्रिय और सुरक्षित हैं।'' आम चुनाव के ऐसे मतदान ने उम्मीदें भी जगा दी हैं कि जम्मू-कश्मीर का राज्यत्व भी बहाल होगा और विधानसभा चुनाव भी ऐसे ही सुकून के साथ होंगे। बीते दिसंबर माह में सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश दिए थे कि जम्मू-कश्मीर में 30 सितंबर, 2024 तक विधानसभा चुनाव कराए जाएं। अदालत ने यथाशीघ्र राज्यत्व भी बहाल करने के निर्देश दिए थे। चूंकि जम्मू-कश्मीर में परिसीमन का काम पूरा हो चुका है और मतसूचियां भी अपडेट की जा चुकी हैं, लिहाजा अब चुनावों के लिए किसी भी बहाने की गुंजाइश नहीं है। राज्य में पूर्ण सामान्यीकरण के लिए भी विधानसभा चुनाव कराने बेहद महत्वपूर्ण हैं।

1998 के 30 फीसदी मतदान का भी रिकॉर्ड टूट गया है। पिछले आम चुनाव 2019 में, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से पहले, श्रीनगर सीट पर मात्र 14 फीसदी मतदान हुआ था। संसद के जरिए 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 निरस्त किया गया। उसके बाद का यह पहला लोकसभा चुनाव है। चुनावी लोकतंत्र और कश्मीरी जनादेश को मतदाताओं की ऐसी भागीदारी से ताकत मिलेगी। हालांकि अमन-चैन और संपूर्ण सामान्य हालात बनना फिलहाल एक लंबी प्रक्रिया है, लेकिन कश्मीर बदला है और बदल रहा है। कश्मीरी घाटी में मतदान के ऐसे रुझानों को पढ़ना और समझना बेहद मुश्किल और पेचीदा है। मतदान के पहले दमन और दबाव के आरोप लगते रहे हैं। मतदान से पहले सुरक्षा-व्यवस्था सबसे अहम सरोकार था, क्योंकि 4 मई को भारतीय वायुसेना के काफिले पर आतंकी हमला किया गया था। पुंछ इलाके के उस हमले में हमारा एक जांबाज सैनिक 'शहीद' हुआ और 4 सैनिक घायल हुए थे। कश्मीर में ऐसा टुकड़े-टुकड़े आतंकवाद आज भी मौजूद है।

वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को लागू करने के तुरंत उपरांत व्यापारियों को व्यवस्था सम्बन्धी कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा था

वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में वृद्धि से गरीब वर्ग तक सहायता पहुंचाना हुआ आसान

प्रहलाद सबनानी

केंद्र सरकार वस्तु एवं सेवा कर को भारत में लागू करने के प्रयास कर रही थी तब कई विपक्षी दलों ने इस नए कर को देश में लागू करने के प्रति बहुत आशंकाएं व्यक्त की थीं। उस समय कुछ आलोचकों का तो यहां तक कहना था कि वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली देश में निश्चित ही असफल होने जा रही है एवं इससे देश के गरीब वर्ग पर कर के रूप में बहुत अधिक बोझ पड़ने जा रहा है। परंतु, केंद्र सरकार ने देश में पूर्व में लागू जटिल अप्रयत्यक्ष कर व्यवस्था को सरल बनाने के उद्देश्य से वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को 1 जुलाई 2017 से पूरे देश में लागू कर दिया तथा इस कर में लगभग 20 प्रकार के करों को सम्मिलित किया गया था।

आपको ध्यान होगा कि जब केंद्र सरकार वस्तु एवं सेवा कर को भारत में लागू करने के प्रयास कर रही थी तब कई विपक्षी दलों ने इस नए कर को देश में लागू करने के प्रति बहुत आशंकाएं व्यक्त की थीं। उस समय कुछ आलोचकों का तो यहां तक कहना था कि वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली देश में निश्चित ही असफल होने जा रही है एवं इससे देश के गरीब वर्ग पर कर के रूप में बहुत अधिक बोझ पड़ने जा रहा है। परंतु, केंद्र सरकार ने देश में पूर्व में लागू जटिल अप्रयत्यक्ष कर व्यवस्था को सरल बनाने के उद्देश्य से वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को 1 जुलाई 2017 से पूरे देश में लागू कर दिया तथा इस कर में लगभग 20 प्रकार के करों को सम्मिलित किया गया था। वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को लागू करने के तुरंत उपरांत व्यापारियों को व्यवस्था सम्बन्धी कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा था। परंतु, इन परेशानियों को केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के सहयोग से धीरे-धीरे दूर कर लिया गया है। आज वस्तु एवं सेवा कर के अन्तर्गत देश में कर व्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है जिससे देश में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण कुलांचे मारता हुआ दिखाई दे रहा है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए धन की आवश्यकता होती है और यह धन देश की जनता से ही करों के रूप में उगाहे जाने के प्रयास होते हैं। उस कर व्यवस्था को उत्तम कहा जा सकता है जिसके अंतर्गत नागरिकों को कर का आभास बहुत कम हो। जिस प्रकार मधुमक्खी फूल से शहद कुछ इस प्रकार से निकालती है कि फूल को मालूम ही नहीं पड़ता है, ठीक इसी प्रकार की कर व्यवस्था केंद्र सरकार द्वारा, वस्तु एवं कर सेवा के माध्यम से, देश में लागू करने के प्रयास किये गए हैं। गरीब वर्ग द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओं पर कर की दर को या तो शून्य रखा गया है अथवा कर की दर बहुत कम रखी गई है। इसके विपरीत, धनाढ्य वर्ग द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओं पर कर की दर बहुत अधिक रखी गई है। वस्तु एवं सेवा कर की दर को शून्य प्रतिशत से लेकर 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत अधिकतम तक रखा गया है। भारत में वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को लागू किया हुए 6.5 वर्षों से अधिक का समय हो चुका है एवं आज देश में अप्रत्यक्ष कर संग्रहण में लगातार हो रही तेज वृद्धि के रूप में इसके सुखद परिणाम स्पष्टतः दिखाई देने लगे हैं। दिनांक 1 मई 2024 को अप्रेल 2024 माह में वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण

से सम्बंधित जानकारी जारी की गई है। हम सभी के लिए यह हर्ष का विषय है कि माह अप्रेल 2024 के दौरान वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण पिछले सारे रिकार्ड तोड़ते हुए 2.10 लाख करोड़ रुपए के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो निश्चित ही, भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022 में वस्तु एवं सेवा कर का औसत कुल मासिक संग्रहण 1.20 लाख करोड़ रुपए रहा था, जो वित्तीय वर्ष 2023 में बढ़कर 1.50 लाख करोड़ रुपए हो गया एवं वित्तीय वर्ष 2024 में 1.70 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गया। अब तो अप्रेल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपए के स्तर से भी आगे निकल गया है। इससे यह आभास हो रहा है कि देश के नागरिकों में आर्थिक नियमों के अनुपालन के प्रति रुचि बढ़ी है, देश में अर्थव्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है एवं भारत में आर्थिक विकास की दर तेज गति से आगे बढ़ रही है। कुल मिलाकर अब यह कहा जा सकता है कि भारत आगे आने वाले 2/3 वर्षों में 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। भारत में वर्ष 2014 के पूर्व एक ऐसा समय था जब केंद्रीय नेतृत्व में नीतिगत फैसले लेने में भारी हिचकिचाहट रहती थी और भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की हिचकोले खाने वाली 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। परंतु, केवल 10 वर्ष पश्चात केंद्र में मजबूत नेतृत्व एवं मजबूत लोकतंत्र के चलते आज वर्ष 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है। वस्तु एवं सेवा कर के माध्यम से देश में कर संग्रहण में आई वृद्धि के चलते ही आज केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग को विभिन्न विशेष योजनाओं का लाभ पहुंचाये जाने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। पीएम गरीब कल्याण योजना के माध्यम से मुफ्त अनाज के मासिक वितरण से 80 करोड़ से अधिक परिवारों को लाभ प्राप्त हो रहा है। पीएम उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान किये गए हैं। इन महिलाओं के जीवन में इससे क्रांतिकारी परिवर्तन आया है क्योंकि ये महिलाएं इसके पूर्व लकड़ी जलाकर अपने घरों में भोजन सामग्री का निर्माण कर पाती थीं और अपनी आंखों को खराब होते हुए देखती थीं। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत भी 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कर महिलाओं की सुरक्षा एवं गरिमा को कायम रखा जा सका है। जन धन खाता योजना के अंतर्गत 52 करोड़ से अधिक खाते खोलकर नागरिकों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में लाया गया है। इससे गरीब वर्ग के नागरिकों के लिए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है। पूरे भारत में 11,000 से अधिक जनऔषधि केंद्र स्थापित किए गए हैं, जो 50-90 प्रतिशत रियायती दरों पर आवश्यक दवाएं प्रदान कर रहे हैं। साथ ही, जल जीवन मिशन ने पूरे भारत में 75 प्रतिशत से अधिक घरों में नल के पानी का कनेक्शन प्रदान करके एक बड़ा मील का पत्थर हासिल कर लिया गया है। लगभग 4 वर्षों के भीतर मिशन ने 2019 में ग्रामीण नल कनेक्शन कवरेज को 3.23 करोड़ घरों से बढ़ाकर 14.50 करोड़ से अधिक घरों तक पहुंचा दिया गया है। इसी प्रकार, पीएम आवास योजना के अंतर्गत, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 4 करोड़ से अधिक पक्के मकान बनाए गए हैं एवं सौभाग्य योजना के अंतर्गत देश भर में 2.8 करोड़ घरों का विद्युतीकरण कर लिया गया है। विश्व भर के सबसे बड़े सरकारी वित्तपोषित स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना - के अंतर्गत 55 करोड़ लाभार्थियों को माध्यमिक एवं तृतीयक देखभाल एवं अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपए का बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है। वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में आई तेजी के चलते केवल गरीब वर्ग के लिए विशेष योजनाएं ही नहीं चलाई गईं है बल्कि विशेष रूप से केंद्र सरकार के लिए अपने पूंजीगत खर्च में भी बढ़ोतरी करने में आसानी हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च का केंद्रीय बजट में प्रस्ताव किया गया है जो वित्तीय वर्ष 2023-24 के 10 लाख करोड़ रुपए का था एवं वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.5 लाख करोड़ रुपए का था।

दृष्टि कोण

जैव विविधता का मूल्य समझना समय की मांग, धरती पर टिकाऊ भविष्य की दिशा में यही एक रास्ता

जैव विविधता के गॉडफादर के रूप में लोकप्रिय अमेरिकी पारिस्थितिकी विज्ञानी थॉमस ई. लवजॉय की एक मार्मिक टिप्पणी है, 'जैविक विकास की अंतिम विडंबना यह हो सकती है कि मनुष्य के मस्तिष्क के माध्यम से आत्म-समझ प्राप्त करने के तुरंत बाद जीवन ने अपनी सबसे सुंदर रचनाओं को नष्ट कर दिया होगा।' जीवन की विविधता के मूल में एक मूलभूत सत्य निहित है : जगत में सबकुछ अंतर्संबंधों से बंधा है। जैव विविधता जीवन के स्थायित्व और चिरंजीविता के केंद्र में है, किंतु जैव विविधता के योग से भी परे अस्तित्व से आलोक से सराबोर जीवन स्वयं में नैसर्गिक विकास (इवोल्यूशन) की एक मनोरम गाथा का प्रतीक है। जैव विविधता ही जीवन की नैया की खेवनहार है। जितनी अधिक जैव विविधता, उतना ही अधिक जीवन का उत्कर्ष, उतना ही प्रबल जीवनगामी पृथ्वी का ब्रह्मांड में साम्राज्य! जैव विविधता जीवन की शाश्वतता की अनंत कथा है। जैव विविधता प्रकाश की जीवंत कहानी है, जिसे सूर्य का प्रकाश प्रकाश-संश्लेषण के माध्यम से जीवन ऊर्जा के अनंत रूपों में खिलकर आकाशगंगाओं को सुनाता है। प्रकाश की सृजनात्मक क्षमता असीमित है। पेड़-पौधों के पर्णहरित से अठखेलियां कर प्राकृतिक विकास के नवाचारों के झरोखे खोलता प्रकाश अनंत जीवों और पारिस्थितिक तंत्रों को निरंतर पोषित करता है। जीवन कथा को अमर बनाए रखने के लिए समय की धारा के साथ नई प्रजातियां और उनके आनुवंशिक रूप जीवन को समृद्धि और आनंद का उपहार देते रहते हैं। एक बहती नदी के समान ऊर्जा जीवन के विभिन्न माध्यमों से स्वयं को अभिव्यक्त करती है। पदार्थ निष्क्रिय होता है, ऊर्जा क्रियाशील। पदार्थ की क्रियाशीलता ऊर्जा के कारण ही होती है। संपूर्ण ब्रह्मांड की गतिशीलता का स्रोत ऊर्जा ही है। मुक्तावस्था में ऊर्जा विध्वंसक रूप ले सकती

है, जिसे एन्ट्रॉपी कहते हैं। असंख्य जीव-वाहिकाओं में प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से प्रवेश कर सौर ऊर्जा एक रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रदर्शित करती है। सभी जीवधारियों का व्यवहार और उनके कार्य-कलाप उसी ऊर्जा की रचनात्मक अभिव्यक्तियां हैं। मुक्तावस्था में यही ऊर्जा अराजक हो सकती थी। ऊर्जा जीवन की जितनी विविधता में क्रियाशील होगी, उतनी ही सृजनशीलता और संतुलन की अवस्था में होगी। इसी प्रकार, पृथ्वी की भी ब्रह्मांड के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका है। ब्रह्मांड की एन्ट्रॉपी को नियंत्रित कर एक ब्रह्मांडीय संतुलन स्थापित करना ही जैव विविधता-भरी पृथ्वी का अनुष्ठान है। पृथ्वी पर जीवन केवल पृथ्वी का ही नहीं, ब्रह्मांड का एक उपादान है। पृथ्वी का उदय ब्रह्मांड के विकास की अनवरत यात्रा का एक लक्ष्य रहा होगा। ब्रह्मांड में 'बिग बैंग' की घटना से कालांतर में पृथ्वी-रूपी अमृत निकला, जैव विविधता जिसकी बूंदें हैं! ऐसे परिदृश्य पर विचार करें, जहां जीवन केवल एक ही प्रजाति के रूप में हो। ऐसा जीवन निरा अनिश्चित-सा होगा और ऐसी दशा में पृथ्वी कभी भी दुर्भिक्ष या किसी महामारी के कारण जीवन-विहीन हो सकती है। जीवों की घनी विविधता ने ऐसी संभावनाओं को क्षीण कर दिया। जीवन की स्थिरता, गतिशीलता और निरंतरता उसकी विविधता पर निर्भर है। जैव विविधता जीवन को जलवायु संबंधी अनियमितताओं के प्रति लचीला बनाती है और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम जीव समुदायों को पोषित करती है। विविधता स्वयं जीव समुदाय के लिए अस्तित्व का कारक है। जैव विविधता का समृद्ध भंडार जैव-रासायनिक चक्रों की निरंतरता सुनिश्चित करता है। इसके अतिरिक्त, जैव विविधता पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखती है और जैवमंडल के जीवन-निर्वाह को संरक्षित करती है। जैव विविधता हमारे जिंदा ग्रह को जीवन-शक्ति प्रदान करती है। इस अद्भुत विविधता के जागरूक प्रबंधक के रूप में आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन के बहुरूप दर्शन को संरक्षित करना हमारा परम दायित्व है। पारिस्थितिक दार्शनिक हेनरिक स्कोलिमोस्की ने अस्तित्व संरक्षण के लिए जैव विविधता के आंतरिक मोल पर जोर देते हुए मानवता और प्रकृति के बीच गहन अंतर्संबंध को गहराई से स्पष्ट किया है। जीवों के पारस्परिक तालमेल और मानव सहित संपूर्ण जीवन के अस्तित्व के लिए जैव विविधता जीवन के मूल सार का प्रतीक है।

कुछ अलग

सियासी दलों की खामोशी बहुत कुछ कह रही है..!

राजनीतिक दलों ने समाज को तो बांट ही दिया है, महिलाओं से दुर्व्यवहार और दुष्कर्म जैसी घटनाओं को भी वोट के तराजू में तौलने से वे बाज नहीं आते। ताजा उदाहरण स्वाति मालीवाल का है। वे दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष और आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य हैं। आप की फाउंडर सदस्य हैं। जब अरविंद एनजीओ चलाया करते थे तब से वे उनके साथ हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास में उनकी पिटाई और दुर्व्यवहार का मामला अब पुलिस तक पहुंच गया है। पिटाई का आरोप मुख्यमंत्री के निजी सहायक विभव कुमार पर है। केजरीवाल दुनिया जहान की बारे में बोल रहे हैं, लेकिन पिटाई मामले पर मौन ओढ़ रखी है। आरोप है कि केजरीवाल के कहने पर पिटाई हुई। इधर पूरा इंडी गठबंधन इस पर चुप है। केजरीवाल के साथ है। यह अकेला मामला नहीं है। इसके पहले पश्चिम बंगाल के संदेशखाली दुष्कर्म कांड पर भी इंडी गठबंधन इसी तरह चुप था। वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी केजरीवाल की ही तरह खामोश थीं। महिला नेत्री सोनिया गांधी और 'लड़की हूं लड़ सकती हूं' का नारा बुलंद करने वाली प्रियंका गांधी ने भी कुछ बोलना मुनासिब नहीं समझा। लेकिन ठीक इसके उलट महिला पहलवान यौन उत्पीडन कांड पर वे खूब मुखर रहीं। पूरा विपक्ष पहलवानों के साथ खड़ा नजर आया जबकि भाजपा इस मामले पर चुप रही। दूसरी ओर भाजपा संदेशखाली और स्वाति मामले पर खूब मुखर है। सच तो यह है कि राजनीतिक दलों ने महिलाओं को तमाशा बना दिया है। न उनमें महिलाओं के प्रति सम्मान है न दुष्कर्म के खिलाफ गुस्सा। राजनेता ऐसे मामलों में सेलेक्टिव हो जाते हैं। भाजपा शासित राज्यों में दुष्कर्म होता है तो विपक्ष में जोश आ जाता है। वे सबसे बड़े महिला हितैषी हो जाते हैं। लेकिन जब विपक्ष शासित राज्यों में दुष्कर्म होता है तो तो उन्हें सांप सूंघ जाता है। दरअसल, वे घटना को ही झुठलाने में लग जाते हैं। ठीक ऐसा ही सत्ता पक्ष भी करता है। उनके राज्यों में दुष्कर्म होता है तो वे लीपापोती में जुट जाते हैं। महिला नेत्रियां चुप हो जाती हैं। लेकिन विपक्ष शासित राज्यों में उनकी सक्रियता देखने लायक होती है। यानी अपना दुष्कर्मी राजा बेटा और दूसरे का दुष्कर्मी हैवान! यह कैसी सोच है, कैसी मानसिकता है? मजे की बात यह है कि इसमें महिलाएं भी इस्तेमाल होती हैं। महिला के खिलाफ महिला को ही खड़ा कर दिया जाता है। महिला राजनेताओं को दुष्कर्मी के पक्ष में खड़ा होने में रत्ती भर भी शर्म महसूस नहीं होती। इसके साथ ही एक और पहलू भी जुड़ा है। जो महिला नेत्रियां पार्टी के इशारे पर निसंकोच दुष्कर्म को झुठलाने की कोशिश करती हैं उनका अपनी पार्टियों में भी बड़े नेताओं द्वारा यौन शोषण होता है। यह बहुत आम बात है। ऐसे ढेरों प्रसंग सार्वजनिक भी हुए हैं। और यह आज से नहीं आजादी के पहले से होता चला आ रहा है। सभी नेत्रियों के साथ ऐसा होता है, यह नहीं कहा जा सकता, लेकिन शिकार होनेवाली नेत्रियों की अच्छी खासी संख्या है। कोई पार्टी इसका अपवाद नहीं है। कई महिलाओं ने तो इसकी वजह से राजनीति छोड़ना श्रेयकर समझा। महिलाओं को दलीय दायरे से ऊपर उठकर यह समझना होगा कि पुरुषवादी मानसिकता उनका इस्तेमाल कर रही है। ऐसे मामलों में सभी राजनेत्रियों और महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर हल्ला बोलना होगा, तभी आपकी प्रतिष्ठा बचेगी। स्वाति मालीवाल केस ने एक मौका दिया है, महिला नेत्रियों को अपनी अस्मिता के लिए उठ खड़े होने का। क्या वे यह चुनौती स्वीकार करेंगी? क्या उनका स्वाभिमान उन्हें ललकारेगा।

देश दुनिया से

ग्रेग टोलैंड- सिटीजन केन को अमर करने वाला

कालजयी फिल्म 'सिटीजन केन' के अध्ययन के बिना सिनेमा का प्रशिक्षण नहीं हो सकता है। ऑर्सन वेल्स के पास कहानी थी, विचार था, अभिनेता और अभिनय था...इन सबको परदे पर मूर्तिमान किया ग्रेग टोलैंड ने। अपनी सिनेमाटोग्राफी से इस फिल्म को अमर कर दिया। ऑर्सन वेल्स के यहां जो डीप फोकस, प्रकाश-छाया, शैडो का जादू, क्लोजअप्स हम देखते हैं वह इसी फोटोग्राफी का कमाल है। डीप फोकस ग्रैग टोलैंड की विशेषता थी। 29 मई 1904 को अमेरिका में जन्मे ग्रेग टोलैंड का जन्म का नाम ग्रेग वेस्ली टोलैंड था। वे जेनी तथा फ्रैंक की इकलौती संतान थे। पति से तलाक के बाद जेनी बेटे को लेकर कैलीफोर्निया चली गई। मां-बेटे ने कई फिल्म वालों के यहां काम किया। मां लोगों के यहां गृह सेविका थी। फिल्मों के सवाक होने पर कैमरे में शोर कम करने केलिए साउंडप्रूफ बूथ चाहिए थे।

अमेरिकन सिनेमाटोग्राफर ग्रेग टोलैंड ने अपने समय के दिग्गज सिने-निर्देशकों के साथ काम किया और सिने-इतिहास में अपने लिए स्थान सुरक्षित किया। उनके खाते में 68 फिल्मों की सिनेमाटोग्राफी दर्ज है जिनमें कई फिल्म आज भी देखी-सराही जाती हैं। कालजयी फिल्म 'सिटीजन केन' के अध्ययन के बिना सिनेमा का प्रशिक्षण नहीं हो सकता है। ऑर्सन वेल्स के पास कहानी थी, विचार था, अभिनेता और अभिनय था... इन सबको परदे पर मूर्तिमान किया ग्रेग टोलैंड ने। अपनी सिनेमाटोग्राफी से इस फिल्म को अमर कर दिया। ऑर्सन वेल्स के यहां जो डीप फोकस, प्रकाश-छाया, शैडो का जादू, क्लोजअप्स हम देखते हैं वह इसी फोटोग्राफी का कमाल है। डीप फोकस ग्रैग टोलैंड की विशेषता थी। 29 मई 1904 को अमेरिका में जन्मे ग्रेग टोलैंड का जन्म का नाम ग्रेग वेस्ली टोलैंड था। वे जेनी तथा फ्रैंक की इकलौती संतान थे। पति से तलाक के बाद जेनी बेटे को लेकर कैलीफोर्निया चली गई। मां-बेटे ने कई फिल्म वालों के यहां काम किया। मां लोगों के यहां गृह सेविका थी। फिल्मों के सवाक होने पर कैमरे में शोर कम करने केलिए साउंडप्रूफ बूथ चाहिए थे। ग्रेग ने शोर कम करने का उपकरण विकसित किया। डीप फोकस और फिल्म बनाने में जनत्रंत लाने

वाले, ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्ति टोलैंड की 26 सितम्बर 1948 को कैलीफोर्निया में शराब की कु-लत से असमय मृत्यु हुई। असल में वे कैमरा पकड़ कर सर्वाधिक प्रसन्न होते थे और जब कैमरा न पकड़े होते तो उदास-निराश हो जाते और शराब का सहारा लेते थे। डीप फोकस कैमरे की वह कला है जो किसी दृश्य में सारी चीजों को स्पष्ट दिखाता है। डीप फोकस में दृश्य का बैकग्राउंड, मिडिलग्राउंड, फॉरग्राउंड यानी सब कुछ साफ-साफ नजर आता है। ऑर्सन वेल्स खुले दिल से टोलैंड से फोटोग्राफी कला सीखने की बात स्वीकारते हैं। वेल्स के अनुसार उन्होंने जिनके साथ काम किया वे ग्रेग टोलैंड न केवल महान कैमरामैन थे वरन सबसे तेज भी थे। 1931 में पहली बार उन्हें 'पामी डेज' फिल्म के लिए क्रेडिट मिला और आठ साल बाद 1939 में उन्हें पहला ऑस्कर मिल गया। ऐसा कमाल का उनका कैमरावर्क था। विलियम वायलार ने एमिली ब्रॉन्टी की क्लासिक रचना 'बदरिंग हाइट्स' पर इसी नाम से पौने दो घंटे की फ़ल्मि बनाई थी। इस अमर प्रेम कहानी फिल्म की नायिका कैथी (मर्ले ओबेरॉन) की खूबसूरती को दर्शकों तक पहुंचाने में ग्रेग की महत्वपूर्ण भूमिका थी। इस फ़ल्मि को वे खुद एक सॉफ्ट, डिफ़्यूज्ड पिक्चर, एक फंतासी कहते हैं। मोमबत्ती रोशनी का प्रभाव, रोमांटिक प्रकृति, क्लोजअप्स, बर्फ़, कोहरा सब मिल कर दर्शकों को किसी अन्य लोक में ले जाता है। लेकिन इस फिल्म में विकट, निष्ठुर दृश्य भी हैं, जिनके लिए फोटोग्राफर ने लो एंगल्स, डॉर्क शेडोज और कभीकदा डीप फोकस का प्रयोग किया है। इन्हीं सब कारणों से क्रेडिट के रूप में परदे पर अलग से नाम लिखे जाने वाले कदाचित वे पहले कैमरामैन हैं। कोई आश्चर्य नहीं वे अपने समय के सर्वाधिक मेहनताना पाने वाले कैमरामैन थे। याद करें उनके द्वारा फिल्माई गई 1940 की फिल्म 'ग्रेप्स ऑफ रॉथ'। दो घंटे से कुछ मिनट ऊपर की इस फ़ल्मि का आधार नोबेल (1939) पुरस्कृत साहित्यकार जॉन स्टीनबेक का इसी नाम का उपन्यास है। मगर इस फिल्म में स्क्रीनप्ले राइटर के रूप में वेक और नाम ननैली जॉनसन भी जुड़ा है। इस फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध सिने-निर्देशक जॉन फ़ोर्ड ने किया है। फ़ल्मि 'ग्रेप्स ऑफ़ रॉथ के अभिनेता हैं, हेनरी फ़ोंडा, जेन डैरवेल तथा जॉन कैरराडाइन। फिल्म 'ग्रेप्स ऑफ रॉथ' ने दो ऑस्कर जीते। फिल्म की एक विशेषता है, इसमें प्रत्येक शॉट का सावधानीपूर्वक फिल्मांकन होना, कोई शॉट रुटीन ढंग से नहीं लिया गया है। कहानी अमेरिका की महामंदी के दौर में बेघर हुए लोगों से संबंधित है, खासतौर पर ओक्लाहामा के एक परिवार की गरीबी, हताशा भरी जिंदगी से जुड़ी हुई है। ये लोग अपने खेतों-जमीन से उखड़ कर कैलीफ़ोर्निया की ओर प्रवास करने जा रहे हैं। ग्रेग टोलैंड ने यहां पर अत्यंत कम रोशनी में काम किया है। कारण है कई दृश्य रात के समय के हैं, जिसके लिए कम प्रकाश में काम होना था। साथ ही ढ़ेर सारे शॉट्स उजाड़ में फिल्माए गए हैं। इसका इतिहास में दर्ज वह दृश्य स्मरण कीजिए, जहां टॉम और प्रचारक आमने-सामने हैं, टॉम का मात्र सिल्हुट नजर आता है। टॉम तथा प्रचारक (प्रीचर) को डीप फोकस के साथ प्रयोग करने वाले ग्रेग टोलैंड ने एकमात्र मोमबत्ती की रोशनी में इसे फिल्माया है। इस फिल्म में टोलैंड की फोटोग्राफी लेखन की शैली से पूरी तरह तालमेल बैठाते हुए न्याय करती है।

आप का नजरिया

चुनावी बैनरों का कचरा

चुनावी प्रचार के बीचोंबीच कचरे की मौजूदगी और प्रचार में इस्तेमाल सामग्री का वृतांत अदालत तक पहुंच गया। माननीय हाई कोर्ट ने शिमला नगर निगम से त्वरित कार्रवाई करते हुए बिना अनुमति लगाए गए फ्लैक्स बैनर, पोस्टर व विज्ञापन हटाने के निर्देश दिए हैं। ऐसे निर्देश कायदे-कानूनों की पोथियों में कब से मौजूद हैं, लेकिन उच्च अदालत को यह कहना पड़ रहा कि कुछ तो कार्रवाई करो। कुछ इसी तरह के निर्देश बीबीएन विकास प्राधिकरण के तहत डंपिंग साइट्स से बरसात से पहले कचरा हटाने के भी हुए हैं। सिरसा नदी और उसके सौ मीटर के दायरे से मानसून के खतरे में कचरा सबसे बड़ा कारक है। अप्रत्यक्ष रूप में अदालती आदेश की भावना को समझें, तो हिमाचल के हर शहर और नदी-नालों से जुड़े परिवेश में समझना होगा कि आखिर इस कचरे का इंतजाम होगा कैसे। वैसे प्रयासरत नगर निकाय घर द्वार से कचरा उठा रहे हैं, लेकिन यह सभ्यता का प्रश्न है जो अड़ोसी-पड़ोसी से, दुकान-व्यापार तक और पर्यटन के हर व्यवहार तक कचरे का जनक बन रहा है। प्रचार सामग्री की अत्यधिकता में शहरों की बदनुमा तस्वीर का अवलोकन करें, तो सियासी संलिप्तता की मशहूरी तो चुनाव में निरंकुश होती नजर आती है। कचरे के ढोल पीटती प्रचार सामग्री का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बाजारों की हर अदा में झंडों की कतार सजी है और फिक्र यह नहीं कि इसके आंचल में कितनी अफरातफरी मची है। हद यह कि लोकतांत्रिक प्रतिष्ठानों या राष्ट्रीय महत्व के स्थलों पर चुनाव का चरित्र टंगा है। एक अरसे धर्मशाला शहीद स्मारक समिति प्रशासन से गुहार कर रही है कि यहां इस तरह के विज्ञापन चस्पां न हों, लेकिन ताज्जुब यह कि यहां हर बैनर पर राजनीतिक हस्तियों का सीना ऊंचा होता है। यह सत्ता पक्ष के प्रचार का भी नमूना है कि वहां से लोकसभा के उम्मीदवार के दीदार हो रहे हैं या कहीं उपचुनाव के चमत्कार नजर आते हैं। हिमाचल के कमोबेश हर शहरी निकाय के हाथ बंधे हैं, इसलिए सरकारी संपत्तियों पर चस्पां प्रचार सामग्री की शक्ल में कचरे के अवतार नजर आते हैं। यहां डंपिंग का मसला बीबीएन से सिरसा नदी तक नहीं, बल्कि पर्यटन उद्योग व ऑनलाइन शॉपिंग के जरिए आ रहे पैकिंग मैटीरियल का भी है। फूड चेन के माध्यम से फास्ट फूड की गुस्ताखियों से अटे पड़े खाली डिब्बे और हाईवे पर खुल रही शराब की दुकानदारी ने खाली बोतलों के जनाजे थमा दिए हैं। बोतलबंद पानी की बरसात हर पहाड़ से पूछिए कि सडक़ के हर मोड़ पर पर्यटक वाहन किस कद्र ढेर उगाते हैं। ब्रेड-बटर और दूध पर मलाई आने से पहले उसकी पैकिंग प्रदेश को कचरे से अभिशप्त कर रही है। हो सकता कुछ समय के लिए शिमला से अवांछित बैनर हट जाएं, लेकिन मौजूदा चुनाव की सामग्री में कचरा तौलेंगे, तो न जाने कितने पहाड़ बन जाएंगे। ऐसे में पर्यटन प्रदेश कहलाने के साथ-साथ कचरे के सही निपटान का प्रबंधन करना होगा। हर शहर से गांव-कस्बे तक डंपिंग साइट्स के अलावा कूड़ा कचरा निष्पादन का उचित प्रबंधन करना पड़ेगा। यह नागरिक समाज की चिंता का विषय होना चाहिए और व्यापार से उद्योग धंधों तक इस दिशा में सहभागिता से ही हम अभिशप्त होने से बचेंगे।

एचएएल का चौथी-तिमाही में मुनाफा 52 प्रतिशत बढ़कर 4,308 करोड़ हुआ : आय में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी, कंपनी के शेयर ने एक साल में 195 प्रतिशत रिटर्न दिया

मुंबई, 17 मई (एजेंसियां)।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल का वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मुनाफा सालाना आधार पर 52 प्रतिशत बढ़कर 4,308 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 2,831 करोड़ रहा था। चौथी तिमाही और सालाना नतीजे जारी किए हैं।

एक साल में एचएएल ने 195 प्रतिशत रिटर्न दिया

रिजल्ट आने के बाद एचएएल का शेयर करीब 11 प्रतिशत बढ़कर 4,637.90 पर बंद हुआ। पिछले एक साल में इसने 195.98 प्रतिशत रिटर्न दिया है। कंपनी का मार्केट कैप 3.08 लाख करोड़ रुपए है।

आय में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी

एचएएल के ऑपरेशन से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू यानी आय में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एफवाय24 की चौथी तिमाही में ऑपरेशन से रेवेन्यू 14,768 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही यानी एफवाय23 की चौथी तिमाही में रेवेन्यू 12,494 करोड़ रहा था।

वित्त वर्ष 2024 में कंपनी का मुनाफा 30 प्रतिशत बढ़ा

एचएएल का पूरे वित्त वर्ष 2024 में कंसॉलिडेटेड मुनाफा 30.77 प्रतिशत बढ़कर 7620 करोड़ हो गया। वित्त वर्ष 2023 में मुनाफा 5827 करोड़ रहा था।

वित्त वर्ष 2024 में रेवेन्यू 30,380 करोड़ रहा

वहीं एचएएल का वित्त वर्ष 2024 में ऑपरेशन से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू बढ़कर 30,380 करोड़ पहुंच गया। वित्त वर्ष 2023 में रेवेन्यू 26,927 करोड़ रहा था। यानी रेवेन्यू में 12.82 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। क्या होता है स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक यूनिट का वित्तीय प्रदर्शन दिखाया जाता है। जबकि, कंसॉलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी की रिपोर्ट दी जाती है।

यहां, एचएएल की 2 सब्सिडियरी और 12 जॉइंट वेंचर हैं। इन सभी के फाइनेंशियल रिपोर्ट को मिलाकर कॉन्सोलिडेटेड कहा जाएगा। वहीं, एचएएल के अलग रिजल्ट को स्टैंडअलोन कहा जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेडमार्क उल्लंघन विवाद में फोनपे को मिली जीत

नई दिल्ली। फोनपे ट्रेडमार्क उल्लंघन विवाद में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मेसर्स अनिकेत फूड्स के खिलाफ फोनपे के पक्ष में आदेश दिया है। उच्च न्यायालय ने 10 अप्रैल, 2024 को फोनपे के पक्ष में आदेश जारी करते हुए मेसर्स अनिकेत फूड्स (इसके एजेंटों, उत्तराधिकारियों, स्टॉकिस्टों, वितरकों, डीलरों या इसके माध्यम से या इसके तहत दावा करने वाले किसी भी व्यक्ति) को माल विनिर्माण और बिक्री के लिए ट्रेडमार्क का उपयोग करने से रोक दिया था। न्यायालय ने अनिकेत फूड्स के परिसर का दौरा करने और ट्रेडमार्क का उल्लंघन कर बनाए गए सामानों व उपलब्ध स्टॉक की जानकारी लेने के लिए एक विशेष अधिकारी को भी नियुक्त किया। उक्त विशेष अधिकारी ने 19 अप्रैल को परिसर को दौरा किया और बड़ी मात्रा में फोनपे ट्रेडमार्क उल्लंघन वाले उत्पाद/सामग्री पाई। इसके बाद, मेसर्स अनिकेत फूड्स ने न्यायालय के बाहर समझौते के लिए फोनपे से संपर्क किया और उसके अधिकारों को स्वीकार किया व अपनी अवैध व उल्लंघनकारी गतिविधियों को रोकने की बात कही। समझौते के तहत मेसर्स अनिकेत फूड्स ने बिना शर्त स्वीकार किया कि, ट्रेडमार्क अधिनियम, 1999, कॉपीराइट अधिनियम, 1957 और सामान्य कानून सहित सभी उचित कानूनों के तहत फोनपे उक्त ट्रेडमार्क फोनपे का सच्चा और वैध मालिक है, और उक्त ट्रेडमार्क विशेष रूप से फोनपे से संबद्ध है। फोनपे के ट्रेडमार्क फोनपे, ट्रेड मार्क्स अधिनियम, 1999 और नियमों के प्रावधानों के तहत अत्यधिक प्रतिष्ठित, विशिष्ट और प्रसिद्ध ट्रेडमार्क है और यह बिना किसी समय सीमा के पूरी तरह से, बिना शर्त और स्थायी रूप से फोन से संबंधित है। फोनपे उक्त ट्रेडमार्क का पूर्व उपयोगकर्ता है और फोनपे चिह्न फ़ोन और पी शब्दों का अद्वितीय संयोजन है। अनिकेत फूड्स कभी भी, किसी भी सामान या सेवाओं के लिए किसी भी कानून के तहत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, ट्रेडमार्क फोनपे में किसी भी मालिकाना अधिकार, ट्रेडमार्क अधिकार, सामान्य कानून अधिकार, या कॉपीराइट का उपयोग और दावा नहीं करेगा और/या उक्त ट्रेडमार्क के समान और/या भ्रामक रूप से किसी भी चिह्न/नाम पर दावा नहीं करेगा।

सीबीआई को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की शक्ति हमारे पास नहीं, अदालत ने खारिज की एमएमटीसी की अपील

नई दिल्ली। मेटल्स एंड मिनरल्स ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एमएमटीसी) को एक विशेष अदालत से झटका लगा है। विशेष अदालत ने एमएमटीसी की याचिका को खारिज कर दिया है। इस याचिका में 2009 में बढ़ी हुई दरों पर एक ऑस्ट्रेलियाई कंपनी से कोयले के आयात में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में सीबीआई द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई थी। विशेष अदालत ने एमएमटीसी की इस याचिका को खारिज करते हुए कहा कि उसके पास सीबीआई को एफआईआर दर्ज करने और मामले की जांच करने का निर्देश देने की शक्ति नहीं है। बता दें कि मेटल्स एंड मिनरल्स ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने मामले में एफआईआर दर्ज करने के लिए सीबीआई को निर्देश देने की मांग की थी। जिसकी अब केंद्रीय जांच एजेंसी प्रारंभिक जांच दर्ज करके जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच यह सुनिश्चित करने के लिए एजेंसी का पहला कदम है कि क्या प्रथम दृष्टया आरोपों में एफआईआर या नियमित मामले के माध्यम से पूर्ण जांच की आवश्यकता के लिए पर्याप्त सामग्री है।

स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम ने तीन अधिकारियों के खिलाफ दर्ज कराया केस 69 करोड़ रुपए गबन करने का आरोप

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम ने 69 करोड़ रुपये के गबन के आरोप में बैंक के तीन अधिकारियों के खिलाफ अपराध जांच विभाग (सीआईडी) में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बैंक ने प्राथमिकी में धन के गबन के लिए तीन अधिकारियों दोरजी शेरिंग लेप्चा, महाप्रबंधक (संचालन), त्सेवांग दोरजी लेप्चा, सहायक प्रबंधक (आईटी) और तिलक राय, वरिष्ठ लेखा सहायक पर आरोप लगाए हैं। 14 मई को दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि तीनों अधिकारियों ने सरकारी अधिकारियों के नाम पर विभिन्न सावधि जमा खाते खोले और शेष बैंक धन को विभिन्न चल व अचल संपत्तियों में निवेश किया। बैंक ने सीआईडी से चल (बैंक खातों, एफडी, शेयर, म्यूचुअल फंड) और अचल संपत्तियों सहित सभी संपत्तियों को तुरंत फ्रीज करने का अनुरोध किया है जो उनके व्यक्तिगत नाम के साथ-साथ उनके परिवार के निकटतम सदस्यों के नाम पर दर्ज हैं। स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम सिक्किम सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय है। सीआईडी ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और वे मामले की जांच कर रहे हैं।

अब नेपाल में एमडीएच -एवरेस्ट मसालों पर बैन लगा : कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड की जांच शुरू की, अप्रैल में सिंगापुर-हॉन्गकॉन्ग ने किया था बैन

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग के बाद अब नेपाल ने भी भारत के दो मसाला ब्रांड एवरेस्ट और एमडीएच की बिक्री, खपत और आयात पर रोक लगा दी है। नेपाल के खाद्य प्रौद्योगिकी एवं गुणवत्ता नियंत्रण विभाग के प्रवक्ता मोहन कृष्ण महारजन ने कहा, नेपाल में आयात किए जा रहे एवरेस्ट और एमडीएच ब्रांड के मसालों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मसालों में हानिकारक केमिकल के अंश पाए जाने की खबर आने के बाद एक हफ्ते पहले आयात पर प्रतिबंध लगाया गया था और हमने मार्केट में भी इसकी बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन दो ब्रांड्स के मसालों में केमिकल के लिए जांच चल रही है। अंतिम रिपोर्ट आने तक प्रतिबंध लागू रहेगा।

अप्रैल में सिंगापुर-हॉन्गकॉन्ग ने एवरेस्ट और एमडीएच के मसालों पर लगाया था बैन - इससे पहले अप्रैल महीने में सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग ने एमडीएच और एवरेस्ट दोनों कंपनियों के कुछ प्रोडक्ट्स में पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की लिमिट से ज्यादा मात्रा होने के कारण उन्हें बैन किया था। इन प्रोडक्ट्स में इस पेस्टिसाइड की ज्यादा मात्रा से कैंसर होने का खतरा है। हॉन्गकॉन्ग के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने कहा था कि एमडीएच ग्रुप के तीन मसाला मिक्स- मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा पाई गई है। एवरेस्ट के फिश करी मसाला में भी यह कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड पाया गया है।

भारतीय मसालों का रिजेक्शन रेट बेहद कम- वाणिज्य मंत्रालय - 15 मई को वाणिज्य मंत्रालय ने कहा था कि भारतीय मसालों का रिजेक्शन रेट बेहद कम है। वहीं, निर्यात सैंपल की विफलता भी कम है। मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा था,हमारी ओर से प्रमुख देशों को निर्यात किए गए मसालों की कुल मात्रा के मुकाबले अस्वीकृति दर 1 प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय रिकॉल और अस्वीकृति आंकड़ों पर नजर रखता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी ने कहा था कि वित्त वर्ष 24 में भारत ने लगभग 14.15 मिलियन टन मसालों का निर्यात किया, जिसमें से केवल 200 किलोग्राम के मसाले की एक छोटी मात्रा को ही वापस मंगाया गया।

एक सैंपल का प्रभावित होना कोई बड़ी बात नहीं

- वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया था कि भारतीय निर्यात के लिए सैंपल फेलियर 0.1 प्रतिशत से 0.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर बना हुआ है, जबकि अन्य देशों से आने वाले मसाले का सैंपल फेलियर 0.73 प्रतिशत है। उन्होंने कहा था कि एक सैंपल का प्रभावित होना कोई बड़ी बात नहीं है। भारत कई बार कई देशों के सैंपल को खारिज भी कर देता है।

भारत ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग से डीटेल्स मांगी थी - 24 दिन पहले एमडीएच और एवरेस्ट मसालों के बैन के मामले में भारत ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग के फुड रेगुलेटर्स यानी खाद्य नियामक से डीटेल्स मांगी हैं। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने सिंगापुर और हांगकांग दोनों में भारतीय दूतावासों को इस मामले पर एक डीटेल्ड रिपोर्ट भेजने का भी निर्देश दिया था। मिनिस्ट्री ने एमडीएच और एवरेस्ट से भी डीटेल्स मांगी थी।

मसालों में तय मानकों से कम कीटनाशक की अनुमति - 6 मई को फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने उन सभी मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया था, जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि भारतीय फूड कंट्रोलर जड़ी-बूटियों और मसालों में तय मानक से 10 गुना ज्यादा कीटनाशक मिलाने की अनुमति देता है। एफएसएसएआई ने एक प्रेस रिलीज में बताया था कि इस तरह की सभी खबरें झूठी और बेबुनियाद हैं। भारत में मैक्सिमम रेसिड्यू लेवल यानी कीटनाशक मिलाने की लिमिट दुनियाभर में सबसे कड़े मानकों में से एक है। कीटनाशकों के एमआरएल उनके रिस्क के आकलन के आधार पर अलग-अलग फूड मटेरियल के लिए अलग-अलग तय किए जाते हैं।

कुछ कीटनाशकों के लिए बढ़ाई थी लिमिट - हालांकि एफएसएसएआई ने माना था कि कुछ कीटनाशक, जो भारत में केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और रजिस्ट्रेशन कमेटी से रजिस्टर्ड नहीं हैं, उनके लिए यह लिमिट 0.01 एमजी/ केजी से 10 गुना बढ़ाकर 0.1 एमजी/ केजी की गई थी। यह वैज्ञानिक पैनल के रिकमेंडेशन पर ही किया गया था। सीआईबी एन आरसी कीटनाशकों की मैन्युफैक्चरिंग, इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट, ट्रांसपोर्ट और स्टोरेज आदि को रेगुलेट करते हैं।

मिर्च पाउडर में माइक्लोबुटानिल की सीमा 2 एमजी/ केजी - मिर्च पाउडर में मिलाए जाने वाले माइक्लोबुटानिल के लिए कोडेक्स ने 20 एमजी/ केजी की लिमिट तय की है। जबकि एफएसएसएआई इसे केवल 2 एमजी/ केजी तक मिलाने की परमिशन देता है। एक अन्य पेस्टिसाइड स्पाइरोमेसिफेन के लिए कोडेक्स ने 5 एमजी/ केजी की लिमिट तय की है, एफएसएसएआई इसके लिए 1 एमजी/ केजी तक की ही अनुमति देता है। काली मिर्च के लिए मेटालैक्सिल और मेटालैक्सिल-रू के यूज के लिए कोडेक्स ने 2एमजी/ केजी की लिमिट तय की है। जबकि एफएसएसएआई इसे केवल 0.5एमजी/ केजी तक मिलाने की अनुमति देता है।

सीआईबी और आरसी के पास 295 से ज्यादा कीटनाशक रजिस्टर्ड - भारत में सीआईबी और आरसी के पास 295 से ज्यादा कीटनाशक रजिस्टर्ड हैं। इनमें से 139 कीटनाशकों का इस्तेमाल मसालों में किया जा सकता है, जबकि कोडेक्स ने टोटल 243 कीटनाशकों को एडॉप्ट किया है, इनमें 75 को मसालों में इस्तेमाल किया जा सकता है। कोडेक्स कंज्यूमर हेल्थ की रक्षा करने और फूड बिजनेस पर नजर रखने वाली एक ग्लोबल संस्था है। यह इंटरनेशनल सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं के बीच खाद्य मानकों को तय और लागू करने की अनुमति देती है।

मसाले में क्यों करते हैं कीटनाशकों का इस्तेमाल - मसाला बनाने वाली कंपनियां एथिलीन ऑक्साइड सहित अन्य कीटनाशकों का उपयोग ई. कोली और साल्मोनेला जैसे बैक्टीरिया और फंगस से फूड आइटम्स को खराब होने से बचाने के लिए करती हैं, क्योंकि इन बैक्टीरिया के संपर्क में आने से मसालों की शेल्फ लाइफ बहुत छोटी हो सकती है।

एयर इंडिया पर निजीकरण के बाद नहीं बनता मौलिक अधिकार के उल्लंघन का मामला, सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

जनवरी 2022 में टाटा समूह की ओर से अधिग्रहण कर लिए जाने के बाद एयर इंडिया लिमिटेड (एआईएल) का संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत राज्य या उसके साधन के रूप में अस्तित्व समाप्त हो गया है और ऐसे में मौलिक अधिकार के कथित उल्लंघन का कोई मामला इसके खिलाफ नहीं बनता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में यह बात कही। शीर्ष अदालत ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 20 सितंबर, 2022 के फैसले के खिलाफ दायर अपीलों को खारिज कर दिया। इनमें एआईएल के कुछ कर्मचारियों द्वारा वेतन में कथित ठहराव और कर्मचारियों की पदोन्नति न होने और संशोधित वेतन के बकाया भुगतान में देरी से जुड़ी चार रिट याचिकाओं का निपटारा किया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय के समक्ष याचिकाओं में संविधान के अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता), 16 (सार्वजनिक रोजगार के मामलों में अवसर की समानता) और 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संरक्षण) के उल्लंघन का दावा किया गया था। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने एआईएल के निजीकरण के कारण रिट याचिकाओं की गैरविचारणीयता के आधार पर याचिकाओं का निपटारा किया था। फैसले में कहा गया है कि इस बात को लेकर कोई संशय नहीं है कि भारत सरकार ने अपना 100 प्रतिशत हिस्सा टैलेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरित कर दिया है और अब एक निजी कंपनी के रूप में उस पर सरकार का कोई प्रशासनिक नियंत्रण नहीं रह गया है। अदालत ने कहा कि इसलिए निजी कंपनी द्वारा अधिग्रहण किए जाने के बाद कंपनी को अब राज्य के स्वामित्व वाला नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, इस प्रकार, निर्विवाद रूप से, प्रतिवादी नंबर 3 (एआईएल) अपने विनिवेश के बाद भारत के संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत एक राज्य या इसकी साधन नहीं रह गई। पीठ ने कहा कि यदि एआईएल को संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत राज्य की परिभाषा के अंतर्गत नहीं रखा जाता है।

सोने और चांदी के भाव में गिरावट, सोना 72,900, चांदी लगभग 87,100 रुपए

नई दिल्ली, 17 मई ।

देश के सराफा बाजारों में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। लेकिन इसमें गिरावट देखी जा रही है। सुबह शुरुआत में सोने के वायदा भाव 72,900 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 87,100 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखने को मिल रही है।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 73 रुपये की गिरावट के साथ 72,907 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 99 रुपये की गिरावट के साथ 72,881 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी आज सुस्त रही।

एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 190 रुपये की गिरावट के साथ 87,110 रुपये पर खुलने के बाद 200 रुपये की गिरावट के साथ 87,100 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,381.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,385.50 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.40 डॉलर की गिरावट के साथ 2,380.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.82 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.87 डॉलर था। इस समय यह 0.11 डॉलर की गिरावट के साथ 29.76 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एआई के कारण लोग मानवीय संबंधों के लिए तरसेंगे

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा है कि एआई के कारण 5-10 वर्षों में लोग मानवीय संबंधों के लिए तरस जाएंगे। सैम ऑल्टमैन ने एक पॉडकास्ट के दौरान कहा है कि एआई में वृद्धि से लोग मानवीय संबंध के लिए तरस जाएंगे और कला क्षेत्र में नौकरियों की मांग बहुत अधिक बढ़ेगी। उन्होने कहने का मतलब था कि आने वाले समय में एआई का विकसित रूप मनुष्यों को एक मनुष्य के रूप में ही सेवाएं देने में सक्षम हो सकता है। ऐसे में लोग मानवीय संबंधों के लिए तरस सकते हैं।

ऑल्टमैन ने ये बातें द लोगान बार्टलेट शो के दौरान उन नौकरियों के बारे में पूछे जाने पर कहीं जो एआई के कारण अगले पांच वर्षों में मुख्यधारा में आ सकती हैं। 2022 में जब चैटजीपीटी लॉन्च किया गया था, तो लोगों की नौकरी की सुरक्षा को लेकर बहुत सारे सवाल उठने लगे थे। एआई चैटबॉट उन चीजों को करने में सक्षम था, जिन्हें माना जाता था कि पहले मनुष्य ही कर सकते हैं।

जल्द ही, कई लोगों को डर लगने लगा कि एआई उनकी नौकरियां छीन लेगा। बहुत सारे विशेषज्ञों ने भी इस पर मुहर लगाई। जहां बड़े पैमाने पर विशेषज्ञों का मानना है कि एआई मनुष्यों के लिए खतरा है, वहीं कई जानकारों का रवैया आशावादी है और वे मानते हैं कि

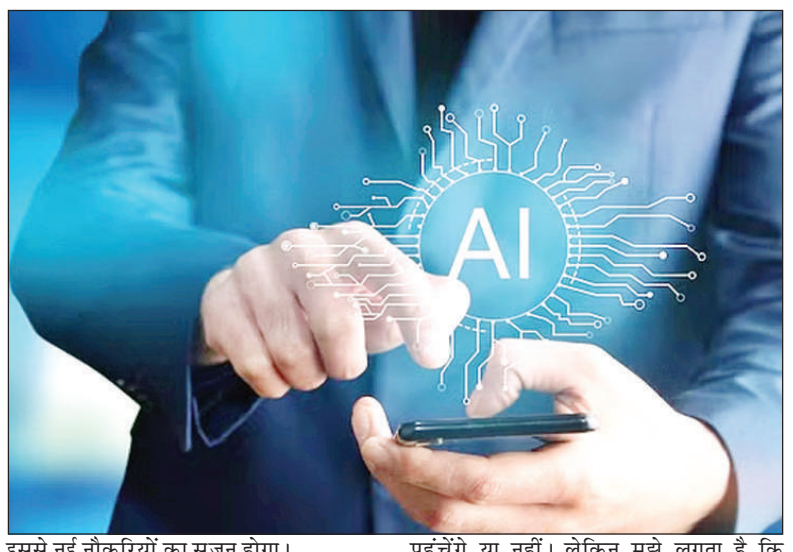

इससे नई नौकरियों का सृजन होगा।

पॉडकास्ट के दौरान नौकरियों से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए ऑल्टमैन ने कहा, एआई के इस्तेमाल से नए प्रकार की कलाओं की व्यापक श्रेणी विकसित होगी, जो मानवीय संबंधों के अनुसार ही काम करेगी। मुझे फिलहाल नहीं पता कि इन नौकरियों का क्या नाम होगा, मुझे नहीं पता कि हम 5 साल में वहां पहुंचेंगे या नहीं। लेकिन मुझे लगता है कि मनुष्यों के लिए यह एक शानदार अनुभव होगा।

हाल ही में, ओपनएआई के सीईओ ने एक ब्लॉग पोस्ट में कंपनी के हालिया एलएलएम, जीपीटी 4श की प्रशंसा की थी। ओपनएआई के स्प्रिंग अपडेट इवेंट के दौरान इस एआई टूल का अनावरण किया गया था। यह वर्तमान चैटजीपीटी का एक स्मार्ट संस्करण है।

भारत के उपभोक्ता बाजार का आकार 2031 तक दोगुना हो सकता है, वित्त मंत्री ने जताया अनुमान

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री ने दिल्ली में सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2024 के दौरान अनुमान जताया कि भारतीय उपभोक्ता बाजार का आकार 2031 तक दोगुना हो सकता है। इसके अलावे, भारत पांच वर्षों में वैश्विक विकास में 18 प्रतिशत तक का योगदान दे सकता है। इस दौरान वित्त मंत्री ने विनिर्माण क्षेत्र को और अधिक बढ़ावा देने पर जोर दिया। वित्त मंत्री ने सीआईआई कार्यक्रम के दौरान कहा कि कई लोगों का सुझाव है कि भारत के पास सेवाओं में एक बड़ा अवसर है, लेकिन हम विनिर्माण को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। इसे अधिक निवेश और सरकारी नीतियों की मदद से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। सीतारमण ने कहा, '' मैं कुछ अर्थशास्त्रियों द्वारा दी गई इस सलाह के विपरीत कुछ रेखांकित करना चाहती हूं कि भारत को अब विनिर्माण पर ध्यान नहीं देना चाहिए या विनिर्माण में तेजी नहीं लानी चाहिए... । मैं इस तथ्य पर जोर देना चाहती हूं कि विनिर्माण में वृद्धि होनी चाहिए। भारत को नीतियों की मदद से वैश्विक मूल्य श्रृंखला में अपनी (विनिर्माण) हिस्सेदारी भी बढ़ानी चाहिए।'' भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन सहित कुछ अर्थशास्त्रियों ने राय व्यक्त की है कि भारत को विनिर्माण के बजाय सेवा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए क्योंकि उसने वह अवसर गंवा दिया है। उनका कहना है कि चीन के विनिर्माण-आधारित वृद्धि मॉडल को अब और दोहराया नहीं जा सकता। हालांकि, सीतारमण ने कहा कि विनिर्माण के विस्तार से भारत को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। उम्मीद जतायी कि भारत के पास अब भी अपनी विनिर्माण क्षमता बढ़ाने का अवसर है क्योंकि दुनिया कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद 'चीन प्लस वन' रणनीति पर ध्यान दे रही है। 'कैपजेमिनी रिसर्च इंस्टीट्यूट' की मई में जारी रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यूरोप और अमेरिका में वरिष्ठ अधिकारियों के लिए निवेश स्थलों की सूची में भारत शीर्ष पर है, जो चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं और अपनी विनिर्माण क्षमता का कुछ हिस्सा उभरते बाजारों में स्थानांतरित करना चाहते हैं। सर्वेक्षण में शामिल करीब 760 अधिकारियों में से 65 प्रतिशत ने कहा कि वे भारत में उल्लेखनीय रूप से निवेश बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, '' यह अपने आप में हमारे भारतीय उद्योग को काफी बड़ा दायरा प्रदान करता है।

चेन्नई और बेंगलुरू के बीच होगा महामुकाबला

बेंगलूरु, 17 मई (एजेंसियां)।

आईपीएल 2024 का 68वां मैच बहुत ही दिलचलस्प होने जा रहा है, जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और चेन्नई सुपर किंग्स प्ले ऑफ़ की आख़िरी जगह के लिए आपस में मुक़ाबला करेंगी। दोनों टीम अब तक एक दूसरे से 32 बार भिड़ी हैं, जिसमें बेंगलुरु को 10 और चेन्नई को 21 मैचों में जीत मिली है, वहीं एक मैच बिना नतीजे के समाप्त हुआ है। बेंगलुरू के चिन्नास्वामी मैदान में भी हुए 10 मुक़ाबलों में चेन्नई की टीम 5-4 से आगे है और इस साल इन दोनों टीमों के बीच चेन्नई में हुए मुक़ाबले में भी चेन्नई ने छह विकेट से बाज़ी मारी थी। आइए देखते हैं कि इस मैच में कौन-कौन से दिलचस्प मुक़ाबले देखे जा सकते हैं:

रवींद्र जडेजा होंगे चेन्नई के प्रमुख हथियार - यूं तो बेंगलुरू के छोटे मैदान में स्पिनरों की ख़ैर नहीं होती, लेकिन बेंगलुरू के बल्लेबाज़ों के ख़िलाफ़ अपने बेहतर टी20 रिकॉर्ड के कारण जडेजा इस मैच में अपनी छाप छोड़ सकते हैं। वह ग्लैन मैक्सवेल को सात तो विराट कोहली और दिनेश कार्तिक को तीन-तीन पारियों में आउट कर चुके हैं। क्रिस ग्रीन को उन्होंने दो पारियों में एक बार आउट किया है, जबकि बेंगलुरू के कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी को वह आउट भले ही नहीं कर पाए हैं, लेकिन उनके ख़िलाफ़ डुप्लेसी का स्ट्राइक रेट सिर्फ़ 119 का है।

विराट कोहली को कौन रोकेगा - 13 पारियों में सर्वाधिक 661 रन बनाकर कोहली ने भले ही ऑरेंज कैप पर क़ब्ज़ा किया हुआ है, लेकिन उनके स्ट्राइक रेट पर लगातार चर्चा हो रही थी। इस सीज़न के पहले छह मैचों में बड़े स्कोर बनाने के बावजूद भी कोहली ने सिर्फ़ 131 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे, लेकिन पिछले सात मैचों में उन्होंने 193 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। इस सीज़न कोहली ने पावरप्ले में 163 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, जो कि उनके लिए किसी भी सीज़न में सर्वश्रेष्ठ है। वह इस मैच में भी अपने प्रभाव का जादू चला सकते हैं क्योंकि जडेजा को छोड़कर चेन्नई का कोई भी गेंदबाज़ टी20 मैचों में उन्हें परेशान नहीं कर पाता है और वह कम से कम 123 के स्ट्राइक रेट से उन पर रन बनाते हैं। शार्दुल ठाकुर के ख़िलाफ़ उनका स्ट्राइक रेट तो 160 का है।

अंजिक्य रहाणे और करण शर्मा का मुक़ाबला भी दिलचस्प होगा - पिछले साल अपने बल्ले से धमाका मचाने वाले रहाणे ने इस साल निराश किया है और 11 पारियों में बिना किसी अर्धशतक की मदद से उनके नाम 120 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ़ 209 रन दर्ज हैं। बेंगलुरू के लेग स्पिनर करण शर्मा आपको पावरप्ले में गेंदबाज़ी करते हुए दिखाई दे सकते हैं। करण ने रहाणे को आठ में से तीन पारियों में आउट किया है, जबकि रहाणे उन पर सिर्फ़ 114.28 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। इस तरह से करण, रहाणे की वापसी की किसी भी संभावना से इनकार कर सकते हैं।

ऋतुराज गायकवाड़ के लिए एक और बड़ा मैच - इस साल 583 रन बनाकर कोहली के बाद दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के लिए अपने रन योग को और आगे बढ़ाने का यह एक और मौक़ा होगा। क्रिस ग्रीन और स्वप्निल सिंह को छोड़ दिया जाए तो गायकवाड़ बेंगलुरू के हर गेंदबाज़ के ख़िलाफ़ 132 के ऊपर के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। ग्लेन मैक्सवेल के ख़िलाफ़ उनका स्ट्राइक रेट तो 390 का है, जबकि लॉकी फ़र्ग्यूसन, यश दयाल और मोहम्मद सिराज के ख़िलाफ़ भी वह क्रमश: 193, 142 और 132 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। हालांकि दयाल और सिराज ने उन्हें दो-दो बार आउट भी किया है।

न्यूज ब्रीफ

टी-20 वर्ल्ड कप के वार्म-अप मैच का शेड्यूल जारी: एक मैच खेलेगा भारत पाकिस्तान, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने टी-20 वर्ल्ड कप के वार्म-अप मैचों का शेड्यूल जारी कर दिया है। टीम इंडिया अमेरिका और वेस्टइंडीज में अगले महीने खेले जाने वाले टी-20 वर्ल्ड कप से पहले केवल एक वार्म-अप मैच 1 जून को बांग्लादेश के खिलाफ यूएसए में खेलेगी। वार्म-अप मैच में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड नहीं खेलेंगे वर्ल्ड कप में भाग लेने वाली 20 टीमों में से 17 टीमें ही वार्म- अप मैच में हिस्सा लेंगी। वहीं पाकिस्तान, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की टीम वार्म-अप मैच नहीं खेलेगी। तीन शहरों में खेले जाएंगे वार्म-अप मैच वार्म-अप मैच 16 मैच 27 मई से 1 जून के बीच अमेरिका और वेस्टइंडीज के त्रिनिदाद एंड टोबैगो में खेले जाएंगे। टीमें स्क्वॉड के सभी खिलाड़ियों को मैदान में उतार सकती हैं प्रैक्टिस मैच 20 ओवर के होंगे और इन्हें इंटरनेशनल टी-20 का दर्जा नहीं मिलेगा। जिससे टीमें स्क्वॉड में शामिल सभी 15 खिलाड़ियों को मैदान में उतार सकेंगी। दो बैच में रवाना होगी टीम इंडिया टीम इंडिया वर्ल्डकप के लिए दो बैच में रवाना होगी। टीम की रवानगी में भी बदलाव हुआ है। टीम इंडिया का पहला बैच पहले आईपीएल लीग स्टेज के खत्म होने के तुरंत बाद 21 मई को न्यूयॉर्क के लिए रवाना होना था। लेकिन, अब पता चला है कि टीम 25 और 26 मई को दो बैचों में रवाना होगी।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने मुंबई इंडियन को 18 रनों से हराया

मुंबई, 17 मई (एजेंसियां)।

निकोलस पूरन (75) और कप्तान के एल राहुल (55) रनों की शानदार पारियों और उसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर वर्षा बाधित मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 67वें मैच में मुम्बई इंडियंस को 18 रनों से हरा दिया है।

215 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुम्बई इंडियंस की रोहित शर्मा और डेवाल्स ब्रेविस की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते पहले विकेट के लिये 88 रनों की साझेदारी की। मैच के बीच में बारिश होने के कारण खेल कुछ देर के लिए रोका गया। नौवें ओवर में नवीन उल हक ने डेवाल्स ब्रेविस (23) को आउट कर लखनऊ को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद अगले ही ओवर में सूर्य कुमार यादव (शून्य) पर पवेलियन लौट गये। 11वें ओवर में रवि बिश्नोई ने रोहित शर्मा को आउट किया। रोहित ने 38 गेंदों में 10 चौके और तीन छक्के लगाते हुये (68) रन बनाये। इशान किशन (14) कप्तान हार्दिक पांड्या (16) और नेहाल वढेरा (1) रन बनाकर आउट हुये। नमन धीर ने 28 गेंदों में चार चौके पांच छक्के लगाते हुए नाबाद (62) रन बनाये। रोमारियो शेफार्ड (1) रन बनाकर नाबाद रहे। मुम्बई इंडियंस 20 ओवर में छह विकेट पर 196 रन ही बना सकी और 18 रनों से मुकाबला हार गई।

लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से नवीन उल हक और रवि बिश्नोई ने दो-दो विकेट लिये। कुणाल पांड्या और मोहसिन खान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले लखनऊ सुपर जायंट्स ने मुम्बई इंडियंस को 215 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां वानखेड़े स्टेडियम में मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में देवदत्त पड़िक्कल (शून्य) का विकेट गवां दिया। उसके बाद कप्तान केएल राहुल और मार्कस स्टॉयनिस ने पारी को संभालने का प्रयास किया। छठें ओवर में मार्कस स्टॉयनिस (28) रन पर आउट हुये। उसके बाद दीपक हुड्डा (11), अरशद खान (शून्य) बनाकर आउट हुये। कप्तान के एल राहुल ने 41 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाते हुये 55 रन बनाये। निकोलस पूरन ने 29 गेंदों में पांच चौके और आठ छक्के लगाते हुए (75) रनों की तूफानी पारी खेली। आयुष बदोनी (22) और क्रुणाल पंड्या (17) रन बनाकर आउट हुये। लखनऊ सुपर जायंट्स ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 214 रनों का स्कोर खड़ा किया। मुम्बई इंडियंस की ओर से नुवान तुषारा और पीयूष चावला ने तीन-तीन विकेट लिये।

टी20 विश्वकप में नेपाल के दीपेंद्र पर भी रहेंगी नजरें

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

आगामी टी20 विश्वकप में इस बार नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी पर भी नजरें रहेंगी। टी20 विश्वकप एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में पहली बार 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिन्हें पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप में बांटा गया है। इन्हीं में से एक नेपाल टीम में शामिल दीपेंद्र अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण चर्चाओं में आये हैं। दीपेंद्र के नाम पर एक ओवर में 6 छक्के लगाने और टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे कम 9 गेंदों पर अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड है। दीपेंद्र ने गत माह 13 अप्रैल को टी20 में एक ओवर में 6 छक्के लगाने के भारत के युवराज सिंह और वेस्टइंडीज के किरोन पोलार्ड के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। ऐरी ने एसीसी प्रीमियर कप 2024 के अंतर्गत अल अमीरात में कतर के खिलाफ मैच में कामरान खान के ओवर में यह 6 छक्के लगाये थे। उन्होंने महज 21 गेंदों पर नाबाद 64 रन बनाते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था। टी20 में युवराज ने इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड (टी20 वर्ल्डकप 2007)और 2021 में पोलार्ड ने श्रीलंका के अकिला धनंजय के ओवर में छह छक्के लगाए थे। कतर के खिलाफ इस पारी के दौरान दीपेंद्र ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरी बार 6 गेंदों पर लगातार 6 छक्के लगाने की उपलब्धि हासिल की थी। इससे पहले दीपेंद्र ने 2023 एशियाई खेलों में मंगोलिया के खिलाफ मैच में भी लगातार 6 गेंदों पर छक्के लगाये हैं। लगातार 6 गेंदों पर उनके यह छह छक्के, दो ओवर के दौरान आए थे। यही नहीं हांगझू में एशियाई खेलों में उन्होंने सबसे कम गेंदों पर अर्धशतक जड़ने का रिकॉर्ड भी बनाया था। उन्होंने केवल 9 गेंदों पर 50 रन पूरे करते हुए युवराज सिंह के 12 गेंदों पर अर्धशतक बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ा था। टी20 में एक पारी में सबसे ऊंची स्ट्राइक रेट दीपेंद्र के ही नाम पर है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

6 साल में...

एक सब इंसपेक्टर (एसआई) हिस्ट्रीशीटरों तक पहुंचा और उनसे पुलिस स्टेशन में आकर रजिस्टर पर साइन करने का अनुरोध किया। लेकिन हिस्ट्रीशीटरों ने यह अनुरोध स्वीकार नहीं किया और अचानक उस जांच अधिकारी को ही जांच की प्रक्रिया से अलग कर दिया गया।केरल सरकार द्वारा आतंकी और अपराधी तत्वों को मिल रहे संरक्षण केरल पुलिस की बेचारगी का यह तथ्यात्मक ब्यौरा ऐसे समय उजागर हुआ है जब देश में लोकसभा चुनाव चल रहा है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई-एम) केरल में सुशासन का दावा करती है और अपने दावों को सही ठहराने के लिए भ्रामक केरल-मॉडल का प्रचार-प्रसार करती है। जबकि तथ्य यह है कि मौजूदा समय में केरल राज्य गहने आर्थिक और प्रशासनिक संकट में है। केरल में इस्लामी कट्टरपंथ के बढ़ते मामलों के बीच सरकार अपने सबसे बड़े वोट बैंक पर ठोस कार्रवाई से पीछे हट रही है। यही वजह है कि केरल की हालत बद से बदतर होती जा रही है।

राममंदिर पर...

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने रातों-रात कर्नाटक में ठप्पा मारकर मुसलमानों को ओबीसी का आरक्षण दे दिया है। पीएम ने कहा कि मोदी कभी हिंदू-मुसलमान नहीं करता, बल्कि इंडी गठबंधन के पापों को इतिहास बताता है। प्रधानमंत्री ने यहां अवधी में अपने भाषण की शुरुआत की और कहा कि हम आपके कर्जा मा डूब गयन और इस कर्ज को और ज्यादा मेहनत करके चुकाउंगा। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि मोदी हैट्रिक लगाने जा रहा है। पीएम ने इंडी गठबंधन को ऊटपटांग खिचड़ी बताते हुए कहा कि ये लोग ताश के पत्तों की तरह बिखरना शुरू हो गये हैं। मोदी ने कहा कि समाजवादी शहजादे की नई बुआ बंगाल में बनी हैं, जो अब कह रही हैं वो इंडी गठबंधन को बाहर से समर्थन देंगी।प्रधानमंत्री ने कहा कि नई सरकार में मुझे गरीबों, युवाओं, महिलाओं और किसानों के लिए बहुत सारे बड़े फैसले लेने हैं। इसलिए मैं बाराबंकी और मोहनलालगंज के लोगों से आशीर्वाद मांगने आया हूं। आज आपके सामने एक तरफ देशहित के लिए समर्पित भाजपा एनडीए का गठबंधन है। दूसरी तरफ देश में अस्थिरता पैदा करने के लिए इंडी गठबंधन मैदान में है। इनके सपनों की इंतहा देखिए, कांग्रेस के नेता ने कह दिया कि रायबरेली के लोग प्रधानमंत्री चुनेंगे। ये सुनते ही समाजवादी शहजादे का दिल टूट गया, बस आंसू नहीं निकले, मगर दिल के सारे अरमां बह गये।प्रधानमंत्री ने कहा कि इस ऊटपटांग खिचड़ी को आप लोग वोट देकर अपना वोट बर्बाद न करें। भाजपा का सांसद होगा तो दिल्ली और लखनऊ से योजनाएं लेकर आएगा। अगर इंडी गठबंधन का सांसद होगा तो उसका मापदंड होगा कि उसने मोदी को कितनी गाली दी। 5 साल मोदी को गाली नहीं, क्षेत्र का विकास करने वाला सांसद चाहिए। इसके लिए आपके पास एक ही विकल्प है ओनली कमल। बाराबंकी से राजरानी रावत और मोहनलालगंज से कौशल किशोर को हर बूथ पर विजयी बनाना है।प्रधानमंत्री ने कहा कि जब देश में दमदार सरकार होती है तो फर्क भी साफ साफ दिखता है। कमजोर सरकार आज है कल नहीं है। कमजोर सरकार का पूरा फोकस इस बात पर होता है कि किसी तरह उनकी गाड़ी चलती रहे। भाजपा की दमदार सरकार का मतलब क्या होता है, ये हमारा अवध क्षेत्र बेहतर जानता है। जो पहली बार वोट डाल रहे हैं, जो युवा हैं उन्हें पता ही नहीं होगा कि 500 साल से पीढ़ी दर पीढ़ी हमारे पूर्वज संघर्ष करते रहे, बलिदान देते रहे, त्याग की पराकाष्ठा करते रहे। आज रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं जोकि इतिहास की बहुत बड़ी घटना है। ये मोदी के कारण नहीं, बल्कि आपके एक वोट के कारण हुआ है। कमल के निशान पर बटन दबाकर आगे भी ये दमदार सरकार बनानी है और दमदार फैसले भी लेने हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये कांग्रेस और सपा वालों ने पहले रामलला को टेंट में पहुंचाया, फिर वोटबैंक को खुश करने के लिए कहा कि वहां मंदिर की जगह धर्मशाला, स्कूल या अस्पताल बना दो। कांग्रेस तो राममंदिर पर कोर्ट का निर्णय पलटना चाहती है। भ्रम में मत रहिए, यही इनका ट्रैक रिकॉर्ड है। सपा और कांग्रेस सत्ता में आए तो फिर रामलला को टेंट में भेज देंगे और मंदिर पर बुलडोजर चला देंगे। इन्हें योगी जी से ट्यूशन लेना चाहिए कि बुलडोजर कहां चलाना है कहां नहीं। यही इनकी साजिश है। ऐसे लोगों को वोट छोड़िए, ऐसी सजा देनी चाहिए कि इनकी जमानत जब्त हो जाए। सपा और कांग्रेस के लिए अपने वोटबैंक से बड़ा कुछ नहीं है। जब इनकी पोल खोलता हूं तो बेचैन हो जाते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब संविधान बन रहा था तो बाबा साहब धर्म के आधार पर आरक्षण के सबसे बड़े विरोधी थे। यहां तक कि इनके परनाना ने भी धर्म के आधार पर आरक्षण का विरोध किया था। कर्नाटक में जितने मुसलमान थे उन सभी को रातों रात ओबीसी बना दिया। क्या एससी, एसटी, ओबीसी का हक आप इन्हें छीनने देंगे। पीएम ने कहा कि बिहार में चारा घोटाला के जो चैंपियन हैं, जिन्हें अदालत ने सजा दी है और तबियत के बहाने बाहर घूम रहे हैं, वो कहते हैं कि पूरा आरक्षण मुसलमानों को देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं आपके अधिकारों की रक्षा के लिए 400 पार मांगता हूं। कांग्रेस के शहजादे कहते हैं कि आपकी कमाई का एक्स-रे करेंगे। मतलब आपके लॉकर में क्या है, जमीन कितनी है, गहने कितने हैं, सोना कितना है, चांदी कितनी है, आपके मंगलसूत्र कहां है। वो लूट चलाना चाहते हैं। कहते हैं कि आपके पास जो है आपसे लेकर जिसके पास नहीं है उसको दे दिया जाएगा। मतलब जो वोट जिहाद करेगा उसे दे दिया जाएगा। सपा, कांग्रेस तुष्टिकरण के आगे घुटने टेक चुकी है। मोदी जब ये सच्चाई देश को बता रहा है, उनकी बेइमानी, सांप्रदायिकता, हिंदू मुसलमान करने को बेनकाब कर रहा है तो कहते हैं कि मोदी हिंदू मुसलमान करता है। मोदी तो उनके पापों का इतिहास देश को बताने के लिए ऐसा करता है।प्रधानमंत्री ने कहा कि ये लोग संविधान विरोधी, दलित और पिछड़े विरोधी हैं। मोदी ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया तो जम्मू कश्मीर में संविधान लागू हुआ। वहां दलितों को उनके अधिकार मिले। दो दिन पहले सीएए कानून के तहत शरणार्थियों को नागरिकता मिलनी शुरू हो गई है। वो खुशी मना रहे हैं। उन्हें कोई पूछने वाला नहीं था। इनमें जो लाभार्थी हैं उनमें ज्यादातर मेरे दलित और पिछड़े समाज के लोग हैं। सपा और कांग्रेस इसका भी विरोध करते हैं। सपा और कांग्रेस ने यूपी में दलितों का जितना अपमान किया है वो देश देखता है। मोदी देश के संविधान को सशक्त कर रहा है तो अफवाहें फैलाते हैं। भाजपा सरकार ने बाराबंकी के किसान रामशरण वर्मा जी को गर्व के साथ पद्म सम्मान देती है, उनके योगदान को नमन करती है। वहीं ये कांग्रेसी बेनीबाबू जैसे नेता का अपमान करते हैं, सपा चुप रहती है। बेनीबाबू ने देश और समाज की सेवा में पूरा जीवन खपा दिया। उनको कांग्रेस और सपा ने अपमानित किया है।पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा सबका साथ सबका विकास, सबका प्रयास के पवित्र मंत्र पर चलती है। बिना भेदभाव योजनाओं का लाभ सबको दिया जाता है। सपा के शासन में क्या होता था, उस समय बिजली भी वोट जिहाद करने वालों के लिए रिजर्व रहती थी। वोट बैंक की सच्चाई को जनता समझ चुकी है। रामकाज से आगे अब राष्ट्रकाज के लिए समय आ गया है। रामकाज से राष्ट्रकाज की प्रेरणा मिलती है। पीएम ने कहा कि यहां का गमछा मुझे भेंट दिया गया। जो बहुत प्रसिद्ध हो रहा है। हमारे योगी जी ने यूपी में ओडीओपी मिशन चलाया है। अब मैं विदेश जाता हूं तो गिफ्ट क्या लेकर जाऊंगा इसके लिए बहुत मेहनत नहीं करनी होती। ओडीओपी की वेबसाइट पर जाकर सामान देख लेता हूं, उसमें से 6-7 चीजें बुक कर लेता हूं। योगी जी ने इसे जीआई टैग दिला दिया है। पीएम ने कहा कि मैं 2014 से काम में लगा हूं। स्वच्छता अभियान के तहत सफाई कर रहा हूं। सफाई होने के कारण ही यूपी में निवेश का माहौल बना है। लोग विश्वास के साथ यूपी में रुपए लगाने के लिए तैयार हुए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, कौशल किशोर, प्रदेश सरकार के मंत्री सतीश चंद्र शर्मा आदि उपस्थित थे।

जनघोष बन गया ...

आम जनमानस की उद्घोषणा का शंखनाद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बाराबंकी के जैदपुर मार्ग पर बाराबंकी लोकसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में यह बात कही। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। सीएम योगी ने बाराबंकी की लोकसभा प्रत्याशी राजरानी रावत और मोहनलालगंज के लोकसभा प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के पक्ष में वोट की अपील की। साथ ही, उन्होंने अवध प्रांत के देवाधिदेव महादेव की धरती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत भी किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की संकल्पना की विजय का अबकी बार 400 पार का नारा एक नया उद्घोष भी है। उन्होंने महादेवा और सिद्धेश्वर महादेव की धरती पर भारत की सांस्कृतिक नवजागरण के पुरोधा, एक भारत श्रेष्ठ भारत के शिल्पी, दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बाराबंकी की जनता की ओर से हृदय से स्वागत किया। सीएम योगी ने कहा कि देश में पिछले 10 वर्षों में हुए विकास कार्यों को देखते हुए देश के आमजन ने एक बार फिर मोदी सरकार के विजय श्री के साथ खुद को जोड़ा है। ऐसे में हमें बाराबंकी और मोहनलालगंज समेत उत्तर प्रदेश की 80 की 80 लोकसभा सीटों पर कमल खिलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में अपना योगदान देना है।

केजरीवाल के...

साली तेरी औकात क्या है कि हमको मना करदे। समझती क्या है खुद को नीच औरत। तुझको हम सबक सिखाएंगे। मैं स्तब्ध रह गई। इतना ही नहीं मुझे थप्पड़ मारना शुरू कर दिया। जब मैं लगातार चिल्लाती रही तो मुझे कम से कम सात से आठ बार थप्पड़ मारा। मैं वहां मदद के लिए भी चिल्लाई थी। जानबूझकर मेरी शर्ट ऊपर खींची। मैंने उनसे बार-बार कहा कि मैं मासिक धर्म के दौर से गुजर रही हूं। कृपया मुझे जाने दें। लेकिन जाने नहीं दिया। फिर मैं वहीं बैठ गई। मैं ड्राइंग रूम के सोफे पर गई और हमले के दौरान जमीन पर गिरे अपने चश्मे को उठाया। इसके बाद 112 नंबर पर फोन किया और पुलिस को सूचना दी। तब भी विभव ने स्वाति से कहा, कर ले तुझे जो कुछ करना है। तू हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। तेरी हड्डी पसली तुड़वा देंगे और ऐसी जगह गाड़ेंगे किसी को पता भी नहीं चलेगा। इसके बाद विभव कुमार ने सीएम आवास के सुरक्षाकर्मियों के जरिए स्वाति को मुख्यमंत्री आवास से बाहर फिंकवा दिया। स्वाति मालीवाल ने बताया कि वह इसके बाद किसी तरह पुलिस थाने पहुंची लेकिन मामला राजनीतिक तूल न पकड़े, इसलिए उन्होंने उस दिन एफआईआर दर्ज नहीं करवाई। स्वाति मालीवाल के साथ हुई बदसलूकी मामले में मेडिकल जांच और प्राथमिकी दर्ज होने के बाद अब दिल्ली पुलिस को मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार है। राज्यसभा सांसद के चेहरे पर सूजन मिली है। बाकी का ब्यौरा मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद आएगा। अब पुलिस की 10 टीमें विभव कुमार को तलाश रही हैं।

अरविंद केजरीवाल असली दोषी हैं, सख्त कार्रवाई होनी चाहिए

लखनऊ, 17 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाती मालिवाल के साथ अरविंद केजरीवाल के पीए विभव कुमार द्वारा मारपीट के मामले को लेकर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि इस मामले में केवल विभव कुमार ही नहीं, बल्कि अरविंद केजरीवाल भी बराबर के दोषी हैं। केजरीवाल पर भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया जाना चाहिए।मौर्य ने पूछा कि केजरीवाल ऐसी घटना के आरोपी के साथ कैसे घूम रहे हैं। इस तरह के तत्वों को सबक सिखाया जाना चाहिए और उनके खिलाफ एक्शन लिया जाना चाहिए। केजरीवाल पर निशाना साधते हुए केशव प्रसाद मौर्य कहते हैं कि वह भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में थे, जमानत पर बाहर आए हैं और उन्हें 2 जून को जेल लौटना है, लेकिन वे अपनी आपराधिक हरकतों से बाज नहीं आ रहे। जिस तरह उनके घर पर आम आदमी पार्टी की एक महिला सांसद के साथ दुर्व्यवहार किया गया, उन्हें (केजरीवाल) तो तत्काल मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

महिला सांसद से...

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव केजरीवाल को बचाने का प्रयास कर रहे हैं और अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं।केंद्रीय वित्त मंत्री और भाजपा नेता निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को स्वाति मालीवाल के साथ हुई बदसलूकी के मामले में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को घेरते हुए मामले में उनकी खामोशी पर सवाल उठाए। सीतारमण ने कहा कि राज्यसभा की एक सांसद के साथ केजरीवाल के करीबी ने बदसलूकी की। इसके बावजूद दिल्ली के मुख्यमंत्री अब तक चुप हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए थी, लेकिन विभव कुमार उनके साथ लखनऊ में घूम रहे थे। सीतारमण ने कहा, लगातार 13 मई से आजतक केजरीवाल ने एक शब्द नहीं बोला, इस मामले में। उनकी पार्टी की राज्यसभा सदस्य के साथ जो हुआ, वह अस्वीकार्य है। महिला के विषय में इतनी बातें बनाने वाले मुख्यमंत्री आज तक उस पर एक शब्द नहीं बोले। उन पर व्यक्तिगत आरोप लगे। आखिर क्यों? जो घटना आपके घर पर हो रही है, उस पर आपकी पार्टी बोलती है कि एक्शन होगा। लेकिन आप खुद कुछ नहीं बोलते और कोई एक्शन भी नहीं हुआ। उस आरोपी के साथ आप आराम से घूम रहे हो।स्वाति मालीवाल दुर्घटना पर भाजपा नेता बांसुरी स्वराज ने कहा, यह बेहद खौफनाक घटना है। महिला होने के नाते मेरी आत्म कचोट रही है। मैं हैरान हूं कि चार दिन बीत गए, अभी तक मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मौन साधे हुए हैं। शायद मामले में कोई कार्रवाई करने की उनकी नीयत नहीं है। हद तो तब हो गई, जब आरोपी पर कार्रवाई करने के बजाय केजरीवाल उसको अपने साथ लखनऊ लेकर गए। इस मामले में दिल्ली के हर नागरिक के सामने बड़ा सवाल यही है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल जब अपने आवास पर अपनी ही पार्टी की सांसद के साथ हुई बदसलूकी पर कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं, तो वह दिल्ली की महिलाओं की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करेंगे।

सीमा पार ...

अगर वे आतंक के अपने धंधे को बंद कर देते हैं जिसे उन्होंने कई दशकों में बनाया है, तो लोग उनके साथ एक सामान्य पड़ोसी की तरह व्यवहार करेंगे।चीन से सीमा विवाद को भारत के विदेश मंत्री ने अधिक जटिल बताया। जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ संबंधों की जटिलता के तीन पहलू हैं। एक बुनियादी पहलू यह है कि सीमा क्षेत्र में शांति भंग हो गई है। अगर कोई देश लिखित समझौते से पीछे हट गया है और भारत की सीमाओं पर कुछ कर रहा है, तो हम यह नहीं कह सकते कि व्यापार सामान्य रूप से जारी रहेगा और अन्य चीजें नहीं होंगी। विदेश मंत्री ने कहा कि चीन से व्यापार असंतुलन का मुद्दा भी है। भारत के व्यापारिक समुदाय के साथ हमारी कुछ चुनौतियां है। हमारे यहां व्यापारी अभी भी कीमतों पर आधारित विकल्प चुन रहे हैं। मैं व्यापार की मजबूरी को समझता हूं लेकिन लंबे समय में, हमें यह देखना होगा कि हम व्यवसायों को और अधिक कैसे प्रोत्साहित कर सकते हैं। इसके लिए हमें और अधिक घरेलू उत्पादन बढ़ाने की जरूरत है। विदेश मंत्री ने कहा, तीसरा मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा फिल्टर का है। व्यावसायिक प्रस्ताव में हमें राष्ट्रीय सुरक्षा संवेदनशीलता का मूल्यांकन करना होगा जो वहां हो सकती है।

आरोप पत्र में...

हम इसे शीघ्र ही करेंगे। यह प्रक्रिया में है। ईडी ने यह बात कथित दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी को दी गई चुनौती पर सुनवाई के दौरान कही। राजू ने दावा किया कि जांच एजेंसी के पास यह दिखाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि केजरीवाल ने 100 करोड़ रुपए की रिश्वत की मांग की थी और इसका इस्तेमाल आपा ने गोवा विधानसभा चुनाव अभियान में किया। ईडी ने कहा कि हमारे पास सबूत हैं कि केजरीवाल एक सात सितारा होटल में रुके थे, जिसके बिल का आंशिक भुगतान मामले के एक आरोपी ने किया था। साथ ही कहा कि केजरीवाल ने खत्म हो चुकी दिल्ली की शराब नीति को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। ईडी ने आरोप लगाया कि आपा के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में केजरीवाल घोटाले के लिए जिम्मेदार हैं।

बलरामपुरवासियों का रामलला पर पहला अधिकार: सीएम योगी

बलरामपुर में बनी थी रामलला के मंदिर निर्माण की रणनीति

बलरामपुर, 17 मई (एजेंसियां)।

अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर के निर्माण की रणनीति वर्ष 1949 में बलरामपुर में बनी थी इसलिए रामलला पर पहला अधिकार आप सबका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में 500 वर्षों के बाद भव्य रामलला का मंदिर बनाकर बलरामपुरवासियों का इंतजार खत्म किया है। आप सभी अच्छी तरह जानते हैं कि यह काम कांग्रेस और सपा के लोग कभी नहीं कर पाते क्योंकि यह लोग तो हमेशा प्रभु श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल खड़ा करते आये हैं। यह सब लोकतंत्र में आपके वोट की ताकत से हुआ है। यही वजह है कि पूरे देश में जनता जनार्दन एक स्वर में अबकी बार मोदी सरकार और 400 पार की बात कह रही है। वह कह रहे हैं जो राम को लाएं हैं, हम उनको लाएंगे। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का इतिहास रामद्रोही है। ऐसे में यह चुनाव राम भक्तों और रामद्रोहियों के बीच का हो गया है। यह रामद्रोही के साथ राष्ट्र विरोधी भी हैं। यह लोग आतंकवाद को प्रेरित और प्रोत्साहित करने वाले हैं। यह लोग समाज को आपस में जाति के नाम पर लड़ाने वाले है। ये बातें है। मोदी जी भारत के विकास के रथ के सारथी हैं। महाभारत के इस युद्ध में वह श्रीकृष्ण की भूमिका में हैं और जहां मोदी जी होंगे, कमल का फूल होगा तो विजय अवश्य होनी है। वहीं, रामद्रोहियों की जमानतें जब्त होंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बलरामपुर के उतरौला के गोंडा लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने गोंडा के लोकसभा प्रत्याशी कुंवर कीर्तिवर्धन सिंह के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंडी गठबंधन वाले अनुसूचित जाति और पिछड़ी जाति के आरक्षण पर सेंध लगाने वाले हैं। यह बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान करने वाले लोग हैं। यह देश को तुष्टिकरण की नीति के जरिये अस्थिरता और अराजकता की ओर धकेलना चाहते हैं, लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे। यह वही लोग हैं जिन्होंने देश के हर नागरिक के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया था। कांग्रेस के समय में रोज सुबह समाचार में भ्रष्टाचार और शाम होते-होते आतंकी वारदात की खबर सुनने को मिलती थी।

सीएम योगी ने कहा कि गोंडा में समाजवादी पार्टी के समय में खाद्यान्न घोटाला हुआ था, जिसे भुलाया नहीं जा सकता है। आज यह आटा और डाटा फ्री में देने की बात कहते हैं जबकि गरीब के राशन में डकैती डालते थे। इनकी इन बातों पर कतई विश्वास नहीं करना है। आज गरीब के हक पर कोई डाका नहीं डाल सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर गरीब का जनधन अकाउंट खोलकर कमीशनखोरी को समाप्त किया है। आज डीबीटी के माध्यम से अकाउंट में पैसा भेजा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए जनता ही उनका परिवार है। ऐसे में उन्होंने देश के हर 70 वर्ष के बुजुर्ग को हर साल 5 लाख फ्री इलाज की सुविधा देने की घोषणा की है, जो मोदी की गारंटी को दर्शाता है। सीएम ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने राम भक्तों पर गोलियां चलाई थी, जिसे यह देश कभी भूल नहीं सकता है। ऐसे में अपने वोट की चोट से रामद्रोहियों की जमानत जब्त करानी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस चुनाव में एक तरफ रामद्रोही हैं, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रामभक्त हैं। जिनके लिये देश ही सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि राम भक्त के लिए जनता जनार्दन की सेवा ही सबसे महत्व-पूर्ण है। ऐसे में हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कांग्रेस के समय में आतंकवाद की घटना होती थी तो वह कहते थे कि आतंकवादी सीमा पार के हैं। वहीं पिछले 10 वर्षों में एक भी आतंकी घटना नहीं हुई। सीएम योगी ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर, हाईवे, रेलवे और एयरपोर्ट का निर्माण हो रहा है। श्रावस्ती का एयरपोर्ट चालू हो गया है। यहां मां पाटेश्वरी के नाम पर नया विश्वविद्यालय बनने जा रहा है। गोंडा, बहराइच और बलरामपुर में मेडिकल कॉलेज का निर्माण युद्ध स्तर पर चल रहा है। वहीं आप याद करिये समाजवादी पार्टी की सरकार के समय में यहां की सड़कों की क्या दुदर्शा थी। उस समय सड़क पर चलना दूभर था। उस दौरान गोंडा से देवीपाटन जाने में 4 घंटे लगते थे। वहीं आज यह दूरी 45 मिनट में पूरी की जा रही है। यही मोदी की गारंटी है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री रमापति शास्त्री, विधायक राम प्रताप वर्मा, प्रभात वर्मा, विनय द्विवेदी, प्रतीक भूषण, विजय बहादुर पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष बलरामपुर आरती तिवारी, भाजपा गोंडा के जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप आदि उपस्थित थे

बिहार को लालटेन युग में ले जाना चाहते हैं कांग्रेस और आरजेडी : योगी

सीएम योगी ने बिहार के सारण में चुनावी जनसभा को किया संबोधित

सारण, 17 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जहां एक तरफ मोदी जी के नेतृत्व में देश डिजिटल युग में प्रवेश कर रहा है वहीं कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) बिहार को लालटेन युग में ले जाना चाहते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंडी गठबंधन के लोग जातियों को लड़ाकर और आतंकवाद, नक्सलवाद एवं भ्रष्टाचार को बढ़ाकर सत्ता प्राप्त करना चाहता है। योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को यहां धौरहरा खुर्द में सारण लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पार्टी प्रत्याशी राजीव प्रताप रूड़ी के लिए जनता से वोट की अपील की।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैं भगवान श्रीराम की धरती से आपके बीच आया हूं। हम यूपी वाले बिहार को अपना ननिहाल मानते हैं, क्योंकि ये मां जानकी का मायका। उन्होंने कहा कि देश के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद और जय प्रकाश नारायण जी के जिस बिहार ने दुनिया को दिशा दी, कांग्रेस और आरजेडी ने उसके नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया। कहा कि यूपी में भी माफिया नाम की बीमारी थी जिसे पूरी तरह से समाप्त किया जा चुका है, अब यूपी में महोत्सव होते हैं।

अपने संबोधन की शुरुआत में योगी आदित्यनाथ ने भोजपुरी में कहा, महर्षि दधीचि और बाबा हरिनाथ की पवित्र धरती पर राउर लोगन क वंदन अभिनंदन कर तानी। उन्होंने कहा कि आज सीता प्राकट्य दिवस भी है। इससे बड़ा सौभाग्य क्या हो सकता है कि इस अवसर पर मुझे सारण आने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के चार चरण हो चुके हैं। देश में चारों ओर एक ही नारा गूंज रहा है, मन में एक ही संकल्प है, फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार चार सौ पार। जनता कह रही है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर का उद्घाटन हुआ तो सबसे पहला उपहार बिहार की जनता की ओर से आया था। उत्सव का माहौल जैसे अयोध्या में था वैसे ही बिहार और जनकपुर में था। अयोध्या और देश के महात्म्य को केवल वही समझ सकता है, जिसके मन में राम की भक्ति होगी। इसे रामद्रोही नहीं समझ सकते। क्योंकि उनके मन में एक ही भाव है कि जैसे भी हो देश की कीमत पर, जातियों को लडाकर, आतंकवाद, नक्सलवाद, भ्रष्टाचार को बढ़ाकर सत्ता प्राप्त करना है। हमारे लिए राम के प्रति भक्ति और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण का भाव है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में माफिया पहले सत्ता का संचालन करते थे। बड़े बड़े दंगे कराते थे। रामनवमी, होली, दीप-ावली, शिवरात्रि, जनमाष्टमी और छठ में दंगा कराते थे। मैंने तय किया कि मोदी जी ने मुझे यूपी की बागडोर सौंपी है तो इन दंगाइयों को रसातल में पहुंचाउंगा। अब यूपी में 7 साल से कोई दंगा, कोई कर्फ्यू नहीं होता। माफिया भी समाप्त हो चुके हैं, अब वहां महोत्सव होते हैं। योगी ने लालू प्रसाद यादव को निशाने पर लेते हुए कहा कि भगवान करे लालू जी स्वस्थ्य रहें, मगर वो कहते हैं कि पिछड़ों का सभी आरक्षण मुसलमानों को दे देना चाहिए। ये संविधान को गाली दे रहे हैं, संविधान की खिल्ली उड़ा रहे हैं। बाबा साहब ने कहा था कि धर्म के आधार पर संविधान में आरक्षण नहीं दे सकते हैं। ये धर्म के आधार पर देश के विभाजन की आधारशिला रखना चाहते हैं।

योगी ने कहा कि 1970 में इंदिरा गांधी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया था। उनका पोता कह रहा है कि सम्पत्ति का सर्वे कराएंगे। आपके पूर्वजों की दी हुई जमीन की आधी प्रापर्टी कांग्रेस और आरजेडी वाले कब्जा करेंगे। इनमें औरंगजेब की आत्मा घुस गई है। ये जजिया कर लगाना चाहते हैं। योगी ने कहा कि ये चुनाव भाजपा, जेडीयू, लोजपा के लिए आत्मनिर्भर और विकसित भारत का चुनाव है। पूरा चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच आ गया है। ये रामद्रोही कहते हैं कि राममंदिर बेकार में बना है। कहा कि लालू के शागिर्द यूपी में भी बैठे हैं। हमने उन्हें भी सही जगह पर बिठा दिया है। वो पहले माफिया से साठगांठ रखते थे, उन्हें जहन्नुम भेजा जा चुका है। अब रामभक्तों और राष्ट्रभक्तों की बारी है।

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का नया संस्करण खून-चुसवा : योगी

अयोध्या, 17 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र के तहत मिल्कीपुर, अयोध्या में विशाल जनसभा को संबोधित किया और मौजूदा सांसद व भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह के लिए अधिक से अधिक संख्या में मतदान की अपील की। इस दौरान सीएम योगी ने सपा और कांग्रेस पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा का वर्तमान संस्करण बहुत खतरनाक हैं। जब भी ये दोनों मिलते हैं मानकर चलिए कि कोई अपशकुन होने वाला है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के इस नए संस्करण को 'खून चुसवा' कहते हैं। औरंगजेब की आत्मा इनके अंदर घुस गई है। ये देश के लोगों से जजिया कर वसूलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आज जो माहौल देश के अंदर बन रहा है इसमें हम सबको सहभागी बनना है। ये अवसर कमल चुनाव पर वोट करके लोक और परलोक दोनों सुधारने का है। विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करना है तो यह केवल भाजपा ही कर सकती

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस, सपा और बसपा ये तीनों केवल आज के दिन पर वोट कटवा हैं। सपा और कांग्रेस जब आपस में मिलते हैं तो कोई न कोई गड़बड़ जरूर करते हैं। जब राज्य में समाजवादी पार्टी की सरकार थी और केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तब अयोध्या में रामजन्म भूमि पर हमला हुआ था। इस बार इन्होंने अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी जाति के आरक्षण पर सेंध लगाने की साजिश की है।

इनका गरीबी हटाओ का मॉडल बहुत खतरनाक है। ये कहते हैं कि एक झटके में गरीबी हटा देंगे। किसी ने पूछा कैसे हटाएंगे तो कहा कि संपत्ति का सर्वे करेंगे और फिर जो आपके बाप, दादा की संपत्ति होगी उसमें से आधी संपत्ति ले लेंगे और समाजवादी पार्टी के गुंडों में बांट देंगे। उन्होंने कहा कि कमल के फूल पर जब वोट पड़ता है वही मोदी और

योगी को ताकत देता है। यही ताकत है जिसने 500 वर्षों की समस्या का समाधान एक झटके में करके आपको और वर्तमान पीढ़ी को गौरव की अनुभूति कराई है। एक तरफ ये विकास है और दूसरी तरफ गरीब कल्याण भी है। कांग्रेस-सपा के समय राशन माफिया हावी थे। भाजपा के समय माफिया को जहां पहुंचाना था पहुंचा दिया। पूरे देश के अंदर अभी तीन चरण के चुनाव बाकी हैं, लेकिन यह पहला चुनाव है जब एक ही नारा गूंज रहा है और वह नारा है फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। जब लोग बोलते हैं कि 400 पार कैसे? तो जनता कह देती है कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे।

उन्होंने कहा कि यह बोलने में कोई सकोच नहीं है कि वर्तमान का यह चुनाव चौथा चरण आते-आते पूरे देश के अंदर रामद्रोही और रामभक्तों के बीच बंट गया है। रामद्रोही वही जो रामभक्तों पर गोलियां चलाते हैं। रामद्रोही वही जो हमारे रामलला की जन्मभूमि पर हमला करने वालों पर मुकदमे वापस लेते हैं। रामद्रोही वही जो कहते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर बेकार बना है। रामद्रोही वही जो राम भक्त कल्याण सिंह की मृत्यु पर संवेदना व्यक्त नहीं करते लेकिन माफिया के मरने पर मातम मनाने जरूर जाते हैं। रामद्रोही वही जो देश के अंदर आतंकवाद और नक्सलवाद की जड़ हैं। रामद्रोही वही जो भारत का विकास नहीं चाहते। रामद्रोही वही जो विकास के कार्यों में जगह-जगह बैरियर बनते हैं और रामद्रोही वही जो गरीब के हक पर डकैती डालते हैं। इसमें सबसे पहला नाम आता है समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का।

याद करिए रामभक्तों पर गोलियां समाजव-ादी पार्टी ने चलाई थी। ये समाजवादी पार्टी के लोग ही कहते थे कि अयोध्या में कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता। ये माफिया को अपने गले का हार बनाते थे। पूरे प्रदेश को इन्होंने तबाह करके रख दिया था। भू माफिया, खनन माफिया, शराब माफिया और इतने माफिया पर माफिया इन्होंने पैदा किए कि प्रदेश का विकास बाधित हो गया। उत्तर प्रदेश के नौजवानों के सामने पहचान का संकट आ गया। प्रदेश के बारे में लोग तमाम प्रकार की बातें करते थे, लेकिन जब आप आशीर्वाद देते हैं और अच्छी सरकार बनाते हैं तो 500 वर्षों का इंतजार समाप्त होता है और राम लला भी विराजमान होते हैं। रामभक्तों का संरक्षण होता है तो माफिया की राम नाम सत्य की यात्रा भी धूमधड़ाके से निकाल दी जाती है।

सीएम योगी ने कहा कि राम भक्त वही जो राष्ट्र के बारे में सोचे, राम भक्त वही जो राष्ट्र की सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था करे, राम भक्त वही जो भारत का सम्मान बढ़ाए, राम भक्त वही जो विकास के बड़े बड़े कार्य ला दे, राम भक्त वही जो बिना भेदभाव के गरीबों के उत्थान के लिए काम करे और इसमें सबसे बड़ा नाम है भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का।

भाजपा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की बात करती है : यादव

श्रावस्ती, 17 मई (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की बात करती है।

डॉ. यादव ने उत्तरप्रदेश के श्रावस्ती लोकसभा की गैसडी विधानसभा के पचपेड़वा में भाजपा प्रत्याशी साकेत मिश्रा के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की बात करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी विचारधारा के लोग कुछ लोगों को अपने वोटों का गुलाम बनाकर रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भाजपा सरकारों ने हर वर्ग,

हर क्षेत्र के लोगों को सम्मान दिया, लेकिन कांग्रेस और समाजवादी वर्ग विशेष को ही मानते हैं। मुस्लिम देशों में सबसे ज्यादा सम्मान प्रधानमंत्री श्री मोदी का हो रहा है।

डॉ. यादव ने कहा कि भाजपा हर वर्ग और हर क्षेत्र के लोगों को सम्मान देती है। मुस्लिम वर्ग के लोग हमारे साथ हैं तो इसमें भी कांग्रेसियों और समाजवादियों के पेट में दर्द हो रहा है। भाजपा ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साहब को देश का राष्ट्रपति बनाया, लेकिन कांग्रेस ने यह काम कभी नहीं किया। कांग्रेस हमेशा से सिर्फ वोट बैंक की राजनीति ही करती रही है। कांग्रेस ने सिर्फ वोट लिए हैं, उनके विकास के लिए कुछ नहीं किया।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में एक ही परिवार के लोग प्रधानमंत्री बने, लेकिन वे दिल्ली से चुनाव नहीं लड़ सके। उन्हें दिल्ली से चुनाव लड़ने में डर लगता है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति लागू की गई। इस शिक्षा नीति को लागू करने वाला देश का पहला राज्य मध्यप्रदेश बना और अब नई शिक्षा नीति में हमने भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण को पाठ्यक्रम में शामिल किया है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि भाजपा आमजन की पार्टी है। हमारे यहां जनता से ही प्रधानमंत्री बनता है, मुख्यमंत्री बनता है, मंत्री, सांसद, विधायक बनता है, लेकिन एक पार्टी ऐसी भी है, जिसमें एक ही परिवार से प्रधानमंत्री, अध्यक्ष बनता है।

रामनाथ कोविंद ने सपरिवार की सरयू सलिला की आरती

अयोध्या, 17 मई (एजेंसियां)।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अपने परिजनों के साथ शुक्रवार को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में सरयू सलिला की आरती में शामिल होकर पूजा-पाठ किया।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अपने परिजनों सहित अस्सी सदस्यों के साथ अयोध्या में सरयू सलिला की आरती में शामिल होकर पूजा-पाठ किया। पूर्व राष्ट्रपति की पत्नी सविता कोविंद, सुपुत्री स्वाति कोविंद व अपने अन्य रिश्तेदारों के संग तय कार्यक्रम के अनुसार वंदेभारत ट्रेन से सीधे अयोध्या आये। वहां से कड़ी सुरक्षा के बीच सडक़ मार्ग द्वारा भगवान ऋषभदेव दिगम्बर जैन मंदिर, रायगंज अयोध्या पहुंचे। दिगम्बर जैन मंदिर में पूर्व राष्ट्रपति एवं उनके परिजनों व रिश्तेदारों का भव्य स्वागत किया गया।

पूर्व राष्ट्रपति के साथ करीब अस्सी लोग आये हैं जिसमें उनकी धर्मपत्नी सविता कोविंद, सुपुत्री स्वाति कोविंद व अन्य रिश्तेदार शामिल हैं। सभी लोगों संग आंजनेय सेवा संस्थान की आरती में शामिल हुए वहां उन्होंने सरयू मैया का दर्शन-पूजन कर भव्य आरती उतारी। उसके बाद वहां बजरंग बली की प्रधानतम पीठ हनुमानगढ़ी मंदिर गये और मत्था टेका। जैन तीर्थांकर भगवान ऋषभदेव के दर्शन एवं साध्वी गणिनी प्रमुख ज्ञानमती माता से आध्यात्मिक चर्चा व सत्संग करने के लिये भी कहा। अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूर्व राष्ट्रपति कोविंद एक श्रद्धालु के रूप में मध्यांह भगवान ऋषभदेव, दिगम्बर जैन मंदिर रायगंज पहुंचे। उनका वहां भव्य स्वागत किया गया। मुख्य रूप से जैन मंदिर के अध्यक्ष पीठाधीश रविन्द्र कीर्ति, स्वामी और कमेटी के समस्त पदाधिकारी सम्मिलित हुए। रात्रि विश्राम करने के बाद सुबह श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला का दर्शन एवं प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर का पूजन करने के बाद अयोध्या से कानपुर के लिये प्रस्थान करेंगे। अयोध्या के जैन मंदिर में रात्रि विश्राम करेंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 18 मई, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

फर्जी चुनावी वीडियो प्रसारित करने के आरोप में चार गिरफ्तार

हैदराबाद ,17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में साइबर अपराध पुलिस ने चुनाव प्रक्रिया के बारे में फर्जी जानकारी वाला वीडियो प्रसारित करने और उसे वायरल करने के आरोप में चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। साइबर पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि एक शिकायत के आधार पर उनकी टीम ने आरोपियों का पता लगाया।आरोपियों में मल्काजगिरी के वुरापल्ली श्रवण, नामपल्ली के मोहम्मद बिन अली अल गुटमी, उस्मानपुरा, चदरघाट के पीदामुल्ला काशी और चिक्कड़पल्ली के कनुकती मिथिलेश हैं, जिन्हें 12वीं एसीएमएम अदालत में पेश किया गया। पुलिस बयान के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बुधवार को एक्स और फेसबुक जैसे सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो देखा, जिसमें एक व्यक्ति एक मतदान केंद्र पर कई बार मतदान कर रहा था।वीडियो में दावा किया गया कि यह घटना हाल ही में 13 मई को हुए लोकसभा चुनाव के दौरान हैदराबाद के पुराने शहर बहादुरपुरा में एक मतदान केंद्र पर हुई है जबकि, कथित वीडियो 2022 में हुए पश्चिम बंगाल चुनाव की एक पुरानी रिकॉर्डिंग थी। वीडियो वायरल होने के बाद संभावित रूप से भारत की चुनावी प्रणाली में जनता का विश्वास कम हो गया।

शिकायत के आधार पर, आरोपियों के खिलाफ आईटी अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। गौरतलब है कि वीडियो को कई लोगों को इस इरादे से टैग किया गया ताकि हैदराबाद में फिर से चुनाव की आवश्यकता महसूस कराई जाय सके।

तेलंगाना में अगले पांच दिनों में बौछार पड़ने के आसार

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के कई जिलों के अलग-अलग स्थानों पर अगले पांच दिनों में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी आंधी चलने और गरज के साथ बौछारें पड़ने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) ने शुक्रवार को बताया कि राज्य के कई जिलों के अलग-अलग स्थानों पर अगले सात दिनों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। महबूबाबाद, हनुमाकोंडा, हैदराबाद, भद्राद्री कोठागुडेम, जनगांव, जोगुलम्बा गडवाल, महबूबनगर, नगरकुर्नूल, सूर्यापेट और वानापर्थी के अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हुई। राज्य के कुछ स्थानों पर पिछले 24 घंटे के दौरान बारिश हुई । आदिलाबाद में गुरुवार को सबसे अधिक तापमान 39.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

यूनियन बैंक में कंप्यूटर आधारित हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद ,17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अंचलीय ज्ञानार्जन केंद्र हैदराबाद परिसर में छह से आठ मई तक तीन दिवसीय कंप्यूटर आधारित भौतिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भारत सरकार की राजभाषा नीति से लेकर प्रयोजनमूलक हिन्दी पर आधारित गहन सत्र आयोजित किए गए। साथ ही प्रतिभागियों को यूनिकोड टाइपिंग, बैंकिंग शब्दावली, पत्राचार, आंतरिक कामकाज में हिन्दी का प्रयोग, नई तकनीकी टूल्स के माध्यम से हिंदी में कामकाज जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। बैंक के राजभाषा पोर्टल-कोर राजभाषा सोल्यूशन के बारे में प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। हिंदी से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के साथ-साथ वर्तमान बैंक के आगामी लक्ष्य योजना लीड और मेरा बैंक मेरा अभिमान विषयों पर क्रमशः धनेश्वर पवार, मुख्य प्रबंधक एवं विजय दीप शुक्ल, मुख्य प्रबंधक द्वारा सत्र लिया गया। कार्यशाला के दौरान सबसे सक्रिय प्रतिभागी को पुरस्कार भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ यू.उपेंदर, प्रभारी, अंचलीय ज्ञानार्जन केंद्र हैदराबाद ने किया एवं दीपक एन.एस. सहायक महाप्रबंधक, यूएलए ग्रामीण एवं वित्तीय समावेशन द्वारा समापन समारोह में प्रतिभागियों से फीडबैक प्राप्त किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बैंक के वर्तमान वित्तीय-वर्ष के लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषाओँ का प्रत्यक्ष रूप से महत्त्वपूर्ण योगदान रहेगा। प्रतिभागियों द्वारा सकारात्मक फीडबैक पर उन्होंने प्रसन्नता जाहिर की। अंचल कार्यालय हैदराबाद से देवकांत पवार की उपस्थिति आद्यांत बनी रही। संकाय की भूमिका में उपासना सिरसैया, स्नेहा सिंह, स्नेहा साव, साहेबराव कांबले, अंगेश कुमार उपस्थित रहें। श्रुति पांडेय ने संकाय और कार्यक्रम समन्वयक की भूमिका निभाई।

एसबीआई ने प्रारंभ किया साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान

प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हैदराबाद ,17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। एसबीआई हैदराबाद सर्कल ने कोठी ने शुक्रवार को स्थानीय प्रधान कार्यालय भवन से प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान शुरू किया। वाहन को मंजू शर्मा, महाप्रबंधक (एनडब्ल्यू-1), देबाशीष मित्रा महाप्रबंधक (एनडब्ल्यू-2), ए के सारथी (जीएम) ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

अभियान का उद्देश्य बड़ी संख्या में दर्ज किए जा रहे साइबर अपराधों और साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर: 1930, साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल www.cybercrime.gov.in और I-4C (भारतीय-साइबर) के सोशल मीडिया हैंडल के उपयोग के बारे में जनता के बीच जागरूकता पैदा करना है। यह वाहन साइबर सुरक्षा और हेल्पलाइन 1930 के उपयोग के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए शहर में घूमेगा।

इस अवसर पर बोलते हुए, महाप्रबंधक मंजू शर्मा ने वित्तीय साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध एक बढ़ता हुआ ख़तरा है, जो कई व्यक्तियों और संगठनों को प्रभावित कर रहा है। जैसे-जैसे हम अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं के लिए प्रौद्योगिकी पर निर्भर होते जा रहे हैं, साइबर खतरों का दायरा भी बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा जागरूकता व्यक्तियों और संगठनों को डिजिटल दुनिया में संभावित जोखिमों और खतरों के बारे में शिक्षित करती है। साइबर सुरक्षा के महत्व को समझने से डेटा उल्लंघनों, पहचान की चोरी और अन्य साइबर अपराधों को रोकने में मदद मिल सकती है।

यह केवल संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा के बारे में नहीं है, बल्कि हमारे डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के बारे में भी है। साइबर खतरे व्यवसायों को बाधित कर सकते हैं, राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित कर सकते हैं। मंजू शर्मा ने यह भी कहा कि डिजिटल तकनीक का उपयोग करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को साइबर सुरक्षा की बुनियादी बातों को अपडेट करना और समझना चाहिए। अंत में उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा जागरूकता हमारे डिजिटल जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है और हमारा सामूहिक प्रयास सभी के लिए एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण तैयार करेगा।

इस अवसर पर बोलते हुए, महाप्रबंधक ए.के. सारथी ने कहा कि जागरूकता कार्यक्रम व्यक्तियों को साइबर खतरों को पहचानने और उनसे बचने के लिए ज्ञान प्रदान करते हैं।

वे सुरक्षित ऑनलाइन आदतें सिखाते हैं, जैसे मजबूत पासवर्ड बनाना, फ़िशिंग प्रयासों को पहचानना और सॉफ़्टवेयर को अपडेट रखना। ये प्रथाएं साइबर हमलों का शिकार होने के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकती हैं और हमें खुद को और अपने समुदायों को साइबर खतरों से बचाने के लिए सशक्त बनाती हैं, जिससे डिजिटल दुनिया में एक सुरक्षित योगदान मिलता है। इस कार्यक्रम में जितेंद्र कुमार शर्मा (डीजीएम - सीडीओ), मलाथी नांबियार (डीजीएम - सीएम एंड सीएस), सुनील कुमार गोयल (डीजीएम - फाइनेंस एंड ऑपरेशंस) के साथ-साथ बैंक के अन्य डीजीएम, ग्राहक और कर्मचारी उपस्थित थे।

माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब ने किया सुंदरकांड का पाठ

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब की मासिक बैठक एंव सुन्दरकाण्ड पाठ कंचन गुप्ता के घर नारायणगुडा में सम्पन्न हुआ।सुन्दरकाण्ड का पाठ भाजपा की जीत के लिए समर्पित किया गया। सामूहिक रूप से सभी ने भगवान से प्रार्थना की कि भाजपा के सभी उम्मीदवार जीत हासिल करें। खासकर हैदराबाद के उम्मीदवारों को ऐतिहसिक जीत हासिल कर इसबार मोदी सरकार चार सौ को आंकड़ा पार करें। प्रार्थना में बहुत शक्ति होती है इसी के साथ सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्ण पाठ किया। कार्यक्रम में अध्यक्षा अरुणा गुप्ता, सचिव नीलम दौनेरिया, श्वेता, मीनू, प्राची, कविता, करुणा, भारती, नीरु गुप्ता, दिव्या, पूनम गुप्ता, भावना एंव अन्य पारिवारिक और समाजिक गणमान्य उपस्थित रहें। सभी ने श्रद्धापूर्वक पाठ कर ईश्वर से प्रार्थना की।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से साइबराबाद में 60 लाख की धोखाधड़ी रोकी गई

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना पुलिस की त्वरित कार्रवाई से 60 लाख रुपए की धोखाधड़ी रुक गई। पुलिस ने शुक्रवार को यहां एक बयान में कहा कि 15 मई की शाम को साइबराबाद के एक निवासी को एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को महाराष्ट्र पुलिस का अधिकारी बताते हुए उन पर मनी लॉन्ड्रिंग के एक बड़े अपराध में शामिल होने का झूठा आरोप लगाया और दावा किया कि उनके खिलाफ वारंट लंबित है।

पुलिस ने बताया कि जालसाज ने पीड़ित को पूरी रात स्काइप वीडियो कॉल पर रहने के लिए मजबूर किया और लगातार गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देता रहा। इससे भयभीत होकर पीड़िता ने जालसाज के निर्देशों का पालन करते हुए अगली सुबह जालसाज द्वारा दिए गए खाते में 60 लाख रुपए स्थानांतरित कर दिए। इसके बाद उसे ठगे जाने का एहसास होने पर उसने तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क किया।टीएस साइबर सुरक्षा ब्यूरो में साइबर अपराध हेल्पलाइन ने तुरंत सीएफसीएफआरएमएस पोर्टल पर लेनदेन विवरण अपलोड किया, एसबीआई बैंक को सचेत किया जिसमें राशि स्थानांतरित की गई थी और पूरी धनराशि 60 लाख रुपए एक घंटे के अंदर होल्ड करा दिए गए। इस त्वरित कार्रवाई से धन के फर्जी हस्तांतरण को रोका गया।यह घटना समय पर सूचना देने के महत्व और संबंधित बैंकों को सचेत करने तथा धोखाधड़ी वाले लेनदेन को रोकने में 1930 हेल्पलाइन कर्मचारियों की दक्षता को दर्शाती है। पीड़िता की त्वरित प्रतिक्रिया और हेल्पलाइन की तत्काल कार्रवाई से पूरी राशि बच गई। टीएससीएसबी की निदेशक शिखा गोयल ने 1930 कॉल सेंटर के एसआई जी शिरिषा और कांस्टेबल टी रहमान (पीसी 9734) और बी कृष्णा (पीसी 7384) की राशि पर रोक सुनिश्चित करने में उनकी त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए सराहना की और उन्हें पुरस्कृत भी किया।

बीसी संघों ने की स्थानीय निकाय चुनावों से पहले आरक्षण बढ़ाने की मांग

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में 13 पिछड़ा वर्ग (बीसी) संघ और 30 जाति संघों ने सरपंच, मंडल परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र (एमपीटीसी) और जिला परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र (जेडपीटीसी) के चुनावों में बीसी आरक्षण को 20 से बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने की मांग की है।

इस संबंध में शुक्रवार को लाल कृष्णा, गुज्जा कृष्णा और नीला वेंकटेश की अध्यक्षता में हुई बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया। नेशनल बीसी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य आर कृष्णैया भी इस बैठक भाग लिया। राज्य सरकार ने घोषणा की है कि जून के अंत तक स्थानीय निकाय चुनाव होंगे। बीसी यूनियनों का हालांकि तर्क है कि ये चुनाव जाति जनगणना पूरी करने और उसके निष्कर्षों के आधार पर आरक्षण बढ़ाने के बाद ही होने चाहिए। गौरतलब है कि प्रदेश में अभी जनगणना प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है और इसको पूरा होने में दो महीने लगने की उम्मीद है।श्री कृष्णैया ने आरक्षण वृद्धि के वादे को संबोधित किए बिना चुनाव कराने की तात्कालिकता पर सवाल उठाया। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जाति जनगणना कराने और जनसंख्या के आधार पर शिक्षा, रोजगार और राजनीति में आरक्षण बढ़ाने के लिए बजट आवंटित करने के महत्व पर जोर दिया है। बीसी यूनियनों ने मिसाल के तौर पर पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश का हवाला दिया, जहां बीसी को स्थानीय निकाय चुनावों में 45 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिलता है।बीसी वेलफेयर एसोसिएशन ने बढ़े हुए आरक्षण के लिए अभियान चलाया है। वर्ष 1986 में, तत्कालीन मुख्यमंत्री एनटीआर रामा राव के शासनकाल में बीसी को जेडपीटीसी और एमपीटीसी चुनावों में 20 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था, लेकिन सरपंच पदों के लिए आरक्षण नहीं दिया गया था। वर्ष1993 में तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय भास्कर रेड्डी द्वारा आरक्षण को बढ़ाकर 34 प्रतिशत कर दिया गया था। वर्ष 2019 में उच्चतम न्यायालय के एक फैसले ने स्थानीय निकायों में बीसी आरक्षण को घटाकर 22 प्रतिशत कर दिया, जिसे बीसी यूनियनें अन्यायपूर्ण मानती हैं।बीसी यूनियनें लगातार इन मांगों के लिए दबाव डाल रही हैं कि स्थानीय निकाय चुनावों में बीसी आरक्षण को 20 से बढ़ाकर 42 प्रतिशत किया जाए, जैसा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में वादा किया गया था। जाति जनगणना के आंकड़ों के आधार पर पंचायती राज आरक्षण 22 से बढ़ाकर 42 प्रतिशत किया जाए। जाति जनगणना कराई जाए और शिक्षा एवं नौकरियों में आरक्षण 29 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया जाए। शैक्षिक और रोजगार आरक्षण पर क्रीमी लेयर हटाया जाए। प्रत्येक जाति के लिए एक निगम स्थापित किया जाए और मौजूदा संघों को निगमों में परिवर्तित किया जाए जिससे कुल संख्या 40 हो जाए।

तेलंगाना में सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत, तीन घायल

हैदराबाद ,17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में शुक्रवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

पहली घटना में शुक्रवार तड़के माधापुर पुलिस थाने की सीमा पर एक कार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। हादसा उस वक्त हुआ जब एक व्यक्ति अपनी

दुकान पर दूध के पैकेट बेच रहा था। उसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया और कार चालक को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस को संदेह है कि कार चालक नशे में था।दूसरी घटना में नलगोंडा जिले के नेलिमेडु, चीतल मंडल में एक अज्ञात वाहन द्वारा एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक हादसा उस वक्त हुआ जब तीनों चीतल से हैदराबाद जा रहे थे। घायलों को इलाज के लिए नलगोंडा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने कहा कि मामले दर्ज कर लिए गए हैं और जांच जारी है।

कल्याण एवं विकास कार्यों के प्रबंधन में जिम्मेदारी से कार्य करें अधिकारी : शांति कुमारी

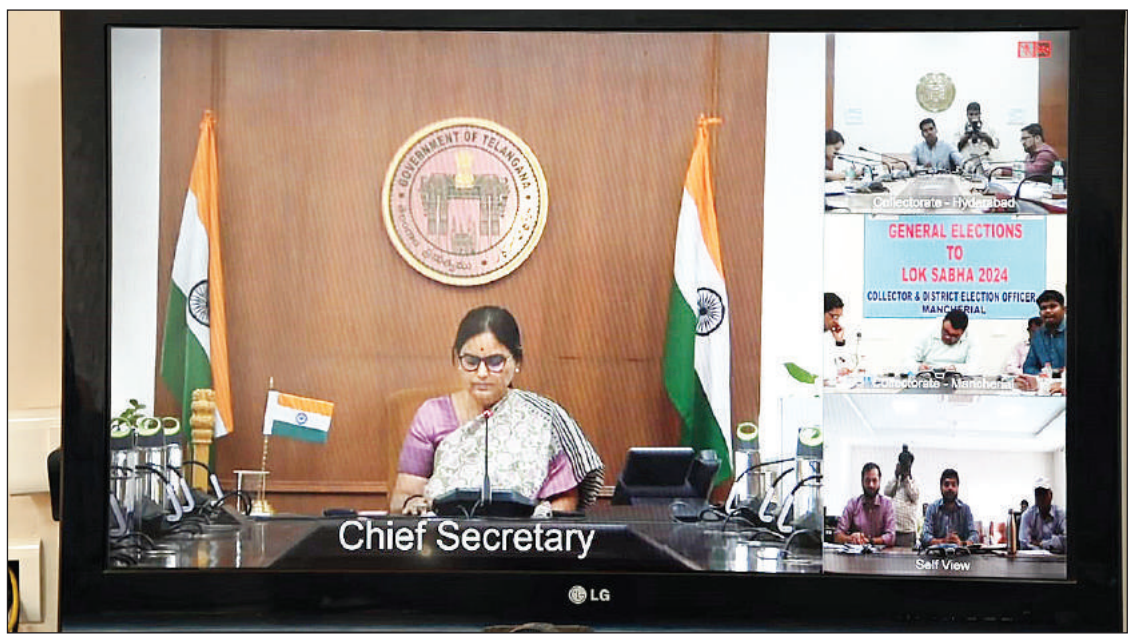

हैदराबाद/आसिफाबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि प्रदेश में सरकार द्वारा चलाये जा रहे कल्याण एवं विकास कार्यों के प्रबंधन में अधिकारी जिम्मेदारी से काम करें। शुक्रवार को हैदराबाद के अन्य आयुक्तों और अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिला कलेक्टरों, अतिरिक्त कलेक्टरों, शिक्षा और नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों, अम्मा आदर्श विद्यालय समिति के तहत कार्यों का प्रबंधन, धरणी में लंबित आवेदनों का समाधान, प्राप्त आवेदनों का समाधान, धान क्रय केन्द्रों, चावल मिलों के प्रबंधन एवं अन्य मुद्दों पर समीक्षा की गई। इस मौके पर राज्य सरकार की मुख्य सचिव ने कहा कि अधिकारियों को समन्वित कदम उठाने चाहिए ताकि राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी विकास योजनाओं का लाभ हर पात्र लाभार्थी को मिल सके। उन्होंने आदेश दिया कि अम्मा आदर्श विद्यालय समिति के तत्वावधान में सरकारी स्कूलों के विकास कार्यों में तेजी लाई जाए और संबंधित अधिकारियों को धरणी और प्रजावाणी कार्यक्रमों में प्राप्त आवेदनों को हल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। किसानों के कल्याण के लिए सरकार राज्य भर में क्रय केंद्र स्थापित कर किसानों से धान खरीदेगी और उन्हें एक निश्चित समर्थन मूल्य प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि खरीदे गए अनाज को क्षमता के अनुसार टैग की गई चावल मिलों तक पहुंचाने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे, जिला अतिरिक्त कलेक्टर दीपक तिवारी और दसारी वेणु के साथ जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर में वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल से उपस्थित थे। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित अम्मा आदर्श विद्यालय समिति के तत्वावधान में जिले के 685 सरकारी विद्यालयों में कार्य किया गया है तथा प्रत्येक विद्यालय में इस दिशा में कदम उठाये जा रहे हैं। विद्युतीकरण, पेयजल, मूत्रालय, कक्षाओं में मरम्मत, छात्राओं के लिए अलग मूत्रालय की स्थापना आदि कार्यों की निगरानी कर गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष के प्रारंभ में छात्राओं को वर्दी पोशाक वितरित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिले में 37 धान क्रय केन्द्र स्थापित किये गये हैं तथा किसानों से अनाज क्रय किया जा रहा है, किसानों का विवरण टैब में दर्ज किया जा रहा है तथा संबंधित किसानों के खाते में नकद राशि जमा करने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिले में क्रय केन्द्रों के माध्यम से एकत्र किये गये अनाज को पैकिंग चावल मिलों तक पहुंचाने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रजावाणी और धरणी कार्यक्रमों में विभिन्न मुद्दों पर प्राप्त आवेदनों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों के समन्वय से विशेष उपाय किये जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में कागजनगर राजस्व मंडल अधिकारी कसाबोयना सुरेश, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक, जिला नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारी, सहकारिता विभाग के अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

नर्सरी में पौधों के संवर्धन पर विशेष ध्यान देना चाहिए : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुमरम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि पृथ्वी पर हरियाली को संरक्षित करने में सभी को अपनी भूमिका निभानी चाहिए। शुक्रवार को कलेक्टर ने आसिफाबाद मंडल में अदा ग्राम पंचायत द्वारा संचालित नर्सरी का औचक निरीक्षण किया।

गर्मी को देखते हुए नर्सरी में पौधे सूखने न पाएं इसका ध्यान रखना चाहिए। प्रतिदिन सुबह और शाम पौधों को पानी देना चाहिए और उचित सुरक्षात्मक उपाय करने चाहिए। पंचायत सचिव व नर्सरी प्रबंधकों से नर्सरी में लगे फलदार पौधों की विस्तृत जानकारी ली गई। इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अधिकारी भिक्षापति गौड़, संभागीय पंचायत अधिकारी उमर कहुसैन, पंचायत सचिव, कर्मचारी एवं अन्य लोग शामिल हुए।

जिला प्रजा परिषद की पूर्ण बैठक आज

आसिफाबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुमरम भीम आसिफाबाद जिला प्रजा परिषद की पूर्ण बैठक शनिवार 18 मई को आयोजित की गई है। जिला प्रजा परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ई. अनिल कुमार ने एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आम बैठक पूर्वान्ह 11 बजे आसिफाबाद स्थित एकीकृत जिला कार्यालय भवन परिसर के सभाकक्ष में होगी। इस बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी अपनी रिपोर्ट के साथ उपस्थित हों।

झारखंड हाईकोर्ट ने राहुल गांधी पर 1000 रुपए का जुर्माना लगाया

रांची, 17 मई (एजेंसियां)।

झारखंड हाई कोर्ट में मानहानि मामले में चाईबासा स्थित एमपी/एमएलए की विशेष अदालत द्वारा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को समन जारी करने के आदेश को निरस्त करने को लेकर दायर याचिका की शुक्रवार को सुनवाई हुई। मामले में हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की ओर से समय मांगे जाने पर उन पर 1000 रुपए का जुर्माना लगाया है। इससे पहले सुनवाई के दौरान प्रार्थी राहुल गांधी की ओर से दो सप्ताह के

समय की मांग की गई थी।

उल्लेखनीय है कि यह मामला वर्ष 2018 का है। राहुल गांधी ने वर्ष 2018 में कांग्रेस के एक अधिवेशन में कहा था कि भाजपा में कोई भी हत्यारा अध्यक्ष बन सकता है, लेकिन कांग्रेस में ऐसा नहीं है। जिसे लेकर भाजपा के नेता प्रताप कटियार ने चाईबासा कोर्ट में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में शिकायतवाद दायर किया गया था।

बाद में मामले को चाईबासा में एमपी/एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया था। मामले में अप्रैल 2022 में चाईबासा एमपी/एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था।जिस पर उनके द्वारा कोई संज्ञान नहीं लिया गया। इसके बाद 27 फरवरी 2024 को कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। राहुल गांधी के वकील ने कोर्ट में आवेदन देकर सशरीर उपस्थित होने से छूट मांगी थी, लेकिन अदालत ने उनके आवेदन को खारिज करते हुए सशरीर उपस्थित होने का आदेश जारी किया था।

सोलहवीं राजस्थान विधानसभा की पन्द्रह समितियों का गठन

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को राज्य की सोलहवीं विधानसभा की 15 समितियों का गठन किया। श्री देवनानी ने विधानसभा की नियम समिति, सदाचार समिति, स्थानीय निकायों एवं पंचायतीराज संस्थाओं संबंधी समिति, विशेषाधिकार समिति, अधीनस्थ विधान संबंधी समिति, याचिका समिति, सरकारी आश्वासनों संबंधी समिति, प्रश्न एवं संदर्भ समिति, पर्यावरण संबंधी समिति, पुस्तकालय समिति, महिलाओं एवं बालकों के कल्याण संबंधी समिति, पिछडे वर्ग के कल्याण संबंधी समिति, अनुसूचित जाति कल्याण समिति, अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति और अल्पसंख्यकों के कल्याण संबंधी समिति में सभापति और सदस्यों को नियुक्त किया है।

उल्लेखनीय है कि श्री देवनानी ने चार समितियों जनलेखा समिति, प्राक्कलन समिति क, प्राक्कलन समिति ख और राजकीय उपक्रम समिति का गत 17 अप्रैल को गठन कर दिया था। उन्होंने राजस्थान विधानसभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के तहत सदाचार समिति में विधायक हरीश चौधरी, स्थानीय निकायों और पंचायतीराज संस्थाओं संबंधी समिति में हरि सिंह रावत, विशेषाधिकार समिति में पुष्पेन्द्र सिंह, अधिनस्थ विधान संबंधी समिति में अनिता भदेल, याचिका समिति में हमीर सिंह भायल, सरकारी आश्वासनों संबंधी समिति में जितेन्द्र कुमार गोठवाल, प्रश्न एवं संदर्भ समिति में संदीप शर्मा, पर्यावरण संबंधी समिति में डॉ. दयाराम परमार, पुस्तकालय समिति में सुरेन्द्र सिंह राठौड, महिलाओं एवं बालकों के कल्याण संबंधी समिति में शौभा चौहान, पिछडे वर्ग के कल्याण संबंधी समिति में केसाराम चौधरी, अनुसूचित जाति कल्याण समिति में डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति में फूल सिंह मीणा और अल्पसंख्यकों के कल्याण संबंधी समिति में पब्बाराम विश्नोई को सभापति मनोनीत किया है। नियम समिति में विधानसभा अध्यक्ष ही पदेन सभापति होते है।श्री देवनानी ने नियम समिति में विधायक वसुन्धरा राजे, अशोक गहलोत, सिद्धि कुमारी, हनुमान बेनीवाल, मुरारी लाल मीना, सचिन पायलट, प्रताप लाल भील और दीप्ति किरण माहेश्वरी को सदस्य मनोनीत किया है। उन्होंने सदाचार समिति में कल्पना देवी, सुरेश मोदी, हंसराज पटेल, बालमुकुन्दाचार्य, जयदीप बिहाणी, उमेश मीणा, भगवाना राम सैनी और अभिमन्यु को सदस्य मनोनीत किया है।उन्होंने स्थानीय निकायों और पंचायतीराज संस्थाओं संबंधी समिति में जुबेर खान, कालूराम, कंवरलाल, रामस्वरूप लाम्बा, वीरेन्द्र सिंह (दांता रामगढ) लादु लाल पितलिया, कुलदीप, चेतन पटेल कोलाना, विद्याधर सिंह और विनोद कुमार को सदस्य मनोनीत किया है। उन्होंने विशेषाधिकार समिति में सिद्धि कुमारी, प्रताप लाल भील, मनोज कुमार (सादुलपुर), रमीला खडीया, पुष्कर लाल डॉगी, अशोक, लालाराम बैरवा, शंकर लाल डेचा और मांगेलाल मीना को सदस्य मनोनीत किया है।

आवासीय योजनाओं के प्रति लोगों में खासा उत्साह : सिंह

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में आवासन आयुक्त इन्द्रजीत सिंह ने कहा है कि राज्य में आवासीय योजनाओं के प्रति लोगों ने खासा उत्साह दिखाया है।श्री सिंह ने शुक्रवार को आवासन मंडल मुख्यालय आवास भवन पर आयोजित बैठक में राज्य में चल रही विभिन्न आवासीय योजनाओं के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि शहर में अपार्टमेंट और विला के प्रति भी लोगों में काफी आकर्षण देखने को मिला। बैठक में उन्होंने योजनाओं के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर कम से कम समय में पूरा करने के आदेश दिये।श्री सिंह ने लॉटरी से वंचित रहे उपभोक्ताओं की राशि तुरंत लौटाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि बुधवार को नीलामी उत्सव में असफल आवेदकों की अमानत राशि महज 72 घण्टे में स्वतः ही लौटा दी जाती है। उन्होंने इस प्रक्रिया को इन योजनाओं के साथ भी अमल में लाने के निर्देश दिए।उन्होंने संवेदकों को चेताते हुए कहा कि यदि कोई भी संवेदक कार्य को समयावधि और तय मानकों पर पूर्ण करने में सक्षम नहीं है तो अभी छोड़ दे, मंडल द्वारा कोई और व्यवस्था कर ली जाएगी। उन्होंने किसी भी स्तर पर कोताही नहीं बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न आवास योजना में तैयार हो रहे आवासों को प्राथमिकता पर रखते हुए गुणवत्ता युक्त कार्य किए जाएं।

त्रिपुरा की लापता किशोरी को जयपुर से बचाया, एक गिरफ्तार

अगरतला, 17 मई (एजेंसियां)।

त्रिपुरा में खोवाई जिले की नौ माह से लापता एक किशोरी को पुलिस ने राजस्थान के जयपुर से बचाया और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि खोवाई थाना के तहत पश्चिम सिंगिचेरा इलाके की एक किशोरी (16) का नौ माह पहले अपहरण कर लिया गया था। उसके परिवार वालों ने गत पांच मई को थाने में पुत्री के अपहरण की शिकायत दर्ज करायी। जांच के दौरान, पुलिस ने शिकायत के एक सप्ताह के भीतर ही 11 मई को किशोरी का जयपुर में पता लगाया तथा कानूनी औपचारिकताओं के बाद किशोरी को उसके परिवार को सौंप दिया गया।

पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के खीरी मिलक गांव के निवासी अशोक कुमार चौधरी (30) को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ किशोरी का अपहरण करने और उसकी लज्जा भंग करने के आरोप में मामला दर्ज किया । आरोपी को जिला एवं सत्र न्यायालय, खोवाई के समक्ष पेश किया गया जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

राजस्थान में फायरिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

बारां, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में बारां के सदर थाना क्षेत्र में ग्राम बडां में सिद्धिविनायक ढाबे पर हुई फायरिंग की घटना के दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जिला पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने बताया कि गुरूवार को ग्राम बडां में सिद्धिविनायक ढाबे पर हुई फायरिंग की घटना के दोनो आरोपियों सुरेन्द्र मेघवाल उर्फ सूर्या मेघवाल 25 निवासी बजरंगगढ थाना नाहरगढ एवं सुरेन्द्र मीणा 29 निवासी बडां थाना सदर बारां को गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि 16 मई को जमीन बंटवारे की रंजिशवश उक्त दोनो आरोपियों ने प्लानिंग कर सिद्धिविनायक ढाबे के मालिक अनिल मेहता को जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया, जिससे अनिल मेहता के पेट में गोली लगी व गंभीर घायल हो गया जिसको बारां जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां से कोटा सुधा हॉस्पिटल रैफर कर दिया। जहां पर घायल का इलाज जारी है।

भारत प्लास्टिक का तीसरा सबसे बड़ा उपयोगकर्ता : शिशिर सिन्हा

प्लास्टिक के सतत पुन: उपयोग, पुनर्चक्रण और पुनर्प्राप्ति के पीछे 3ई की अहम भूमिका

सीएसआईआर-आईआईसीटी में मनाया गया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सीएसआईआर-आईआईसीटी भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान में शुक्रवार को वार्षिक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह आयोजित किया गया। भारत की वैज्ञानिक प्रगति के उपलक्ष्य में 11 मई को पूरे भारत में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है। आज ही के दिन भारत ने पोखरण में परमाणु बम का सफल परीक्षण किया था। वर्षों से सीएसआईआर-आईआईसीटी में प्रख्यात वैज्ञानिकों के व्याख्यान आयोजित करने की परंपरा रही है। इस वर्ष के मुख्य वक्ता भारत सरकार के रसायन और उर्वरक मंत्रालय के तहत सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी) के महानिदेशक प्रोफेसर शिशिर सिन्हा रहे।प्रो. सिन्हा ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन और सीआईपीईटी का अवलोकन शीर्षक से एक व्याख्यान दिया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने उल्लेख किया कि भारत प्लास्टिक

का तीसरा सबसे बड़ा उपयोगकर्ता है और प्रति व्यक्ति उपयोग लगभग 11 किलोग्राम है जबकि वैश्विक औसत 28 किलोग्राम है। दैनिक जीवन में अपरिहार्य वस्तु होने के कारण प्लास्टिक को निकट भविष्य में समाप्त नहीं किया जा सकता है। नतीजतन, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसके पीछे के विज्ञान को समझना और प्लास्टिक कचरे के संग्रह, पृथक्करण और रीसाइक्लिंग का विकल्प चुनना महत्वपूर्ण है। उन्होंने दोहराया कि प्लास्टिक के सतत पुन: उपयोग, पुनर्चक्रण और पुनर्प्राप्ति के पीछे 3ई पर्यावरण, ऊर्जा और अर्थशास्त्र हैं। प्रोफेसर सिन्हा ने कहा कि वर्तमान प्रौद्योगिकियां लगभग 60% रिकवरी की अनुमति देती हैं और देश में इस तरह की रिकवरी बहुत प्रगति पर है। उन्होंने पुनः पुष्टि की कि प्रौद्योगिकियों को 3ई (पर्यावरण, ऊर्जा और अर्थशास्त्र) टिकाऊ बनाने के लिए सुधार करने से प्लास्टिक कचरे की 100% वसूली हो सकेगी। इस संदर्भ में प्रो. सिन्हा ने सीआईपीईटी के कार्यों और इसकी कई पहलों के साथ-साथ वाराणसी, अहमदाबाद, बेंगलुरु और भागलपुर में 4 अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र स्थापित करने की योजना का विस्तृत विवरण दिया।

उन्होंने सीआई पीईटी के कौशल विकास कार्यक्रमों की समीक्षा की और 2025 तक अपशिष्ट पृथक्करण में लगभग 20,000 लोगों के कौशल विकास की दिशा में काम करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि इसके अनुसंधान एवं विकास केंद्र ई-कचरा और बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन प्रौद्योगिकियों की दिशा में भी काम कर रहे हैं। इससे पहले, सीएसआई आर-आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने मुख्य अतिथि और सीआईपीईटी और आईआईसीटी के कई कर्मचारियों और छात्रों का स्वागत किया। उन्होंने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएस आईआर) और आईआईसीटी के योगदान और इसकी विविध अनुसंधान क्षमताओं के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अपनी अनूठी क्षमताओं के साथ सीएसआईआर-आईआईसीटी शिक्षा, उद्योग और समाज के बीच एक सेतु मंच की भूमिका निभाना चाहेगा। दोपहर बाद, प्रो. सिन्हा और डॉ. डी. श्रीनिवास रेड ने सीएसआईआर-आईआईसीटी और सीआईपीईटी की वैज्ञानिक टीमों के साथ विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं के साथ-साथ निकट भविष्य में संभावित सहयोग पर चर्चा की।

नवीन पटनायक के शासन में ओड़ीशा हुआ 50 साल पीछे : भजनलाल

जगन्नाथपुर जंक्शन, 17 मई (एजेंसियां)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने ओड़ीशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक पर उनके 25 साल के शासन में ओड़ीशा को 50 साल पीछे धकेल देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने पर डबल इंजन की सरकार से चहुंमुखी विकास होगा।

श्री शर्मा शुक्रवार को ओड़ीशा के जगन्नाथपुर जंक्शन में लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ओड़ीशा के पास संसाधनों की बहुतायत होने के बावजूद यहां बड़ी तादाद में आबादी गरीबी में जीवन बिता रही है। उन्होंने कहा कि यहां के मुख्यमंत्री श्री पटनायक ने अपने 25 साल के शासन में ओड़ीशा को 50 साल पीछे धकेल दिया है। ओड़ीशा में आज भी 6 हजार 412 ऐसे गांव हैं जहां सड़क नहीं है। उन्होंने कहा कि यहां के युवाओं को रोजी-रोटी के लिए सूरत और देश के अन्य शहरों में पलायन करना पड़ रहा है। बीजेडी के शासनकाल में शांतिप्रिय उड़िया भूमि अपराध का गढ़ बन चुकी है और महिला अपराध के मामले में तो ओड़ीशा देश का नंबर एक राज्य बन गया है।

उन्होंने कहा कि ओड़ीशा के इन हालातों के लिए बीजेडी और कांग्रेस जिम्मेदार हैं। ओड़ीशा में पहले करीब 50 साल कांग्रेस और फिर 25 साल से बीजेडी की सरकार है। दोनों ने ओड़ीशा को लूटने के अलावा कोई काम नहीं किया। श्री शर्मा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए, जनता की सेवा ही परम ध्येय है। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 10 वर्षों में चार करोड़ गरीबों को सिर ढंकने के लिए छत मुहैया कराई है और 10 करोड़ गरीबों को उज्ज्वला कनेक्शन तथा 14 करोड़ घरों में नल से पानी पहुंचाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री मोदी ने इन वर्षों में आदिवासी कल्याण के बजट में पांच गुना बढ़ोतरी की है तथा पीएम जनमन योजना के तहत आदिवासी कल्याण के लिए 24 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री मोदी स्पष्ट कर चुके हैं कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति का आरक्षण किसी भी कीमत पर खत्म नहीं होगा। श्री शर्मा ने कहा कि देश के 50 करोड़ गरीबों को आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख तक का निःशुल्क इलाज मिल रहा है। मगर ओड़ीशा सरकार की हठधर्मिता के कारण ओड़ीशा की जनता को आयुष्मान योजना तथा वन नेशन वन राशन कार्ड योजना का लाभ नहीं मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि बीजेडी सरकार जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार को लेकर भी पारदर्शिता नहीं बरत रही है। मंदिर के गर्भ गृह के आंतरिक कक्ष की चाबियां पिछले छह साल से लापता है। इस मामले की जांच राज्य सरकार ने एक आयोग को सौंपी थी लेकिन वह रिपोर्ट आज तक ओड़ीशा सरकार ने सार्वजनिक नहीं की है। उन्होंने कहा कि ओड़ीशा के किसानों की आय देश में सबसे कम है क्योंकि उनका चावल कम दाम में बिकता है। भाजपा सरकार आने पर किसानों से 3100 रुपए क्विंटल की दर से चावल खरीदा जाएगा। उन्होंने कहा कि ओड़ीशा के लोगों के पास भी राजस्थान की तरह भाजपा की डबल इंजन सरकार बनाने का मौका है। उन्होंने लोगों से अस्का लोक सभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अनिता शुभदर्शिनी पटनायक और सनाखेमुंडी विधानसभा से प्रत्याशी उत्तम कुमार पाणिग्रही को भारी बहुमत से जिताने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा प्रत्याशियों को दिया गया एक-एक वोट मोदीजी के खाते में जाएगा और उन्हें अपने तीसरे कार्यकाल के लिए मजबूती प्रदान करेगा।

सोरेन को नहीं मिली अंतरिम जमानत, सुप्रीम कोर्ट की अवकाशकालीन पीठ 21 को करेगी सुनवाई

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि झारखंड में कथित भूमि घोटाले से संबंधित धन शोधन के एक मामले में तीन माह से अधिक समय से न्यायिक हिरासत में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर शीर्ष अदालत की अवकाशकालीन पीठ 21 मई को सुनवाई करेगी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दिपांकर दत्ता की पीठ ने पूर्व मुख्यमंत्री की याचिका पर संबंधित पक्षों की संक्षिप्त दलीलें सुनने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को अगली सुनवाई से पहले सोमवार तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने इससे पहले पीठ के समक्ष जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय देने की गुहार लगाई थी। न्यायमूर्ति खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ श्री सोरेन का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के शीघ्र सुनवाई करने के विभिन्न दलीलों के जरिए, बार-बार अनुरोध करने पर 13 मई को ईडी को नोटिस जारी किया था और 17 मई को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। पीठ पिछली तारीख को ही इस मामले को गर्मी की छुट्टियों के दौरान या जुलाई में विचार के लिए तय करना चाहती थी, लेकिन श्री सिब्बल के अनुरोध पर 17 मई की तारीख तय की थी। उन्होंने तब तारीखों की सूची का भी हवाला दिया था, क्योंकि शीर्ष अदालत ने श्री सोरेन को अपनी गिरफ्तारी और मामले में हुई देरी के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए कहा था, जिससे चल रहे आम चुनावों के दौरान श्री सोरेन के अधिकार कथित तौर पर प्रभावित हुए थे।

श्री सिब्बल ने अपनी दलील के समर्थन में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शुक्रवार को दी गई अंतरिम जमानत और याचिका की अग्रिम प्रति प्रवर्तन निदेशालय के अधिवक्ता को छह मई को देने का हवाला दिया था। पीठ के 20 मई को सुनवाई करने के संकेत पर श्री सिब्बल ने कहा कि यह बहुत बड़ा अन्याय होगा अगर 17 मई को मामले की सुनवाई नहीं हो सकी तो बेहतर होगा कि अदालत इसे खारिज कर दे, क्योंकि तब तक राज्य में लोकसभा चुनाव खत्म हो जाएंगे। उन्होंने कहा था कि सोरेन का मामला अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत के आदेश के दायरे में आता है, जिसमें उन्हें चुनाव के दौरान प्रचार के लिए अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया था।झारखंड उच्च न्यायालय ने श्री सोरेन की अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका तीन मई को खारिज कर दी थी। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने 31 जनवरी 2024 को श्री सोरेन को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के मद्देनजर उसी दिन उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने तब राहत की गुहार लगाते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली थी। उनकी याचिका दो फरवरी को खारिज कर दी गई थी।

आओ श्रवण कुमार बनें और माता पिता की सेवा करें

उज्जैन, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

संगीतमय श्री श्रवण कुमार कथा का भव्य आयोजन श्री खाटू श्याम मंदिर हरियाखेड़ी की पहाड़ी पर श्री श्याम गौशाला के सामने किया जा रहा है। कथा शनिवार 18 मई से प्रारंभ होगी और 20 मई सोमवार को कथा का समापन होगा। कथा का रसपान पंडित दिनेश शास्त्री उज्जैन वाले अपनी सुमधुर वाणी में कराएंगे। कथा का दोपहर तीन बजे से शाम सात बजे तक चलेगी। श्री श्रवण कुमार जी अयोध्यापति महाराज दशरथ की बहन ग्यानवंती के सुपुत्र ओर हम सबके आराधक प्रभु श्रीराम की भूवासा के सुपुत्र थे। श्री श्रवण कुमार ने सनातन धर्म को प्रेरणा दी है की माता-पिता परमात्मा से भी श्रेष्ठ हैं, महान हैं। वर्तमान समय में हम श्रवण कुमार के सिद्धांतों को भूल गए हैं, जिसका परिणाम हमारे धर्म में वृद्धआश्रमों एवं अनाथश्रमों का प्रवेश हो गया है। जिसका संबंध हमारे धर्म से है ही नहीं। कथा में प्रतिदिन माता-पिता का पूजन कराया जायगा। आप अपने माता-पिता को लेकर कथा में पधारें और श्रवण कुमार बनकर अपने माता-पिता का पूजन कर शुभ आशीर्वाद प्राप्त करें। आप अपने माता-पिता का सम्मान करेंगे तो, आपकी संतान भी आपका सम्मान करेगी। श्री श्रवण कुमार जी सनातन के आधार स्तंभ है, आपसे रक्षाबंधन प्रारंभ हुआ, कावड़ यात्रा प्रारंभ हुई, तीर्थ यात्रा प्रारंभ हुई। समस्त धर्म प्राण माता, बहनो, भाइयों एवं वृद्धजनों से विनम्र निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

ओड़ीशा में इस बार डबल इंजन की सरकार बनेगी : शाह

राउरकेला, 17 मई (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि नरेंद्र मोदी इस बार लोकसभा चुनाव में 400 का आंकड़ा जरूर पार करेंगे। श्री शाह ने ओड़ीशा की राउरकेला स्टील सिटी में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव के पहले चार चरणों ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया है कि श्री मोदी पहले 270 का आंकड़ा पार कर चुके हैं और जब देश में चुनाव खत्म होंगे तो आसानी से 400 का आंकड़ा पार कर जाएंगे।उन्होंने यह भविष्यवाणी भी की कि ओड़ीशा में भारतीय जनता पार्टी 15 से अधिक लोकसभा सीटें और 75 विधानसभा सीटें जीतेगी, जिससे वह राज्य में नवीन पटनायक सरकार को हटाकर पार्टी की सरकार बनाने में सक्षम होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ओड़ीशा में इस बार डबल इंजन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक राज्य में कोई प्रगति करने में विफल रहे हैं और उसे नौकरशाह चला रहे हैं। ओडिशा में अधिकारी सरकार चला रहे हैं और लोगों से पूछा कि वे क्या चाहते हैं, राज्य की सरकार कोई उड़िया चलाए या कोई तमिल।

मोदी जरूर पार करेंगे 400 का आंकड़ा

उन्होंने यह भी सवाल किया कि श्रीजगन्नाथ मंदिर के चारों द्वार भक्तों के लिए क्यों नहीं खोले गए हैं और श्रीजगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार मुद्दे पर जांच आयोग की रिपोर्ट को सरकार ने क्यों दबा दिया है। उन्होंने वादा किया कि जिस दिन राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी, श्रीजगन्नाथ मंदिर के चारों द्वार भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे और रत्न भंडार पर जांच आयोग की रिपोर्ट एक महीने के भीतर सार्वजनिक कर दी जाएगी। उन्होंने दावा किया कि ओड़ीशा में किसानों की आय देश में सबसे कम है। श्री शाह ने राज्य में आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं करने के लिए पटनायक सरकार की आलोचना करते हुए वादा किया कि अगर भाजपा सत्ता में आयी तो राज्य में आयुष्मान भारत योजना लागू करेगी।

तिरुमाला में तीन दिवसीय पद्मावती परिणयोत्सव शुरू

तिरुमाला, 17 मई (एजेंसियां)।

तीन दिवसीय पद्मावती श्रीनिवास परिणयोत्सव वैशाख नवमी के शुभ अवसर पर शुक्रवार शाम यहां परिणयोत्सव मंडपम में शुरू हुआ। इस वार्षिक उत्सव के शुभारंभ के मौके पर गज वाहनम पर मलयप्पा स्वामी के जुलूस के साथ-साथ अलग-अलग तिरुचिस पर श्रीदेवी और भूदेवी के देवताओं को मंडपम में लाया गया और पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच अनुष्ठान शुरू हुआ।

हिंदू विवाह परंपरा के अनुसार दुल्हन और दूल्हे के बीच एडुरकोलु, पूबंटाटा और वरणमायिरम जैसे दिलचस्प एपिसोड का आदान-प्रदान किया गया। गोविंदा...गोविंदा के जयकारे लगाते हुए हर्षोल्लास भरे घटनाक्रम को देखकर श्रद्धालु रोमांचित हो उठे।

चतुर्वेद पारायणम, अन्नमाचार्य संकीर्तन, नादस्वरम, मेलम आदि की प्रस्तुतियां भक्तों को भक्ति-गण-ज्ञान रस में सराबोर कर दीं। परिणयोत्सव मंडपम को इस अवसर से मेल खाते सजावटों से सजाया गया है।

उंजल मंडपम को हजारों फूलों की मालाओं से सजाया गया है। वहीं कला में श्री कृष्ण की तस्वीरें, श्री कृष्ण स्वामी के सूर्य बंधन विषय और श्रीनिवास पद्मावती परिणयम की कोरा कला पेंटिंग विशेष आकर्षण हैं। पूरा मंदिर रोशनी में नहाया हुआ है।

इस मौके पर तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के कार्यकारी अधिकारी एवी धर्म रेड्डी, मंदिर के उप कार्यकारी अधिकारी लोकनाथम, उद्यान के उप निदेशक श्रीनिवासुलु, स्वेता के निदेशक सुब्रमण्यम रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

मिजोरम में जमीन घोटाले में 23 दोषी करार

आइजोल, 17 मई (एजेंसियां)।

आइजोल विशेष अदालत (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) ने शुक्रवार को जमीन घोटाले मामले में दक्षिण मिजोरम के लांगतलाई जिले के 23 लोगों को दोषी ठहराया।

आरोपियों ने 35 फर्जी भूमि निपटान प्रमाण पत्र (एलएससी) जमा करके मुआवजा प्राप्त करने, अधिकारियों को धोखा देने और आधिकारिक पदों का दुरुपयोग किया है।

विशेष न्यायाधीश एचटीसी लालरिंचना ने 23 लोगों को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) सहित विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराया। दोषी ठहराए गए लोगों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जहां से उन्हें सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच में पाया कि दोषियों में से एक लॉन्टलाई जिले के तत्कालीन उपायुक्त जाहमिंगा की पत्नी थानमावी भी शामिल हैं। उन्होंने थनमावी के कब्जे से 9,25,500 रुपये बरामद किये। बाद में, बरामद राशि को अदालत ने सरकारी खजाने में जमा करने के आदेश दिया।

एक गुंडे को बचाने के लिए मेरे चरित्र पर सवाल उठाए गए: मालीवाल

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सहायक बिभव कुमार पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि एक गुंडे को बचाने के लिए पूरी पार्टी ने उनके चरित्र पर सवाल उठाए गए।

आप की ओर से आरोपों को निराधार बताने पर सुश्री मालीवाल ने शुक्रवार को पार्टी पर प्रहार करते हुए कहा, पार्टी में कल के आए नेताओं ने 20 साल पुरानी कार्यकर्ता को भाजपा का एजेंट बता दिया। दो दिन पहले पार्टी ने संवाददाता सम्मेलन में सब सच क़बूल लिया था और आज पलट गई। उन्होंने कहा, ये गुंडा पार्टी को धमका रहा है, मैं गिरफ़्तार हुआ तो सारे राज़ खोलूंगा। इसलिए ही लखनऊ से लेकर हर जगह शरण में घूम रहा है। आज उसके दबाव में पार्टी ने हार मान ली और एक गुंडे को बचाने के लिए पूरी पार्टी की ओर से मेरे चरित्र पर सवाल उठाए गए। कोई बात नहीं, पूरे देश की महिलाओं के लिए अकेले ही लड़ती आई हूं, अपने लिए भी लड़ूंगी। जमकर चरित्र हनन करो, वक़्त आने पर सब सच सामने आएगा।

उल्लेखनीय है मुख्यमंत्री आवास पर सुश्री मालीवाल के साथ हुई बदसलूकी पर प्राथमिकी दर्ज होने के बाद आम आदमी पार्टी ने आरोप को खारिज कर दिया। आप ने कहा कि भाजपा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को फंसाने के लिए षड्यंत्र रचा और इसमें स्वाति मालीवाल को मोहरा बनाया।

महिला आयोग ने बिभव कुमार के घर चिपकाया नोटिस

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट करने वाले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार के घर पर नोटिस चिपकाया है और शनिवार को आयोग के समय पेश होने को कहा है। महिला आयोग ने शुक्रवार को यहां बताया कि आयोग के अधिकारी और दिल्ली पुलिस के सहायक पुलिस आयुक्त (सिविल लाइंस) शुक्रवार को बिभव कुमार के घर उन्हें नोटिस देने गए। आयोग ने बताया कि घर पर मौजूद व्यक्तियों ने नोटिस लेने से इनकार कर दिया।

इसके बाद महिला आयोग के अधिकारियों ने यह नोटिस बिभव कुमार के घर के बाहर चिपका दिया। नोटिस में मुख्यमंत्री के निजी सचिव को 18 मई को आयोग के समक्ष पेश होने को कहा गया है।

महिला आयोग ने इससे पहले बिभव कुमार को इस मामले में नोटिस जारी किया था और उन्हें आज सुबह 11:00 बजे पेश होने को कहा था। दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष एवं आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता स्वाति मालीवाल ने दिल्ली पुलिस से समक्ष शिकायत दर्ज करायी है कि उनके साथ मुख्यमंत्री आवास पर मारपीट की गई।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रण निविदा सूचना सं. (ireps.gov.in के माध्यम से)

पीयूबी/0453

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सिग्नल एवं टेलीकाम (निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे, विजयवाड़ा द्वारा सार्वजनिक निविदा/दो पैकेट प्रणाली निविदाकरण के अंतर्गत नीचे उल्लेखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित है।

क्र.सं. 1. **निविदा सूचना सं.** : बी-एसजी-सीएन-एस एण्ड टी-बीजेडए-1-2024-25, दि. 15-05-2024. **कार्य का नाम** : दक्षिण मध्य रेलवे के सिकन्दराबाद डिवीजन में केआई-केजेडजे सेक्शन के मध्य तृतीया लाइन कार्य के मद्देनजर डीकेजे एवं पीपीवाई और केएमटी एवं पीपीवाई के मध्य पापाटापल्ली स्टेशन एवं आईबीएस पर डिस्ट्रिब्युटेड इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (हाट स्टैंडबाय) के साथ एमएसीएलएस इंडोर एवं आउटडोर का प्रावधान। **निविदा मूल्य** : रु. 11,25,72,605.33 पैसे, **पूरा करने की अवधि** : 12 महीने, **बंद होने की तिथि एवं समय** : 07-06-2024 को 11.00 बजे।

1. बोली दस्तावेज एवं अन्य विवरणों के लिए कृपया वेबसाइट **https://ireps.gov.in** को लॉगइन करें।

2. निविदादाता अपने प्रस्तावों को निविदा प्रस्तुत करने/बोली लगाने की अवधि, जो निविदा बंद होने की तिथि से 15 दिन पूर्व तक है, के दौरान ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं।

3. निविदादाताओं के किसी भी प्रकार के शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन जारी) के लिए निविदा प्रस्तुत करने/बोली लगाने की अवधि प्रारंभ होने की तिथि तक देखना होगा।

उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (निर्माण), गुंटूर@विजयवाड़ा

ई-निविदा सूचना सं. : एस एण्ड टी/06/2024, दि. 16-05-2024

पीयूबी/0455

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडलीय सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (रखरखाव), दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटकल द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए 06-06-2024 को 15.00 बजे तक ई-निविदाएँ (सार्वजनिक) आमंत्रित हैं।

निविदा सं. : 01-एसएनटी-06-2024. **कार्य का विवरण (सिग्नल एवं टेलीकाम कार्य)** : (1) बनटनाहलु स्टेशन - नए इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के प्रावधान के संबंध में सिग्नलिंग व्यवस्थाएँ,

(2) नंदलुर, कलामल्ला, पाताकोत्ताचेरुवु एवं चेगुन्टा स्टेशनों पर लांगर लूप लाइन व्यवस्थाओं के संबंध में सिग्नलिंग व्यवस्थाओं का प्रावधान, **कार्य का विज्ञापित निविदा मूल्य** : रु. 7,77,77,581.33, **पूर्व धरोहर राशि** : रु. 4,88,900.00/-, **पूरा करने की अवधि** : 12 महीने।

प्रस्ताव की वैधता निविदा खोलने की तिथि से 60 दिन तक होनी चाहिए। उपरोक्त निविदा सूचना के लिए शुद्धिपत्र यदि आवश्यक हो तो केवल ऑनलाइन के माध्यम से ही जारी होगा।

वरि. मंडलीय सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता, रखरखाव, गुंटकल

निविदा सूचना

पीयूबी/0454

ऐसे ठेकेदारों, जिनके पास वैध 'बी' ग्रेड विद्युतीय ठेकेदार का लाइसेंस है, से ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

भारत के राष्ट्रपति की ओर से चीफ वर्कशाप मैनेजर, दक्षिण मध्य रेलवे, वैगन वर्कशाप, गुंटुपल्ली-521241 की विद्युतीय शाखा द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए 12-06-2024 को 14.45 बजे तक मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित हैं।

निविदा सं. जीआर/ई.29/1/204, दि. 15-05-2024,

विवरण : 1) न्यू कांक्रीट पाथ वेज 1872 मीटर्स X 2 मीटर्स यार्ड में और पेंट शाप (पुराना) में 37.5 मीटर्स X 60 मीटर्स (बे-2, 3 एवं 4) की पुनः फ्लोरिंग के मद्देनजर विद्युतीय व्यवस्थाएँ, (2) कम्पोनेंट शाप एवं यार्ड के मध्य 750 मी. X 2 मी ड्रेनेज और ट्रैवर्सर 2 एवं शाप्स के मध्य 300 मीटर्स X 6 मीटर्स के नए कांक्रीट रोड के मद्देनजर इलेक्ट्रिकल व्यवस्थाओं का प्रावधान, (3) बीजेडए छोर की ओर पेंट शाप के रूफ ओवर वाटर टेस्टिंग एरिया के विस्तारण के मद्देनजर विद्युतीय व्यवस्थाओं का प्रावधान।

मात्रा : 01, **पूरा करने की अवधि** : 6 महीने, **निविदा मूल्य** : रु. 32,46,134.00 (केवल बत्तीस लाख छयालीस हजार एक सौ चौंतीस रुपये), **जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा/पूर्व धरोहर राशि** : रु. 65,000 (केवल पैंसठ हजार रुपये), **निविदा दस्तावेज का मूल्य** : निःशुल्क, **प्रस्ताव की वैधता** : खोलने की तिथि से 60 दिन, **निविदा का प्रकार** : आईआरजीसीसी-2022 द्वारा शासित कार्य निविदा, **निविदाकरण की प्रणाली** : सार्वजनिक निविदा - एकल पैकेट, **समानान्तर प्रकृति का कार्य** : लागू नहीं, **बोली बंद होने की तिथि व समय** : दि. 12-06-2024 को 15.00 बजे, **बोली खोलने की तिथि व समय** : 12-06-2024 को 15.15 बजे, **निविदा दस्तावेज एवं शुद्धिपत्र** : निविदा दस्तावेज एवं परिवर्तन/ किसी शुद्धिपत्र के लिए वेबसाइट : http:www.ireps.gov.in देखें।

यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित हो जाए तो निविदाओं को अगले कार्य दिवस में उसी समय पर खोला जाएगा।

असि. डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ डब्ल्यूडब्ल्यूएस/गुंटुपल्ली

निविदा सूचना सं. सीआरएस-ई-10-24-25

पीयूबी/0456

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत **एडीईई/सीआरएस/टीपीटीवाई** द्वारा नीचे उल्लेखित निविदा सं. के प्रति ई-निविदा आमंत्रित है। बन्द होने की तिथि नीचे उल्लेखित अनुसार **15.00** बजे तक है। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ बंद होने की तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के प्रति प्रस्तुत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं होंगे और अगर कोई ऐसा मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है तो उसे नजरअंदाज किया जाएगा।

क्रम सं.01. कार्य का विवरण : निविदा सं. : सीआरएस-ई-10-24-25. 12 महीने की अवधि के लिए स्वर्णमुखी रिवर बेड से स्टॉफ क्वार्टर्स को पेयजल आपूर्ति की व्यवस्थाएँ - सबमर्सिबल पम्प सेट्स एवं इनके विद्युत आपूर्ति व्यवस्थाओं का संचालन, मरम्मत, रखरखाव एवं उठाना और नीचे करना। **अनुमानित मूल्य** : रु. 9,93,706/-, **बोली सुरक्षा** : रु. 19,900/-, **पूरा करने की अवधि** : 12 महीने, **बंद होने की तिथि** : 05-06-2024 को 15.00 बजे।

वेबसाइट विवरण : **www. ireps.gov.in**
सूचना बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा के पूर्ण विवरण देखे जा सकते हैं : असिस्टेंट डिवीज़नल विद्युत अभियंता कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

असिस्टेंट डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ सीआरएस/ तिरुपति

A0579

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट: http:// www.ireps.gov.in' या www.scr. indianrailways.gov.in देखें

IN THE COURT OF THE HON'BLE CHIEF JUDGE,CITY CIVIL COURTS AT:-HYDERABAD
O.S.No. 115 OF 2001

Between:-
Sree Yadav (Aheer)Seva Sangh (Trust), Hyd. ...Plaintiff
AND
Tuljaram Yadav & (2) Others, Hyd. ..Defendants

To,
1. Durga Bai Yadav, W/o.Late Kanawale Omprakash Yadav R/o. H.No.15-7-168, Bhagwan gunj, Begum Bazar, Hyderabad.
2. Rajender Yadav, S/o.Late. Om Prakash yadav R/o.H.No. 15-7-168,Bhagwan gunj, Begum Bazar, Hyderabad.
3. Hema Bai Gope, D/o.Late.Kanawale Omprakash Yadav,R/o.H.No.15-7-193/1, Kolsawadi, Begum Bazar, Hyderabad.
4. Kalpana Yadav, D/o.Late Kanawale Omprakash Yadav R/o.H.No.14-7-320,Shanker Bazar,Begum Bazar, Hyderabad
5. Pinky Yadav, D/o. Late Kanawale Omprakash Yadav, R/o.H.No.15-7-168,Begum Bazar, Hyderabad.
6. Deepa Yadav, D/o. Late Kanawale Omprakash Yadav, R/o.H.No15-7-168,Bhagwan Gunj, Begum Bazar, Hyderabad.

...DEFENDANT No.4 to 9

WHEREAS the plaintiff has filed a Suit bearing O.S. No. 115 of 2001. Against the Defendant 1 to 3. The Defendants No.4 to 9 are brought on record as LR's of Late Kanawale Omprakash Yadav, Defendant No.2. This is to give notice that you, the above Defendant No.4 to 9, to appear before this Court on the **07 day of June 2024 at 10:30 AM in the Court** in person or through your counsel in the above O.S. Failing which, the court may proceed with the proceedings in your absence:

// BY ORDER OF THE COURT //
Sd/-
RAVI KUMAR VORA
VINAYAK CHAND YADAV,
Advocates for the plaintiff
office at Door No. 15-8-308 & 309, Feel Khana,Hyderabad - 12,T.S

DAILY शुभ लाभ — Classifieds — FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, Service No.JC 731759F Sub Maj (Hony Lt) Manoj Kumar Bhatt of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my son name is to be changed from **SUMMIT BHATT** to **SUMIT BHATT**.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No. 6940819F Hav Jnaneswar Chokale of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad declare that my father name & DOB is to be changed from **PUNDLIK**, DOB:**20-5-1945** to **PUNDALIK CHAKRAPPA CHOKALE**, DOB:**01-01-1955** and my mother name & DOB is to be changed from **CHANDRAYYA**, DOB:**15-5-1950** to **CHANDRAVVA PUNDALIK CHOKALE**, DOB:**01-01-1965** vide affidavit dt:16-5-2024

CHANGE OF NAME & DOB

I, LAKSHMI is legally Wedded Wife of Service No. JC-199430Y, Rank: EX-SUB, Name: PUPPALA NARAYANA, residing at H.No. 1-5-693, BHAVANI NAGAR, OLD ALWAL, Secunderabad, State: Telangana, Pin:500010, I have changed my name from **LAKSHMI** to **PUPPALA VIJAYA LAXMI** and changed my DOB from **04-06-1955** to **04-10-1953**, Advocate and Notary Talari Balaiah

CHANGE OF NAME

I, Service No 14667424W Hav Rajeev Chandra Devnath, R/o EME Depot Bn,C/o 56 APO, Secunderabad ,PIN-500015, State-Telangana, have changed my Mother name from JANU DEVI to JANURANI DEVNATH vide affidavit dt 17-5-2024 G Ramchander Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, MAYA is legally wedded Spouse of service No 17030342F, Rank-Hav, Name-Lohit Anigolkar presently residing at Vill & PO-Shindolli,Distt-Belagavi,PIN-591124 State-Karnataka have changed my name from MAYA to MAYA LOHIT ANIGOLKAR add in my husband service documents Before R G Hulikatti Notary Belagavi dated 08/05/2024.

तेलंगाना में लोस चुनाव में हुए कम मतदान की जांच कराए आयोग : निरंजन

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी निरंजन ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार से तेलंगाना में विधानसभा चुनाव 2023 की तुलना में लोक सभा 2024 चुनाव में कम मतदान के कारणों का पता लगाने के लिए जांच और विश्लेषण करने का आग्रह किया है।

श्री निरंजन इस संबंध में सीईसी को एक पत्र लिखा है, जिसकी एक प्रति शुक्रवार को यहां मीडिया को जारी की गई। इस पत्र में उन्होंने कहा है कि कि तेलंगाना में विधानसभा चुनाव 30 नवंबर, 2023 को हुए थे, जिसमें 3,26,02,793 पंजीकृत मतदाताओं में से 71 प्रतिशत से अधिक 2,32,59,256 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। इसके उलट 13 मई 2024 को हुए लोकसभा चुनाव में 3,32,16,348 पंजीकृत मतदाताओं में से केवल 2,20,24,806 ने वोट डाला। जिनका अनुपात 66 प्रतिशत से अधिक रहा। उन्होंने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि लोकसभा चुनाव में विधानसभा चुनाव की तुलना में 12,34,450 कम वोट पड़े।

पार्टी उपाध्यक्ष ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 2023 के विधानसभा चुनावों के बाद लगभग 12 लाख नए मतदाताओं का नामांकन हुआ और लगभग आठ लाख

मतदाताओं को हटा दिया गया, जिसके कारण लगभग चार लाख मतदाताओं की वृद्धि हुई। इस बढ़ोतरी के बावजूद लोकसभा चुनाव में लगभग 16,50,000 वोटों की भारी कमी हुई।

श्री निरंजन ने चुनाव आयोग से यह निर्धारित करने के लिए विस्तृत विश्लेषण करने का अनुरोध किया कि क्या कम मतदान मृत मतदाताओं, डुप्लिकेट मतदाताओं या कई स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं जैसे मुद्दों के कारण था। उन्होंने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान कई मतदाता जो तेलंगाना और आंध्र प्रदेश दोनों में पंजीकृत थे, उन्होंने तेलंगाना में अपना वोट डाला, क्योंकि उस समय आंध्र प्रदेश में कोई चुनाव नहीं था।

लोकसभा चुनाव से पहले हालांकि लगभग 15 लाख लोगों ने कथित तौर पर आंध्र प्रदेश में मतदान करने के लिए तेलंगाना छोड़ दिया था। इस तथ्य को विभिन्न समाचार पत्रों और टीवी चैनलों ने उजागर किया था। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार एक मतदाता को केवल एक ही स्थान पर मतदान करने की अनुमति है, अन्यथा वे आपराधिक मुकदमा चलाने के लिए उत्तरदायी हैं। कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी विसंगतियां मतदान प्रतिशत को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं।

उन्होंने बताया कि आने वाले महीनों में तेलंगाना में ग्राम पंचायत, जेपीटीसी/एमपीटीसी और अन्य स्थानीय निकाय चुनाव होंगे, जिसके लिए वर्तमान मतदाता सूची का उपयोग किया जाएगा। राज्य चुनाव आयोग इन चुनावों के लिए चुनाव आयोग द्वारा प्रदान की गई मतदाता सूची को अपनाता है।

उन्होंने चुनाव आयोग से अनुरोध किया कि आंध्र प्रदेश में मतदान करने वाले मतदाताओं के नाम तेलंगाना मतदाता सूची से हटा दिए जाएं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी को भी दोनों राज्यों में मतदान करने की अनुमति नहीं है।

अग्र महिला मंच तेलंगाना का समर कार्निवाल 21 को

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्र महिला मंच की कार्यकारणी बैठक मधु गोयल के निवास दोमलगुड़ा पर मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग की अध्यक्षता में की गई। बैठक में सभी की सर्वसम्मति से मंच द्वारा समर कार्निवाल करने का निर्णय लिया गया। समर कार्निवाल 21 मई मंगलवार को सायं 4 से 8 तक एबिड्स स्थित केमिस्ट भवन में आयोजित किया जाएगा। जिसमे विविध प्रकार के स्टॉल्स बच्चों के मनोरंजन के गेम्स, चटपटे व्यंजन, भगवान की पोशाक, महिलाओं के लिए अनेक प्रकार के परिधानों से संबंधित व अन्य स्टॉल्स रहेंगे।

इस कार्निवाल की मुख्य अतिथि कलावती जाजू, मारवाड़ी महिला संगठन की अध्यक्षा द्वारा रिबन काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। अवसर पर मंत्राणी अंजू गोयल, मीना कुंछल, सपना अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, मंजू केजरीवाल, सीमा पंसारी, सरला अग्रवाल उपस्थित थे। सभी के लिए फ्री तंबोला भी खिलवाया जायेगा। सीमा पंसारी के धन्यवाद से सभा का समापन हुआ।

हैदराबाद वैश्विक निवेश का गंतव्य बनेगा : उत्तम

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के नागरिक आपूर्ति और सिंचाई मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की कि हैदराबाद को दुनिया के शीर्ष महानगरों के साथ मुकाबला करते हुए वास्तव में वैश्विक निवेश गंतव्य में बदल दिया जाएगा।

श्री रेड्डी ने शुक्रवार को हाईटेक्स में आईजीबीसी ग्रीन प्रॉपर्टी शो 2024 के उद्घाटन के अवसर बोलते हुए कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार का लक्ष्य वैश्विक, देश और राज्य के निवेशकों को एक स्पष्ट संदेश भेजना है कि हैदराबाद हर मायने में वास्तव में एक वैश्विक शहर बन जाएगा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि हैदराबाद में मौजूदा बुनियादी ढांचा जिसमें अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, बाहरी रिंग रोड, एक्सप्रेसवे, फ्लाईओवर और गोदावरी और कृष्णा नदियों से पीने का पानी शामिल है, मुख्य रूप से 2004 से 2014 तक कांग्रेस सरकार द्वारा विकसित किया गया है। उन्होंने कहा, हम अभूतपूर्व स्तर पर हैदराबाद में बुनियादी ढांचे का निर्माण करेंगे।उन्होंने मुसी रिवरफ्रंट को वैश्विक मानकों के अनुसार विकसित करने और शहर के हर कोने तक मेट्रो रेल का विस्तार करने की मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की योजनाओं का उदाहरण देकर उल्लेख किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने आश्वासन दिया कि तेलंगाना सरकार व्यापार-अनुकूल माहौल को बढ़ावा देगी और तेलंगाना में व्यापार करने में आसानी देश में सबसे अधिक होगी। निवेशकों और व्यवसायियों को सरकार अत्यधिक सहयोगी लगेगी।

आंध्र प्रदेश ट्रेन एक्सीडेंट मामले में रेलवे सुरक्षा आयुक्त का बड़ा खुलासा

रेल अफसरों ने सिग्नल ओवरशूटिंग को किया था नजरअंदाज

अमरावती/नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में पिछले साल 29 अक्तूबर को दो रेलगाड़ियों की टक्कर हुई थी। उस समय ईस्ट कोस्ट रेलवे का मानना था कि यह हादसा मानवीय भूल के कारण हुआ है। हालांकि, अब इस हादसे को लेकर बड़ा दावा किया जा रहा है।

अब रेलवे सुरक्षा के विशेषज्ञों, लोको पायलट निकायों और मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने हादसे के लिए मुख्य रूप से वरिष्ठ रेलवे परिचालन अधिकारियों को दोषी ठहराया है। बता दें कि इस हादसे में तीन रेलवे कर्मियों सहित 17 लोगों की मौत हो गई थी।

रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि हादसे की जांच में साफ हुआ है कि हादसे वाले दिन यानी 29 अक्तूबर 2023 को दुर्घटना से पहले ट्रेन ने तीन में से दो फाल्ट वाले सिग्नल को पार किया था। लेकिन

वरिष्ठ परिचालन अधिकारियों ने इन्हें नजरअंदाज कर दिया। इस हादसे में 82 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल रही रेलगाड़ी संख्या 08504 (विशाखापत्तनम-रायगड़ा सवारी गाड़ी) ने दो सिग्नल ओवरशूटिंग कर दिए थे और रेल संख्या नंबर 08532 (विशाखापत्तन- पालसा पैसेंजर) से टकरा गई थी। इससे पहले हाल ही में रेलवे बोर्ड को इस हादसे की रिपोर्ट सौंपी गई थी। इसमें मारे गए लोको पायलट और सहायक लोको पायलट को लाल सिग्नल को हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। इसके अलावा, रिपोर्ट में वाल्टेयर रेल मंडल के परिचालन विभाग की जिम्मेदारी तय की गई है। इसमें दो स्टेशनों कंटकपल्ली (केपीएल) और अलामंदा (एएलएम) के तत्कालीन स्टेशन मास्टर को भी शामिल किया गया है। गौरतलब है कि हादसा इन्हीं दोनों स्टेशनों के बीच हुआ था।

सीआरएस ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस दुर्घटना को टाला जा सकता था अगर पायलट और लोको पायलट की निष्क्रियता के अलावा परिचालन स्टेशन के कर्मचारी मौजूदा नियमों का पालन कर रहे होते।

इसमें कहा गया है कि नियमों की स्पष्टता की कमी ने समस्या बढ़ा दी है। वहीं, उत्तर रेलवे में मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/सूचना प्रौद्योगिकी के पद से रिटायर हुए केपी आर्य ने कहा कि डेटा लॉगर डिवाइस इन उल्लंघनों को रिकॉर्ड करता है और एक रिपोर्ट तैयार करता है। इससे पता चलता है कि किसी ने भी इन उल्लंघनों पर ध्यान नहीं दिया। अगर पहले मामले में कार्रवाई की गई होती, तो यह दुर्घटना नहीं होती।

स्कूल खुलने तक पूरे हो जाने चाहिए सभी मरम्मत और विकास कार्य : कलेक्टर

आसिफाबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि अधिकारियों को अगले शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले अम्मा आदर्श विद्यालय समिति के तत्वावधान में सरकारी स्कूलों में किए गए विकास और मरम्मत कार्यों को पूरा करने के लिए समन्वय में काम करना चाहिए। जिले के अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों, मंडल नोडल अधिकारियों और इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों के साथ एकीकृत जिला कलक्ट्रेट भवन परिसर स्थित कलेक्टर सभाकक्ष में

स्कूलों के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी योजना अम्मा आदर्श विद्यालय समिति के तहत जिले के 685 सरकारी विद्यालयों में किये जाने वाले कार्यों को शुरू करने के लिए अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 की शुरुआत तक पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यालय में पेयजल, मूत्रालय, शौचालय, विद्युत संबंधी कार्य, कंट्रोल बोर्ड, पंखा आदि कार्य पूर्ण करायें। उन्होंने कहा कि बोरवेलों एवं टंकियों की मरम्मत पर विशेष ध्यान देकर पेयजल उपलब्ध कराने के उपाय किये जायें तथा बालिकाओं के लिए विशेष मूत्रालयों का निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाये। अधिकारियों को स्कूलों में छोटे-बड़े मरम्मत कार्यों पर विशेष ध्यान देकर पूरा करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि अगले शैक्षणिक वर्ष में कक्षाएं शुरू होने से पहले विद्यार्थियों को समान पोशाक उपलब्ध कराने के लिए शिक्षा विभाग के अधिकारी और संबंधित विभाग के अधिकारी समन्वय बनाकर काम करें और विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकें वितरित करने के लिए कदम उठाएं। इस कार्यक्रम में जिला ग्रामीण विकास अधिकारी सुरेंद्र, शिक्षा विभाग के अधिकारी, इंजीनियरिंग अधिकारी, संबंधित विभागों के अधिकारी और अन्य लोगों ने भाग लिया।

धान खरीदी में राज्य सरकार पूरी तरह विफल : विधायक हरीश बाबू

कागजनगर, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में भाजपा प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिरपुर टी विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने कहा कि राज्य सरकार चावल खरीद के मामले में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने बताया कि धान क्रय केन्द्रों पर बारदाना नहीं है तथा बारदानों की भारी कमी है। उन्होंने कहा कि ट्रकों को लोडिंग और अनलोडिंग के बाद आने में काफी समय लगता है और किसानों की दुर्दशा अवर्णनीय है। उन्होंने कहा कि तौल के मामले में तो ये लोग धोखाधड़ी कर रहे हैं और धान के दाम मामले में किसानों के साथ गंभीर अन्याय हो रहा है। हरीश बाबू ने राज्य सरकार से इस मामले में तत्काल कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि साजिश के तहत किसानों को पीटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र सरकार चावल के लिए सहायता देने को तैयार है तो कम से कम राज्य सरकार को इसका उपयोग करना चाहिए पर सरकार इस लाभ का भी उपयोग नहीं कर रही है।

अगरुड़ा के जंगलों में भालू की संदिग्ध मौत

कागजनगर,17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमरमभीम जिले के पेंचिकल पेट मंडल के पास अगरुड़ा के जंगलों में एक भालू की मौत हो गई। गुरुवार को शव की पहचान करने वाले वन अधिकारियों ने पशु चिकित्सकों की मौजूदगी में शव का पंचनामा किया। पता चला कि भालू शावक के शव पर चोटों के निशान थे जैसे भालू ने गाड़ी पर हमला किया हो। यह पता चला है कि अधिकारियों ने भालू के शरीर के हिस्सों को यह निर्धारित करने के लिए फोरेंसिक लैब में भेज दिया है कि क्या वह आत्मरक्षा में मारा गया अथवा जाल में फंसाया गया या बिजली के झटके से मारा गया। पशुचिकित्सकों ने पुष्टि की कि भालु लगभग छह साल की आयु का था।

राष्ट्रीय लोक अदालत आठ जून को : एमवी रमेश

आसिफाबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला प्रधान न्यायाधीश एमवी रमेश ने एक बयान में कहा कि मध्यस्थता के माध्यम से मामलों को सुलझाने के लिए 8 जून को जिले में एक राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी। 8 जून को सुबह 10.30 बजे जिला केंद्र स्थित जिला न्यायालय भवन परिसर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत कार्यक्रम में आपराधिक, सिविल, प्री-लिटिगेशन, बैंकिंग, बिजली, भूमि मामले, विवाह, पारिवारिक मामले सहित सभी प्रकार के मामले शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मोटर वाहन दुर्घटना मामले, चिटफंड, चेक बाउंस और अन्य मामलों को दोनों पक्षों के बीच समझौते के माध्यम से हल करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि लोक अदालत में मामले सुलझाने से समय की बर्बादी नहीं होगी बल्कि आर्थिक लाभ भी होगा और लोगों को इस अवसर का लाभ उठाकर अपने मामले निपटाने चाहिए। राष्ट्रीय लोक अदालत कार्यक्रम के प्रथम पीठ में जिला प्रधान न्यायाधीश, जिला विधि सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष एम.वी., दूसरी बेंच में सीनियर सिविल जज रमेश, तीसरी बेंच में जिला न्यायिक सेवा संगठन के सचिव के.युवराज, प्रधान जूनियर सिविल जज जे. शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि अनंतलक्ष्मी मजिस्ट्रेट के तौर पर काम करेंगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.